15 सितंबर, 2025
आश्विन, कृष्ण पक्ष, नवमी
संवत 2082
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

रांची
सोमवार, वर्ष 10, अंक 326

* ओड़िशा संस्करण

www.epaper.azadsipahi.in

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

लंदन में अवैध-अप्रवासी मुद्दे पर एक लाख लोगों ने किया प्रदर्शन

FLORENCE
GROUP OF INSTITUTIONS
(A Unit of :Haji Abdur Razzaque Educational Society)
ADMISSION OPEN
COLLEGE OF NURSING
2 YEARS M.Sc. Nursing
2 YEARS Post Basic B. Sc. Nursing
4 YEARS B.Sc. Nursing
3 YEARS GNM (General Nursing And Midwifery)
2 YEARS ANM (Auxiliary Nursing And Midwifery)
COLLEGE OF PARA MEDICAL SCIENCE
4 YEARS BMLT
2 YEARS DMLT
2 YEARS OT ASSISTANT
2 YEARS ECG
2 YEARS OPHTHALMIC ASST.
2 YEARS CRITICAL CARE (ICU)
2 YEARS RADIO-IMAGING
2 YEARS ANESTHESIA TECH.
1 YEARS DRESSERS
COLLEGE OF PHARMACY
2 YEARS D-PHARM
4 YEARS B-PHRRM
Separate Hostel For Boys & Girls
9031231082, 7903999411, 6205145470
E-mail: fsnirba@gmail.com
Website: www.florenceinstirba.com

SACRED CHILD ACADEMY
PLAY SCHOOL
Pre Nursery
KG - I
Nursery
KG - II
ADMISSION OPEN

Tiril Road, Kokar, Ranchi
9661169815

न्यूज रील्स

पूर्वोत्तर में कांपी धरती, नुकसान नहीं

गुवाहाटी। पूर्वोत्तर के कई हिस्सों में रविवार को भूकंप के झटके महसूस किये गये। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 5.8 मापी गयी है। असम सरकार के अधिकारियों ने इस बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि रविवार को देश के पूर्वोत्तर क्षेत्र के कुछ हिस्सों में 5.8 तीव्रता का भूकंप आया। अधिकारियों ने बताया कि भूकंप रविवार शाम 4.41 बजे आया और इसका केंद्र उदलगुरी जिले में था। भूकंप की गहराई पांच किमी थी। भूकंप के कारण बंगाल से भूटान तक झटके महसूस किये गये। भूकंप के कारण लोग दहशत में आ गये और घरों से बाहर निकल आये। उन्होंने बताया कि किसी भी प्रकार के जान-माल के नुकसान की तत्काल कोई रिपोर्ट नहीं है। नॉर्थ ईस्ट उच्च भूकंपीय क्षेत्र में आता है, जहां इस तरह के भूकंप अक्सर आते रहते हैं। इससे पहले 2 सितंबर को असम के सोनितपुर जिले में 3.5 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया था।

प्रधानमंत्री ने असम में 18.50 हजार करोड़ की परियोजनाओं का किया उद्घाटन-शिलान्यास

मैं शिव भक्त, जहर निगल लेता हूं: मोदी

- कांग्रेस ने घुसपैठियों को बढ़ावा दिया, गरीबों को ठुकराया
- भाजपा तुष्टीकरण नहीं, संतुष्टिकरण पर देती है जोर

आजाद सिपाही संवाददाता

गुवाहाटी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने असम दौरे के दूसरे दिन रविवार को दरांग और गोलाघाट के नुमालीगढ़ में 18 हजार 500 करोड़ के बुनियादी ढांचे और औद्योगिक परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। पीएम ने दोनों जगहों पर जनसभाएं भी कीं। इस दौरान उन्होंने कहाः मैं शिव भक्त हूं। जहर निगल लेता हूं। प्रधानमंत्री ने दरांग में कहा, जब हमने भूपेन हजारिका को भारत रत्न दिया था, तो कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने कहा था कि मोदी, नाचने-गाने वालों को भारत रत्न दे रहा है। मुझे कोई कितनी ही गालियां दे। मैं भगवान शिव का भक्त हूं, सारा जहर निगल लेता हूं। लेकिन जब किसी और का अपमान होता है, तो मुझसे रहा नहीं जाता।

पीएम मोदी ने कांग्रेस पर साधा निशाना

नुमालीगढ़ में पीएम ने कहा कि कांग्रेस के कार्यकाल में गरीबों को ठुकराया गया। आदिवासियों के साथ अन्याय हुआ। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का काम एक वर्ग के तुष्टिकरण से हो जाता था। उनको सत्ता मिल जाती थी। लेकिन भाजपा तुष्टिकरण नहीं, संतुष्टिकरण पर जोर देती है। कोई भी गरीब और इलाका पीछे न रहे, हम इसके लिए काम कर रहे हैं। हमारा मंत्र 'नागरिक देवो भवः' है। हमारे लिए जनता भगवान है। देश के नागरिकों को असुविधा न हो, भाजपा सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री ने कहा कि विकास के प्रयासों के बीच असम के लिए चुनौती भी विकराल होती जा रही है। ये चुनौती है घुसपैठ की। कांग्रेस सरकार ने उन्हें जमीन दी। संरक्षण दिया। वोट बैंक की लालच में असम की डेमोग्राफी को बिगाड़ दिया। अब भाजपा सरकार असम के लोगों के साथ मिलकर इस चुनौती का मुकाबला कर रही है।

व्यापार और पर्यटन का बड़ा केंद्र बनेगा असम

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, हमारी योजनाओं का लाभ यहां चाय बागानों में काम करने वाले भाइयों और बहनों को भी हो रहा है। उनका हित हमारी प्राथमिकता है। सरकार चाय बागानों में काम करने वाली महिलाओं को मदद दे रही है। उनके स्वास्थ्य और बच्चों की शिक्षा पर हमारा बहुत जोर है। यहां माता और शिशु मृत्यु दर को कम करने के लिए भी योजनाएं चला रही है। कांग्रेस के समय इन श्रमिकों को चाय कंपनियों के भरोसे छोड़ दिया गया था। लेकिन हम उनके घर, बिजली, पानी और स्वास्थ्य की चिंता कर रहे हैं। असम के विकास का दौर शुरू हो चुका है। असम व्यापार और पर्यटना का बड़ा केंद्र बनेगा। हम मिलकर नया असम और विकसित भारत बनायेंगे।

बायो एथेनॉल संयंत्र का उद्घाटन

प्रधानमंत्री ने नुमालीगढ़ रिफाइनरी लिमिटेड (एनआरएल) में असम बायो एथेनॉल संयंत्र का उद्घाटन किया और नुमालीगढ़ रिफाइनरी लिमिटेड में पॉलीप्रोपाइलीन संयंत्र की आधारशिला भी रखी। पीएम मोदी ने कहा कि आज यहां बांस से एथेनॉल बनाने की शुरुआत हुई है। इसका असम के लोगों को फायदा होगा। सरकार यहां के किसानों को बांस की खेती करने में मदद करेगी और खरीदी भी करेगी। असम और पूर्वोत्तर आत्मनिर्भर भारत अभियान का केंद्र है।

पलामू के मनातू में मुठभेड़, पांच लाख का इनामी नक्सली ढेर

मंटू उमेश

मनातू/पलामू (आजाद सिपाही)। पलामू जिले में एक बार फिर पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई। इस बार भिड़ंत मनातू थाना क्षेत्र के बंसी गांव के जंगल में रविवार को हुई, जहां सुरक्षा बलों ने पांच लाख के इनामी टीएसपीसी नक्सली मुखदेव यादव को मार गिराया। पुलिस ने मौके से एक इंसास राइफल बरामद की है।

पुलिस के अनुसार नक्सलियों की मौजूदगी की गुप्त सूचना मिलने के बाद एसपी रीष्मा रमेशन, एएसपी राकेश कुमार सिंह और हुसैनाबाद एसडीपीओ आइपीएस मोहम्मद याकूब के नेतृत्व में एक विशेष अभियान चलाया गया। तरहसी और मनातू थाना क्षेत्र के सीमावर्ती जंगल में सुरक्षा बलों ने नक्सलियों को घेरने की कोशिश की, जिसके बाद दोनों ओर से गोलियां चलीं। मुठभेड़ में टीएसपीसी का सक्रिय नक्सली मुखदेव यादव मारा गया। पुलिस ने बताया कि मुठभेड़ के बाद जंगल का सहारा लेकर कुछ नक्सली फरार होने में सफल रहे। इलाके में अभी भी सर्च अभियान जारी है और भागे हुए नक्सलियों की तलाश की जा रही है। घटनास्थल से बरामद इंसास राइफल की जांच के लिए एफएसएल की टीम भी मौके पर पहुंची।

पुलिस को लगातार मिल रही कामयाबी : झारखंड पुलिस नक्सलियों के खिलाफ लगातार अभियान चला रही है। बीते कुछ महीनों में पुलिस ने एक के बाद एक बड़ी सफलता हासिल की है। हाल ही में चाइबासा के गोइलकेरा थाना क्षेत्र में हुई मुठभेड़ में भाकपा माओवादी का जोनल कमांडर अमित हांसदा उर्फ अपटन, जिस पर 10 लाख रुपये का इनाम घोषित था, पुलिस कार्रवाई में मारा गया था। उस समय भी इलाके में सुरक्षा बलों ने सघन सर्च ऑपरेशन चलाकर कई हथियार और नक्सली साहित्य बरामद किया था। इसी तरह, गढ़वा और लातेहार के जंगलों में भी इस साल कई बार पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई है, जिसमें कई नक्सली मारे गये और कुछ को गिरफ्तार किया गया। पुलिस का कहना है कि नक्सली संगठन अब लगातार कमजोर हो रहे हैं और संगठन में शामिल कई सदस्य आत्मसमर्पण भी कर रहे हैं।

पुलिस का सख्त संदेश

एसपी रीष्मा रमेशन ने बताया कि नक्सलियों की हर गतिविधि पर पुलिस की नजर है। उन्होंने कहा, सुरक्षा बल नक्सल प्रभावित इलाकों में लगातार अभियान चला रहे हैं। आम लोगों की सुरक्षा हमारी पहली प्राथमिकता है। किसी भी हाल में नक्सलियों को अपने मंसूबों में कामयाब नहीं होने दिया जायेगा।

अमित खरे बने उप राष्ट्रपति के सचिव

अभी पीएम मोदी के सलाहकार हैं झारखंड के पूर्व आइएएस

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। झारखंड कैडर के पूर्व आइएएस अमित खरे को नये उप राष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन का सचिव नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से तीन वर्ष की अवधि के लिए होगी। वह 1985 बैच के आइएएस थे। अमित खरे वर्तमान में पीएम मोदी के सलाहकार हैं। वह 12 अक्टूबर, 2021 से प्रधानमंत्री कार्यालय में सामाजिक क्षेत्र से संबंधित मामलों को संभाल रहे हैं। वह राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 को तैयार करने और लागू करने वाली कोर टीम का भी हिस्सा थे। नयी नियुक्ति को लेकर कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग द्वारा आदेश जारी कर दिया गया है।

कई अहम पदों पर काम कर चुके हैं खरे : खरे ने सार्वजनिक सेवा में अपने विशिष्ट कार्यकाल के दौरान केंद्र और राज्य सरकारों में कई प्रमुख पदों पर कार्य किया है। वह 31 मई, 2018 को भारत सरकार में सूचना एवं प्रसारण सचिव के पद पर शामिल हुए और बाद में उन्होंने स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता सचिव तथा उच्च शिक्षा सचिव के रूप में कार्य किया। अमित खरे मानव संसाधन विकास और सूचना प्रसारण मंत्रालयों में सचिव रह चुके हैं। झारखंड के चाइबासा में 1990 के दशक में वह उपायुक्त थे। उनके कार्यकाल के दौरान ही चारा घोटाले का पर्दाफाश हुआ था। बतौर उपायुक्त उनकी ही लिखायी गयी एफआइआर पर चारा घोटाले की जांच शुरू हुई थी, जिसमें बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव और जगन्नाथ मिश्रा सहित कई शीर्ष नेता और अधिकारी दोषी पाये गये थे।

पत्नी भी हैं आइएएस

अमित खरे दिल्ली के सेंट स्टीफंस कॉलेज से स्नातक हैं और आइआइएम अहमदाबाद से बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन में स्नातकोत्तर हैं। अमित खरे की पत्नी निधि खरे भी झारखंड कैडर की 1992 बैच की आइएएस हैं। अमित खरे की स्कूली शिक्षा रांची में हुई। उनके पिता एसी खरे रांची के एजी ऑफिस में अधिकारी थे।

नेपाल में हुई हिंसा में मरनेवालों को 'शहीद' का दर्जा

अंतरिम प्रधानमंत्री ने पीड़ित परिवारों के लिए मुआवजे का एलान किया

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल में भ्रष्टाचार और आर्थिक असमानता के खिलाफ भड़के जेन-जेड प्रदर्शनों में अब तक 72 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें 59 प्रदर्शनकारी, तीन पुलिसकर्मी और 10 कैदी शामिल हैं, जो जेल से भागने की कोशिश कर रहे थे। हालात बिगड़ने के बीच देश की पहली महिला अंतरिम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने एलान किया कि इन मृतकों को 'शहीद' का दर्जा दिया जायेगा और उनके परिवारों को 10-10 लाख नेपाली रुपये की मुआवजा राशि दी जायेगी। नव नियुक्त अंतरिम प्रधानमंत्री कार्की ने अपने कार्यभार संभालने के बाद रविवार को प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि 08 सितंबर को जिनकी मौत हुई है, उन्हें आधिकारिक तौर पर 'शहीद' कहा जायेगा। उन्होंने बताया कि घायलों का पूरा इलाज सरकार करायेगी और उन्हें भी आर्थिक सहायता दी जायेगी। इसके अलावा सरकार शवों को काठमांडू से उनके जिलों तक पहुंचाने की व्यवस्था करेगी।

मुआवजा और पुनर्निर्माण की योजना : कार्की ने यह भी कहा कि जिनकी निजी संपत्तियां प्रदर्शन के दौरान जलायी गयी हैं, उन्हें भी मदद दी जायेगी। सरकार उन्हें आसान शर्तों पर ऋण या अन्य उपायों के जरिये राहत देगी। उन्होंने साफ किया कि तोड़-फोड़ और आगजनी में शामिल लोगों की जांच की जायेगी और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई होगी।

सत्ता में रहने का इरादा नहीं

73 वर्षीय कार्की ने स्पष्ट किया कि अंतरिम सरकार केवल छह महीने के लिए है और इसका मकसद सत्ता का स्वाद लेना नहीं, बल्कि हालात को सामान्य करना है। उन्होंने कहा कि सरकार का ध्यान केवल भ्रष्टाचार की जांच, व्यवस्था सुधार और जनता के विश्वास को बहाल करने पर होगा।

नेपाल की पहली महिला पीएम

बता दें कि सुशीला कार्की नेपाल की पहली महिला प्रधानमंत्री बनी हैं। वह पहले नेपाल की मुख्य न्यायाधीश भी रह चुकी हैं। उनका कहना है कि इस आंदोलन ने देश की राजनीति और समाज के सामने नयी चुनौतियां रखी हैं और सरकार का कर्तव्य है कि इनसे निपट कर जनता को राहत पहुंचाये।

पाक को दिखा सूर्या का तेवर, कप्तान से नहीं मिलाया हाथ

एजेंसी

दुबई। पाकिस्तान के खिलाफ एशिया कप मैच में भारत के क्रिकेटर रविवार को मैदान में उतरे, लेकिन कप्तान सूर्य कुमार यादव ने टॉस से पहले पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा को तेवर दिखाये। उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी कप्तान से हाथ मिलाने से इनकार कर दिया। यह सूचना उन्होंने टॉस से एक घंटे पहले ही टीम प्रबंधन को दे दी थी। कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले का विरोध करने के लिए भारतीय कप्तान ने यह फैसला लिया था। हालांकि उन्होंने साथी खिलाड़ियों से कहा था कि हाथ मिलाने या नहीं मिलाने का फैसला उन पर निर्भर है।

देश भर में मैच का विरोध, सियासत भी तेज : इधर देश में भारत-पाक मैच को लेकर रविवार को क्रिकेट प्रशंसक बंटे हुए नजर आये। कहीं विरोध हो रहा था, तो कहीं टीम इंडिया की जीत के लिए हवन पूजा की जा रही थी। मैच को लेकर सियासत भी खूब हुई। शिवसेना उद्धव गुट ने केरल में पाकिस्तान का झंडा जलाया, तो मुंबई में कार्यकर्ताओं ने टीवी तोड़ कर प्रदर्शन किया। महिला कार्यकर्ताओं ने सरकार को सिंदूर भेजा और साथ ही बीसीसीआइ के लिए चंदा मांगा। पहलगाम हमले में मारे गये लोगों के परिजनों ने भी मैच के खिलाफ बयान दिया। कइयों ने कहा कि जिनके हाथ खून से सने हैं, हमारा उन्हीं से मैच हुआ। 22 अप्रैल को हुए पहलगाम हमले और सात मई को हुए ऑपरेशन सिंदूर के बाद यह पहला मौका था, जब दोनों देशों की क्रिकेट टीमें आमने-सामने थीं। कांग्रेस और आम आदमी पार्टी सहित तमाम विपक्षी दलों ने इसे पाकिस्तान के आतंकवाद के सामने सरकार के घुटना टेकने का प्रतीक बताया। विपक्षी दलों के नेताओं ने सरकार से सवाल किया कि क्या मैच से कमाया गया पैसा पहलगाम हमले में मारे गये 26 नागरिकों की जान से ज्यादा कीमती है।

सोशल मीडिया पर बहिष्कार की अपील

भारत-पाकिस्तान के बीच क्रिकेट को लेकर सबसे ज्यादा उत्साह सोशल मीडिया में दिखाई देता था, लेकिन इस बार माहौल पूरी तरह बदला हुआ था। सोशल मीडिया में लोग सरकार से सवाल पूछ रहे थे कि पहलगाम हमले के बाद अब तक पाकिस्तान ने ऐसा क्या सकारात्मक कदम उठाया है, जिसे देखकर सरकार ने उसके साथ क्रिकेट खेलने का निर्णय कर लिया। सोशल मीडिया पर लोग भारत-पाकिस्तान क्रिकेट के पूर्ण बहिष्कार की अपील कर रहे थे।

BABU DINESH SINGH UNIVERSITY
(Established Under Government of Jharkhand Act-06, 2023 & Section 2(f) of the UGC Act, 1956, Member of AIU, Delhi)
BEST PRIVATE UNIVERSITY IN JHARKHAND
10000+ BOOKS AVAILABLE IN LIBRARY
150+ QUALIFIED, EXP. & MOTIVATED FACULTY
150+ ACRE CAMPUS
Where dreams BECOME REALITY
300+ RESIDES IN BOYS & GIRLS HOSTEL
1500+ REGISTERED ALUMNI
LABS WITH MODERN TOOLS & EQUIPMENTS
RAGGING FREE CAMPUS
CAREER-ORIENTED PG/UG/DIPLOMA PROGRAMMES
Programs Approved by AICTE & Apex Bodies
Faculty of Engg. & Tech
B.Tech
Civil Engineering
Electrical and Electronic Eng.
Computer Science & Eng.
CSE (Artificial Intelligence)
CSE (Cyber Security)
Polytechnic / Diploma
Civil Engineering
Mechanical Eng.
Electrical and Electronic Eng.
Computer Science & Eng.
Electrical Engineering
Faculty of Law
LL.B. B.A. LL.B. B.B.A. LL.B
Faculty of Management
Bachelor of Business Administration (BBA)
Master of Business Administration (MBA)
Faculty of Information Tech.
Bachelor of Computer Application (BCA)
Master of Computer Application (MCA)
Post Graduation in Computer Application (PGDCA)
Faculty of Education
Bachelor of Elementary Education (B.Ed)
Diploma of Elementary Education (D.El.Ed.)
M.A (Education)
Faculty of Arts & Social Science
B.A (Hindi) B.A (English) B.A (Sanskrit)
B.A (Economics) B.A (Psychology)
B.A (Sociology) M.A (Hindi) M.A (English)
M.A (Sanskrit) M.A (Economics)
M.A (Psychology M.A (Sociology)
ADMISSION OPEN SESSION 2025-26
Faculty of Pharmacy
Diploma in Pharmacy (D.Pharm)
Bachelor of Pharmacy (B.Pharm)
Faculty of Dental Science
Bachelor of Dental Surgery (BDS)
Master of Dental Surgery (MDS)
Faculty of Homeopathy
Bachelor of Homeopathic Medicine & Surgery- BHMS
M.D Homeopathy B.Sc Medical Pathology
B.Sc Medical Biochemistry B.Sc Medical Microbiology
M.Sc Medical Microbiology
M.Sc Medical Biochemistry
Faculty of Nursing & Allied Health Science
Bachelor of Science in Nursing (B.Sc. Nursing)
General Nursing and Midwifery (GNM)
Auxiliary Nurse Midwives (ANM)
Paramedical
OT DMLT ECG X-RAY
Medical in Sanitary Inspector
Medical in Ophthalmic Assistant
Medical in Certificate in Dresser
Library Science
B.Lib.I.Sc. M.Lib.I.Sc
Faculty of Science
B.Sc. (Mathematics) B.Sc. (Chemistry) B.Sc. (Physics)
B.Sc. (Botany) B.Sc. (MLT) B.Sc. (Zoology)
B.Sc. (Pathology) B.Sc. (Biochemisty) B.Sc. (Microbiology)
M.Sc. (Mathematics) M.Sc. (Chemistry) M.Sc. (Physics)
M.Sc. (Botany) M.Sc. (Zoology) M.Sc. (Physiology)
M.Sc. (Biochemisty) M.Sc. (MLT) M.Sc (Microbiology)
Faculty of Commerce
B.Com M.Com
TRANSPORT FACILITIES
HOSTEL FACILITIES
LUSH GREEN CAMPUS
WI-FI CAMPUS
WORLD CLASS INFRASTRUCTURE
100% PLACEMENT ASSISTANCE
Admission Helpline: 9661462506, 6206297213, 9934688493
Farathiya, Garhwa-822114, Jharkhand
https://bdsu.ac.in/

आजाद सिपाही
रांची, सोमवार, 15 सितंबर, 2025
www.azadsipahi.in

मास्टर स्ट्रोक लगाने की तैयारी में हेमंत सोरेन

■ घाटशिला को जिला बना कर उप चुनाव में खेल सकते हैं बड़ा दांव

■ इस मुद्दे के साथ मैदान में उतरा झामुमो, तो विरोधी भी हो जायेंगे चित

■ डॉ दिनेश षाड़ंगी की पहल से शुरू हुई थी घाटशिला को जिला बनाने की मांग

आजाद सिपाही विशेष

झारखंड में घाटशिला विधानसभा उप चुनाव की सुगबुगाहट शुरू हो गयी है। ऐसी उम्मीद है कि बिहार में विधानसभा चुनाव के साथ ही घाटशिला में भी उप चुनाव कराया जायेगा। झामुमो के कद्दावर नेता रहे रामदास सोरेन के निधन के बाद यह उप चुनाव जरूरी हो गया है। झामुमो ने यहां से स्वर्गीय रामदास सोरेन के पुत्र सोमेश सोरेन को मैदान में उतारने का मन लगभग बना लिया है। मतदाताओं की सहानुभूति होने के बावजूद झामुमो इस उप चुनाव को हल्के में नहीं लेगा। इसलिए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अभी से ही सक्रिय हो गये हैं। झामुमो को पता है कि घाटशिला से भाजपा की तरफ से चंपाई सोरेन के पुत्र बाबूलाल सोरेन को उतारा जा सकता है। इसलिए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने एक ऐसी रणनीति तैयार की है, जिसमें फंस कर विपक्ष भी चारों खाने चित हो सकता है। यह रणनीति है घाटशिला को जिला घोषित करने की, जिसकी मांग पिछले 25 साल से की जा रही है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन यदि विधानसभा उप चुनाव की घोषणा से पहले घाटशिला को अलग जिला बनाने की घोषणा कर देते हैं, तो इससे न केवल झामुमो की जीत एक बार फिर पक्की होगी, बल्कि स्वर्गीय रामदास सोरेन के अधूरे सपने को पूरा करने का श्रेय भी उन्हें मिल जायेगा और इसका राजनीतिक असर दूरगामी हो सकता है। घाटशिला उप चुनाव की पृष्ठभूमि में क्या है अलग घाटशिला जिले की मांग का इतिहास और जिला घोषित हो जाने पर चुनाव में क्या होगा इसका असर, बता रहे हैं **आजाद सिपाही के घाटशिला ब्यूरो प्रमुख अरुण सिंह।**

राज्य के स्कूली शिक्षा मंत्री रहे रामदास सोरेन के निधन के बाद घाटशिला विधानसभा क्षेत्र के लिए उप चुनाव होना तय है। चुनाव आयोग के निर्देश पर उपायुक्त द्वारा मतदाता सूची का पुनरीक्षण कार्य जारी है। इस बात की प्रबल संभावना व्यक्त की जा रही है कि बिहार के विधानसभा चुनाव के साथ ही घाटशिला विधानसभा क्षेत्र के लिए चुनाव की घोषणा चुनाव आयोग द्वारा कर दी जायेगी। राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कोलकाता से रांची लौटने के क्रम में बहरागोड़ा और चाकुलिया के साथ-साथ घाटशिला विधानसभा क्षेत्र के प्रमुख कार्यकताओं को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया था। इसी क्रम में बहरागोड़ा क्षेत्र के विधायक समीर कुमार मोहंती को उन्होंने घाटशिला विधानसभा चुनाव की विशेष जिम्मेवारी सौंपी थी। झामुमो की ओर से औपचारिक घोषणा बाकी है, लेकिन स्वर्गीय रामदास सोरेन के पुत्र सोमेश सोरेन का उम्मीदवार बनाया जाना लगभग तय है। सोमेश के साथ घाटशिला विधानसभा के लगभग प्रमुख नेता एवं कार्यकर्ता हैं। औपचारिक बैठक भी हो चुकी है। आठ कोसी और मुसाबनी का दौरा उन्होंने पूरा कर लिया है। चंपाई सोरेन ने तीन दिन पहले घाटशिला क्षेत्र का दौरा किया एवं अपने पुत्र बाबूलाल सोरेन के लिए फील्डिंग सजाने में जुटे हैं। यह विदित है कि भाजपा में बड़े नेताओं का अपना-अपना कुनवा है। बाबूलाल सोरेन की उम्मीदवारी तभी पक्की हो सकती है, जब अन्य बड़े नेता सहमति जतायेंगे।

चुनाव को हल्के में नहीं लेगा झामुमो

झारखंड मुक्ति मोर्चा घाटशिला विधानसभा चुनाव को हल्के में नहीं लेने जा रहा है। यह सही है कि रामदास सोरेन की लोकप्रियता, क्षेत्र में उनकी पकड़ और सहानुभूति का लाभ झामुमो उम्मीदवार को मिलेगा। इसके बावजूद झामुमो के लोग धरातल पर काम करने में जुटे हैं। बहरागोड़ा क्षेत्र से विधायक समीर मोहंती और युवा नेता पूर्व विधायक कुणाल षाड़ंगी की घाटशिला विधानसभा चुनाव में महत्वपूर्ण भूमिका होगी। इन सबसे इतर झामुमो की ओर से मास्टर स्ट्रोक कार्ड खेले जाने की तैयारी की जा रही है। वह मास्टर स्ट्रोक कार्ड ऐसा है, जिसका शायद ही कोई राजनीतिक दल विरोध करे। ऐसी चर्चा है कि चुनाव की घोषणा के ठीक पहले हेमंत सोरेन सरकार द्वारा घाटशिला को जिला बनाने की घोषणा की जा सकती है। यदि ऐसा होता है, तो इस मास्टर स्ट्रोक के सामने विरोधी चारों खाने चित हो जायेंगे, ऐसा यूपीए गठबंधन का मानना है।

लंबे समय से लंबित है घाटशिला को जिला बनाने की मांग

घाटशिला को जिला बनाने का पहला प्रस्ताव राज्य सरकार के पास तत्कालीन एसडीओ रमेश दुबे की ओर से उपायुक्त पूर्वी सिंहभूम के माध्यम से भेजा गया था। उस समय बहरागोड़ा क्षेत्र के तत्कालीन विधायक डॉ दिनेश कुमार षाड़ंगी राज्य के स्वास्थ्य मंत्री थे। उन्होंने घाटशिला को जिला बनाने का प्रस्ताव सरकार के समक्ष रखा था। लेकिन उक्त प्रस्ताव को उसे समय की सरकार द्वारा ठंडे बस्ते में डाल दिया गया था। घाटशिला कांग्रेस के नेता एवं घाटशिला में धरातल पर कार्य करने वाले तापस चटर्जी ने लगातार इसके लिए आंदोलन किया। स्थानीय लोगों का उन्हें काफी समर्थन भी प्राप्त हुआ था। पिछले 25 वर्ष के इतिहास को उठाकर देखें, तो घाटशिला को जिला बनाने की मांग यूपीए हो अथवा एनडीए, दोनों गठबंधनों के प्रमुख दल इसकी मांग करते रहे हैं। घाटशिला अनुमंडल के सभी प्रखंड क्षेत्र के लोगों की यह एक बड़ी आकांक्षा है।

क्या है घाटशिला अनुमंडल की सीमा

घाटशिला अनुमंडल के अंतिम छोर की बात करें, तो पश्चिम बंगाल की सीमा चिचड़ा से शुरू होती है। जिला कार्यालय जमशेदपुर से इसकी दूरी 117 किलोमीटर है। ओड़िशा की दूरी, जो कि जामशोला सीमा है, वह 107 किलोमीटर पर अवस्थित है। गुड़ाबांधा और डुमरिया की सीमाएं ओड़िशा से सटी हैं। यह भी 110 किलोमीटर की दूरी पर है। घाटशिला जिला में घाटशिला, मुसाबनी, डुमरिया, गुड़ाबांधा, धालभूमगढ़, बहरागोड़ा और चाकुलिया प्रखंड शामिल किये जायेंगे। आबादी की दृष्टि से देखें, तो यहां की आधी आबादी शहर में है और आधी ग्रामीण क्षेत्र में। शहर की बढ़ती आबादी में प्रशासन को शहर के दायित्व के निर्वहन में व्यस्त कर रखा है। ऐसे में घाटशिला को जिला बनाया जाना अति आवश्यक माना जा रहा है। छोटे से छोटे काम के लिए 117 से अथवा 110 किलोमीटर की दूरी तय करना आम आदमी के लिए काफी परेशानी की बात है। घाटशिला का अवस्थान एकदम बीच में है। प्रशासनिक दृष्टि से हो अथवा पुलिस प्रशासन की दृष्टि से क्षेत्र पर पकड़ बनाकर रखना और आम आदमी की समस्याओं का निराकरण करने में इससे प्रशासन को काफी सुविधा होगी।

हेमंत सोरेन ने दिया है संकेत

कोलकाता से रांची लौटने के क्रम में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन हाल में बहरागोड़ा वन विश्रामगर में 45 मिनट रुके थे। पूर्व स्वास्थ्य मंत्री डॉ दिनेश षाड़ंगी ने कई अन्य मांगों से संबंधित ज्ञापनों के अतिरिक्त घाटशिला को जिला बनाये जाने की मांग को उनके समक्ष रखा था। वैसे तो मुख्यमंत्री द्वारा खुले तौर पर कुछ भी नहीं कहा गया, लेकिन यह भरोसा दिलाया गया कि घाटशिला और बहरागोड़ा विधानसभा क्षेत्र के साथ ही पोटका का क्षेत्र के लोगों की बहुप्रतीक्षित मांग पर निश्चित तौर पर विचार करेंगे। इतना ही नहीं, डॉ दिनेश कुमार षाड़ंगी ने राज्य की मुख्य सचिव अलका तिवारी से भी आग्रह किया है कि घाटशिला को जिला बनाने की दिशा में शीघ्र प्रयास किया जाये। डॉ षाड़ंगी ने यह विश्वास जताया है कि राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन कोल्हान के प्रति विशेष लगाव रखते हैं। घाटशिला और बहरागोड़ा के प्रति भी उनके मन में विकासोन्मुख सोच है। उन्होंने विश्वास जताया है इस क्षेत्र के लोगों की बहुप्रतीक्षित मांग राज्य सरकार बहुत जल्द ही पूरा करेगी और इसके लिए घाटशिला को जिला बनाने की घोषणा की जायेगी, इसकी प्रबल संभावना है। उन्होंने तो इतना तक कहा है कि उन्हें विश्वास है कि महीने भर के अंदर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन द्वारा घाटशिला अलग जिला की घोषणा कर दी जायेगी।

कागजी प्रक्रिया बढ़ चुकी है आगे

घाटशिला को अलग जिला बनाने की मांग पिछले 25 वर्ष से की जा रही। राज्य सरकार की ओर से कई बार कागजी प्रक्रिया को आगे बढ़ाया गया। हाल के महीने में राज्य सरकार के निर्देश पर उपायुक्त पूर्वी सिंहभूम द्वारा अनुमंडल अधिकारी द्वारा प्राप्त प्रतिवेदन को सामने रखते हुए संभावित जिला का खाका तैयार कर राज्य सरकार को भेज दिया गया है। जिला प्रशासन द्वारा राज्य सरकार को घाटशिला को जिला बनाने संबंधित प्रस्ताव में प्रखंडों की संख्या, उनके नाम, कुल आबादी, प्रखंड वार आबादी, महिला-पुरुष की आबादी, महिला-पुरुष मतदाताओं की संख्या, जातीय आधार पर संख्या, सड़क और रेलवे से कनेक्टिविटी समेत सभी सूचनाओं और नक्शा भी बनाकर भेजा गया है। वर्तमान में प्रस्तावित जिला में विभिन्न प्रखंडों में एवं थाने में पदस्थापित अधिकारियों एवं कर्मचारियों की संख्या का भी उल्लेख है। इतना ही नहीं, प्रस्तावित जिला का मुख्यालय और उसके लिए उपलब्ध जमीन का विस्तृत विवरण भी राज्य सरकार को जिला प्रशासन की ओर से भेजे जाने की सूचना है। एक प्रकार से घाटशिला को जिला बनाये जाने की तमाम प्रक्रिया पूरी कर ली गयी है। मामला राज्य सरकार के पास है।

रामदास सोरेन का सपना था जिला

स्वर्गीय रामदास सोरेन ने विधायक रहते हुए भी कई बार घाटशिला को जिला बनाये जाने की मांग की थी। बतौर मंत्री, उन्होंने मुख्यमंत्री के समक्ष इस मांग को रखा था। उनका सपना था कि इस कार्यकाल में घाटशिला को एक स्वतंत्र जिला का आकार प्रदान करेंगे। उन्होंने घाटशिला के लोगों को इस बात का भरोसा दिया था कि धैर्य रखें, अगले चुनाव के पूर्व ही आप स्वतंत्र जिले में रहेंगे। दुर्भाग्यवश रामदास सोरेन नहीं रहे। झारखंड मुक्ति मोर्चा ही नहीं, यूपीए के तमाम घटक दलों को विश्वास है कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन शीघ्र ही घाटशिला को जिला बनाने की घोषणा कर स्वर्गीय रामदास सोरेन के सपने को पूरा करेंगे। घाटशिला को जिला बनाये जाने की घोषणा विधानसभा चुनाव की दृष्टि से तुरूप का इक्का साबित हो सकता है।

ग्रामीणों का दर्द छलका : सड़क, बिजली और पानी से अब भी वंचित है सेंधा गांव

श्यामबच्चन यादव

सगमा, गढ़वा (आजाद सिपाही)। जिले के सगमा प्रखंड का सेंधा गांव आज भी विकास की मुख्यधारा से कोसों दूर है। आजादी के 75 साल से अधिक बीत जाने के बावजूद यहां के ग्रामीणों को सड़क, बिजली और पानी जैसी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध नहीं हो सकी हैं। चुनाव के समय नेता और कार्यकर्ता गांव में आकर बड़े-बड़े वादे करते हैं, लेकिन जीत के बाद गांव को फिर से उपेक्षा की राह पर छोड़ दिया जाता है। ग्रामवासी रोजन अंसारी, इस्लाम अंसारी, बुधन अंसारी, मोहम्मद हुसैन अंसारी, हाफिज अंसारी, इश्हाक अंसारी, शमशेर अंसारी, मुस्तकीम अंसारी, इसराइल अंसारी, अम्रुल्लाह, गुलाम रब्बानी, लतीफ अंसारी, अफजाल अंसारी, नसीम अंसारी, गफार अंसारी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने मिल कर अपनी पीड़ा साझा की। सभी का कहना है कि आज भी गांव के लोग

कठिनाइयों का सामना करने को मजबूर हैं।

ग्राम सेंधा के लोग आज भी कच्चे रास्तों से होकर आवागमन करते हैं। बारिश के दिनों में स्थिति और भी बदतर हो जाती है, जब कीचड़ और गड्ढों से भरे रास्ते ग्रामीणों की परेशानी दोगुनी कर देते हैं। बिजली की सुविधा नाम मात्र की है। कई घर अब भी अंधेरे में जीवन गुजारने को मजबूर हैं। वहीं, स्वच्छ पानी की व्यवस्था नहीं होने के कारण ग्रामीण नदी-नालों और हैंडपंप पर निर्भर रहते हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि विकास के नाम पर उन्हें सिर्फ आश्वासन और झूठे वादे मिले हैं। वे हर बार वोट देकर नेताओं को जिताते हैं, लेकिन उनके गांव की तस्वीर आज तक नहीं बदली। शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं की स्थिति भी संतोषजनक नहीं है, जिससे बच्चों और बुजुर्गों को सबसे अधिक परेशानी झेलनी पड़ती है।

सेंधा गांव के लोग सरकार और प्रशासन से मांग कर रहे हैं कि जल्द से जल्द सड़क, बिजली और पानी की समस्या का समाधान किया जाये, ताकि वे भी मूलभूत सुविधाओं का लाभ उठा सके और सम्मानजनक जीवन जी सकें। ग्रामीणों की यह आवाज सरकार तक कब पहुंचेगी, यह बड़ा सवाल है।

पूर्व अपर सचिव अवध नारायण प्रसाद ने समर्थकों के साथ कांग्रेस का दामन थामा

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश की उपस्थिति में रविवार को झारखंड के पूर्व प्रशासनिक सेवा से सेवानिवृत्त अपर सचिव अवध नारायण प्रसाद ने अपने समर्थकों के साथ कांग्रेस का दामन थामा। वहीं डॉ प्रसाद पासवान नेशनल एजुकेशन कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष का पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर, कृषि मार्केटिंग बोर्ड अध्यक्ष रवींद्र सिंह, मीडिया चेयरमैन सतीश पौल मुंजनी, विनय सिन्हा दीपू, अभिलाष साहु, राजन वर्मा केदार पासवान, जवाहर लाल महत्था, अभिजीत राज, कामेश्वर गिरी, सुनीत शर्मा, राजू राम, अंजनी रंजन ने पार्टी का पट्टा और माला पहनाकर कांग्रेस की सदस्यता दिलायी। इस अवसर पर झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष

केशव महतो कमलेश ने कहा कि डॉ प्रसाद पासवान शिक्षा और समाज सेवा के क्षेत्र में लंबे समय से काफी सक्रिय रहे है। उनके अनुभव से संगठन को नयी ऊर्जा मिलेगी। कांग्रेस विधायक दल नेता प्रदीप यादव ने कहा कि कांग्रेस हमेशा से जनसेवा और जनता की आवाज बुलंद करने वाली पार्टी रही है। डॉ पासवान और अवध नारायण प्रसाद का पार्टी में आना इस मिशन को ओर अधिक सशक्त करेगा। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि डॉ पासवान और अवध नारायण प्रसाद जैसे अनुभवी और प्रतिबद्ध व्यक्तियों का कांग्रेस परिवार में स्वागत करते हुए हमें गर्व है। इनके जुड़ने से पार्टी में नयी ऊर्जा और मजबूती मिलेगा। पार्टी में शामिल होने वालों में मुख्य रूप से लालन कुमार पासवान, ओम पासवान, तारकेश्वर, प्रो शेखर मल्लिक, ब्रजकिशोर राय, बृजकिशोर बड़ाईक, रिता पासवान, नवल किशोर पासवान, दीपक कुमार, मुकेश कुमार, प्रो प्रदीप कुमार, प्रो दिनेश पासवान सहित अन्य शामिल थे।

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
200000 Subscribers
VIEWERSHIP 5 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
YouTube Channel
Subscribe NOW

वेदर

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	31.8 °C	26.3 °C
सूर्यास्त (आज)	:	17.56 बजे
सूर्योदय (कल)	:	05.17 बजे

आजाद सिपाही
रांची, सोमवार, 15 सितंबर, 2025
www.azadsipahi.in

बाघमारा के जमुआटांड़ की कमला देवी की आंखों में जगी उम्मीद की रोशनी

■ 'मां' की पुकार पर मंत्री की संवेदना और संवेदनशील हस्तक्षेप से जगी इंसाफ की आस

■ बड़ा सवाल: क्या एक छोटे से गांव की दलित महिला की न्याय की लड़ाई मुकाम तक पहुंचेगी!

सामिद खान

धनबाद (आजाद सिपाही)। बाघमारा प्रखंड के एक छोटे से गांव जमुआटांड़ में रहने वाली दलित महिला कमला देवी की आंखों में आज उम्मीद की एक नयी रोशनी है। वो रोशनी, जो अंधेरे में डूबती इंसाफ की लड़ाई को फिर से जगाने आयी है। यह सिर्फ जमीन की लड़ाई नहीं है, यह एक मां की पुकार है... अपने अधिकार की, अपनी अस्मिता की।

कमला देवी के पिता छूनू रजवार की पुश्तैनी जमीन, वर्षों से उनके परिवार की एकमात्र उम्मीद थी। इसी जमीन पर एक छोटा-सा पीएम आवास भी बना था, जो गरीबी में एक आशियाने का काम करता था। लेकिन कुछ दबंगों की नजर जब इस जमीन पर पड़ी, तो उन्होंने बिना किसी कानूनी बंटवारे के ही कब्जा करना शुरू कर दिया।

कमला देवी बताती हैं, मेरे पिताजी की जमीन खाता संख्या 88 में खतियान और पंजी-2 में दर्ज है। इसके बावजूद अजय रजवार, विजय रजवार और संजय रजवार जैसे लोग जबरन जमीन पर कब्जा कर रहे हैं। यहां तक कि हमारे एकमात्र आशियाने को भी जेसीबी से गिरा दिया गया। ईंट, बालू और सीमेंट गिरा कर जबरदस्ती बाउंड्री बनाना शुरू कर दिया गया।

न्याय की गुहार, एक्स के जरिये पहुंची सरकार तक : कमला देवी ने जब अपनी आवाज प्रशासन तक पहुंचायी और 19 जुलाई को उपायुक्त को शिकायत सौंपी (डिस्पैच संख्याः 9975), तब भी कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो सकी। अवैध निर्माण जारी रहा। न्याय की यह लड़ाई अब एक थकी हुई उम्मीद में बदलती जा रही थी। तभी इस पीड़ा की गूंज झामुमो के सोशल मीडिया प्रभारी ब्रह्मदेव पासवान तक पहुंची। उन्होंने इस मुद्दे को सोशल मीडिया पर उठाया और इसे राज्य सरकार तक पहुंचाया।

मंत्री दीपक बिरुआ का ट्वीट : मां की मदद करें

राज्य सरकार के मंत्री दीपक बिरुआ ने जब यह मामला देखा, तो तुरंत ट्वीट कर धनबाद उपायुक्त को निर्देश दिया और एक मार्मिक संदेश में लिखा : मां की मदद करें।

यह सिर्फ एक ट्वीट नहीं था। यह एक मां की पुकार को सम्मान देने का प्रतीक बन गया। मंत्री के इस हस्तक्षेप से प्रशासन हरकत में आया और मामले की गंभीरता से जांच शुरू हुई। कमला देवी ने भावुक होकर कहा कि अब लग रहा है कि मुझे न्याय मिलेगा। मंत्री ने मेरी बात सुनी, यह मेरे लिए बहुत बड़ी बात है। मुझे भरोसा है कि मेरी जमीन मुझे वापस मिलेगी।

निर्माण अब भी जारी , लेकिन उम्मीद जगी है

भले ही अवैध बाउंड्री निर्माण अब भी जारी है, लेकिन कमला देवी की उम्मीद अब पहले से कहीं ज्यादा मजबूत है। उन्होंने धनबाद एसडीओ से भी इस मामले में शिकायत की है और आग्रह किया है कि जमीन का बंटवारा करवाया जाये तथा अवैध कब्जा हटाया जाये।

एक मां, एक मंत्री और एक उम्मीद

यह कहानी सिर्फ एक महिला की नहीं है, बल्कि उन तमाम आवाजों की है, जो वर्षों से न्याय के लिए लड़ रही हैं। मंत्री दीपक बिरुआ का संवेदनशील हस्तक्षेप यह दर्शाता है कि यदि सत्ता में बैठे लोग जनता की पीड़ा को समझें, तो परिवर्तन संभव है। कमला देवी की यह जंग अभी खत्म नहीं हुई है... लेकिन उन्होंने यह यकीन जरूर जगा दिया है कि अगर आवाज उठायी जाये, तो न्याय की सुबह जरूर आयेगी।

श्रीकृष्ण जन्मोत्सव समिति का नागरिक अभिनंदन कार्यक्रम

स्वदेशी से देश की अर्थव्यवस्था को मिलेगी मजबूती : संजय सेठ

● पीएम के जन्मोत्सव पर 17 से चलेगा सेवा पखवाड़ा

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। ग्रीन होराइजन में रविवार को श्रीकृष्ण जन्मोत्सव समिति की ओर से नागरिक बैठक सह अभिनंदन कार्यक्रम हुआ। इसमें सांसद सह रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ और विधायक सीपी सिंह ने खास तौर से हिस्सा लिया। सांसद ने बताया कि पीएम नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिन पर सेवा पखवाड़ा 17 सितंबर से दो अक्तुबर तक चलाया जायेगा। कहा कि पीएम के स्वदेशी अपनाओ अभियान से देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। सहज रूप से घर-घर रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। लघु उद्योगों को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने बताया कि विश्वकर्मा पूजा के दिन पखवाड़े की शुरुआत पूजा-अर्चना से होगी। इसके बाद क्रमवार कार्यक्रमो का सिलसिला चलेगा। सीपी सिंह ने बताया मौके पर सनातन धर्म को मजबूत करने पर जोर दिया जाएगा। समिति के संरक्षक सह पूर्व राज्यसभा सांसद अजय मारू ने बताया कि 11 अक्टूबर को स्वर्गीय सीता राम मारू के जन्म शताब्दी के मौके पर भारत सरकार द्वारा डाक टिकट बनवाया गया है, जिसका राज्यपाल के द्वारा शुभारंभ किया जाएगा। समिति के अध्यक्ष मुकेश काबरा ने संचालन सामाजिक कार्यों की जानकारी दी। बताया कि महोश्वरी सभा की ओर से श्रीलक्ष्मी नारायण मंदिर में दो अक्टूबर को शस्त्र पूजा की जाएगी। मौके पर मारवाड़ी सहायक समिति, रांची गौशाला, माहेश्वरी सभा, मारवाड़ी युवा मंच, दिगंबर जैन पंचायत, श्रीराम लला पूजा समिति, मारवाड़ी ब्राह्मण सभा, मारवाड़ी सेन समाज, हनुमान मंडल,श्रीश्याम मित्र मंडल, नगरमल मोदी सेवा सदन, श्री कृष्ण प्रणामी सेवा ट्रस्ट समिति, चिन्मय आश्रम आदि के प्रतिनिधि मौजूद थे। धन्यवाद प्रतीक मोर ने किया।

सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम

पखवाड़ा की शुरुआत 17 सितंबर को सांसद आवास में दिन के नौ बजे से हवन-पूजन से होगी। इसके बाद छात्र-छात्राओं के बीच ऑपरेशन सिंदूर के थीम पर चित्र प्रतियोगिता होगी। 75 सफाई कर्मी, 75 पैरामेडिकल स्टाफ, 75 नर्स को सम्मान किया जाएगा। रक्तदान शिविर ,स्वास्थ्य शिविर लगाया जाएगा। लोकसभा क्षेत्र के विभिन्न क्षेत्रों में सोलर लाइट का उद्घाटन होगा। प्लास्टिक मुक्त भारत बनाने की दिशा में 25000 जुट बैग और छाते बांटे जाएंगे। पांच हजार परिवार के बीच सुरक्षा लॉग बुक के वितरण का शुभारंभ भी होगा। मोरहाबादी मैदान में 21 सितंबर को सुबह सात बजे से फिट इंडिया साइक्लोथोन शुरू होगा। एक हजार से ज्यादा लोग इसमें हिस्सा लेंगे।

इनकी रही भागीदारी

कुणाल अजमानी चंद्रकांत रायपत,रविंद्र मोदी, प्रमोद सारस्वत, निरंजन शर्मा, संजय पोद्दार, संजय जायसवाल, राजन तिवारी, विजय ओझा रतन अग्रवाल, मनीष लोधा, अमित चौधरी, राजीव सहाय, विकास मोदी, प्रतीक मोर, संतोष सेठ, नरेंद्र लखोटिया,शिव शंकर साबू, विजय अग्रवाल, राजू अग्रवाल, संजय सराफ, सोनू भारद्वाज,ओम प्रकाश शर्मा,अमर प्रसाद,आनद श्रीवास्तव आदि ने खास तौर से इसमें भागीदारी निभायी।

कोडरमा रोटरी आइ हॉस्पिटल

47 साल में 20 हजार से अधिक गरीबों को दी आंखों की रोशनी

1978 से गरीबों का मोतियाविंद का निःशुल्क ऑपरेशन हो रहा

सतीश कुमार

कोडरमा (आजाद सिपाही)। कल्पना करिए अगर आप अपनी आंखों से दुनिया को देख नहीं सकते, तो कैसा एहसास होगा। मात्र सोचकर ही इंसान के सामने अंधेरा पसर जाता है। लेकिन रोटरी क्लब ऑफ कोडरमा ने मोतियाविंद का निःशुल्क ऑपरेशन के जरिए जिले और इसके बाहर के करीब 20 हजार गरीबों की आंखों में फिर से रोशनी भर दी है। रोटरी ने जिले में साल 1978 से गरीबों का निःशुल्क मोतियाविंद का ऑपरेशन शुरू किया है। इसके अलावा आंखों से जुड़ी बीमारियों का इलाज किया है। शिविर लगाकर अब तक हजारों लोगों के आंखों का इलाज किया जा चुका है। जबकि 20 हजार नेत्र ऑपरेशन में गरीब तबके के मरीज भी शामिल हैं। मरीजों का ऑपरेशन सुदूरवर्ती इलाकों समेत झुमरीतिलैया के नेत्र हॉस्पीटल में समय-समय पर शिविर आयोजित कर किया गया। जिले में बढ़ते मोतियाविंद के मरीजों को देखते हुए यहां नेत्र हॉस्पीटल का निर्माण किया गया। साल-2004 से पार्वती देवी आरएस सर्राफ रोटरी आइ हॉस्पीटल झुमरीतिलैया में फिलहाल नेत्र विशेषज्ञ द्वारा नेत्र ऑरेशन होने लगा, जो जारी है। ओपीडी में अब तक 62 हजार 564 लोगों का इलाज किया गया है।

कोडरमा रोटरी चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रयागचंद चांडक ने बताया कि हॉस्पीटल में कुशल और अनुभवी डॉक्टर,प्रशिक्षित कर्मचारी और नर्सों की सेवा ली जा रही है। उन्होंने कहा कि मरीजों के बढते संख्या को देखते हुए एक और डॉक्टर की शीघ्र व्यवस्था की जायेगी।

क्या कहते हैं हॉस्पिटल मैनेजर

हॉस्पिटल मैनेजर प्रकाश गिरी बताते हैं कि ऑपरेशनल दौरान मरीजों को बेड चार्ज, भोजन, दवा और ऑपरेशन की निःशुल्क सुविधा उपलब्ध करायी जाती है। जबकि सिर्फ लेंस का पैसा लगता है। फिलहाल नेत्र विशेषज्ञ डॉ संगीता प्रसाद हैं।

क्या कहते हैं रोटरी अध्यक्ष

सत्र 2013-14 के रोटरी अध्यक्ष संतोष कुमार सिंह ने बताया कि इस साल एक हजार गरीब परिवारों को मुफ्त नेत्र ऑपरेशन करने का लक्ष्य निर्धारित है। कोडरमा रोटरी चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रयागचंद चांडक ने बताया कि हॉस्पीटल में कुशल और अनुभवी डॉक्टर, प्रशिक्षित कर्मचारी और नर्सों की सेवा ली जा रही है। उन्होंने कहा कि मरीजों की बढ़ती संख्या को देखते हुए एक और डॉक्टर की शीघ्र व्यवस्था की जायेगी।

हिंदी दिवस के अवसर पर आयुक्त कार्यालय सभागार में कवि गोष्ठी का आयोजन

हिंदी पूरे देश को एकता के सूत्र में बांधे हुए है : अंजनी मिश्र

● कवियों एवं साहित्यकारों ने आयुक्त को शॉल देकर सम्मानित किया

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। हिंदी दिवस के अवसर पर आयुक्त कार्यालय सभागार में प्रमंडलीय राजभाषा कार्यालय की ओर से कवि गोष्ठी का आयोजन आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रमंडलीय आयुक्त अंजनी कुमार मिश्र एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में उप विकास आयुक्त सौरभ कुमार भुवनिया, अनुमंडल पदाधिकारी उत्कर्ष कुमार, आयुक्त के सचिव अलोक कुमार एवं उप निदेशक राजभाषा संजीव कुमार उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरूआत विधिवत दीप प्रज्वलित कर एवं अतिथियों का स्वागत पुष्प गुच्छ देकर किया गया।

हिंदी दिवस के अवसर पर आयुक्त अंजनी कुमार मिश्र ने सभी को हिंदी दिवस की बधाई देते हुए कहा कि जैसे हम व्हाट्सएप फेसबुक एवं फोन के माध्यम से अन्य त्योहारों की बधाई देते हैं, उसी प्रकार हिंदी दिवस की भी बधाई देनी चाहिए और इसे मानना चाहिए। हिंदी भारत की सबसे प्राचीन भाषा में एक है. भारत में बोली जाने वाली कई भाषाओं का समागम है हिंदी, जो पूरे देश को एकता के सूत्र में बांधे हुए है। हिंदी को मैनेजमेंट एवं इंजीनियरिंग के क्षेत्र में और काम करने की आवश्यकता है। हिंदी को रोजगार से जोड़ने का कार्य करना चाहिए। भारत में सबसे ज्यादा बोले जाने वाली भाषा हिंदी है, जो संचार का सबसे अच्छा माध्यम है। हिन्दी दिवस को मनाने के पीछे एकमात्र उद्देश्य है भारत की सांस्कृतिक और भाषाई विविधता को जोड़ना और भाषाई गरिमा एवं उसके महत्व को सम्मानित करना है।

उप विकास आयुक्त सौरभ कुमार भुवनिया ने अपने कविता के माध्यम से भाषा की विशेषता एवं संचार हेतु इसकी आवश्यकता को बताया। हिंदी भाषा के संवर्द्धन, विकास, समृद्धि की जिम्मेवारी हम सबों पर है। हिंदी भाषा हमारी संस्कृति, साहित्य और भावनाओं को प्रकट करती है। भारत देश में कई भाषाओं का संगम है। लेकिन हिंदी जानने और बोलने वाले लगभग हर जगह मिल जाते है। उन्होंने हिंदी को देश की एकता और विविधता का प्रतीक बताया।

अनुमंडल पदाधिकारी उत्कर्ष कुमार ने कहा कि हिंदी एक भाषा नहीं है बल्कि यह एक माध्यम है जो लोगों को जोड़ने का भी काम करती है। सरकारी कार्यालयों में दूर दूर से लोग अपनी समस्याओं को लेकर आते हैं जिससे उनकी ही भाषा में समस्याओं का समाधान करना हमारा प्रथम दायित्व है। कार्यालयों, परिवार एवं दिनचर्या में हिंदी भाषा का प्रयोग करें ताकि हिंदी भाषा को बढ़ावा मिले एवं संचार का माध्यम बने।

इस अवसर पर उप निदेशक राजभाषा संजीव कुमार ने स्वागत सम्बोधन किया एवं आयुक्त के सचिव श्री अलोक कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम के अंत में कवियों द्वारा प्रमंडलीय आयुक्त अंजनी कुमार मिश्र को शॉल देकर सम्मानित किया गया और कार्यक्रम के लिए धन्यवाद दिया गया। कार्यक्रम के दौरान कवि गोष्ठी का भी आयोजन किया गया। इसमें हिंदी भाषा के महत्व पर कवियों ने कई कविताएं प्रस्तुत की। कवि गोष्ठी में मुख्य रूप से डॉ जंगबहादुर पाण्डेय, डॉ सुरिंदर कौर नीलम, नसीर अफसर, डॉ राजश्री जयंती, नरेश कुमार बंका, शालिनी नायक, सदानंद सिंह यादव, सूरज श्रीवास्तव, डॉ रजनी शर्मा, ममता मनीष सिन्हा एवं डॉ अंजेस शामिल हुए।

कार्मिक, प्रशासनिक सुधार और राजभाषा विभाग का हिंदी दिवस समारोह

हिंदी को सरलता, सहजता और समृद्धि की ओर ले जाने का अभियान हम सबका साझा कर्तव्य : प्रवीण टोप्पो

● हिंदी भाषा को तकनीकी और डिजिटल युग के अनुरूप बनाना हमारी प्राथमिकता

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग, झारखंड द्वारा रविवार को श्रीकृष्ण लोक प्रशासन संस्थान, रांची में आयोजित हिंदी दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्मिक सचिव प्रवीण टोप्पो ने कहा कि हिंदी हमारी राष्ट्रीय एकता, संस्कृति और संवाद की सशक्त भाषा है। उन्होंने कहा कि हिंदी ने प्रशासनिक कार्यों को सरल और जनसामान्य तक सुगम बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। हिंदी भाषा को और अधिक सरल, सहज तथा समृद्ध बनाने के लिए सभी को मिलकर प्रयास करना होगा। उन्होंने कहा कि दैनिक जीवन, प्रशासनिक कार्यों तथा तकनीकी क्षेत्रों में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देकर इसे और व्यापक बनाया जा सकता है।

हिंदी के प्रचार-प्रसार में अग्रसर झारखंड सरकार : कार्मिक सचिव प्रवीण टोप्पो ने आगे कहा कि झारखंड सरकार कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग के माध्यम से हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार और इसके प्रभावी क्रियान्वयन की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है।

डॉ पार्वती तिर्की ने अपने संबोधन में कहा कि हिंदी भाषा की गहराई तक जाना आवश्यक है। हिंदी केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक और साहित्यिक धरोहर भी है, जिसे नयी पीढ़ी तक पहुंचाना हम सबकी जिम्मेदारी है।

समारोह में उपस्थित अन्य वक्ताओं ने भी हिंदी को तकनीकी युग के अनुरूप बनाने, बिजनेस, मैनेजमेंट, मेडिकल, इंजीनियरिंग, ई-गवर्नेंस और डिजिटल प्लेटफार्मों पर इसके अधिकाधिक प्रयोग तथा विद्यालय से लेकर उच्च शिक्षा तक हिंदी के प्रयोग को प्रोत्साहित करने पर बल दिया। इस अवसर पर कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग द्वारा निबंध प्रतियोगिता एवं लघु कथा प्रतियोगिता के प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय विजेताओं को सम्मानित किया गया। मौके पर विशेष सचिव ओम प्रकाश साह, कवयित्री, लेखिका एवं शोधकर्ता डॉ पार्वती तिर्की, पूर्व अध्यक्ष, रांची विश्वविद्यालय, डॉ हीरानंद प्रसाद एवं विभागों के पदाधिकारी एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

हिंदी दिवस निबंध लेखन प्रतियोगिता के विजेता

प्रथम पुरस्कार-जितेंद्र कुमार मुंडा, ग्राम-बारिंसालडीह, पोस्ट और थाना-सोनाहातू

द्वितीय पुरस्कार-हर्षिता कुमारी, ग्राम चौली, पोस्ट-खोरा, जिला-गुमला

तृतीय पुरस्कार-प्रिया कुमारी, ग्राम-सोसोकलां, गोला, जिला-रामगढ़

हिंदी दिवस लघु कथा लेखन प्रतियोगिता-2025 के विजेता

प्रथम पुरस्कार-युवराज शांतनु, क्वार्टर नंबर आर.के.वन 196, रोहड़ाबांध, पोस्ट सिंदरी

द्वितीय पुरस्कार-राहुल कुमार, महतोटोली, कर्रा

तृतीय पुरस्कार-अनुराधा, स्कूल-आशुतोष बालिका उच्च विद्यालय, रोहिणी, देवघर

किन्नरों की दबंगई से लोग हो रहे परेशान

हजारीबाग(आजाद सिपाही)। हजारीबाग जिले में किन्नरों की दबंगई कोई नयी बात नहीं है। बराबर यह खबर सुनने और देखने को मिलती है कि जिनके घर बच्चे का जन्म होता है उनके घर किन्नरों की टोली पहुंच मोटी रकम ऐंठ लेते हैं। नहीं देने पर नवजात बच्चे के घर वालों से उलझ जाते हैं। परेशान होकर घर वालों को रकम देना पड़ता है। ऐसा ही मामला इचाक प्रखंड के परासी में देखने को मिला जहां किन्नरों की टोली ने चार लोगों के घर जिनके घर बच्चे का जन्म हुआ था, उनके घर पहुंच पैसे की मांग की और रकम ऐंठ लिए। उनके मन मुताबिक रकम नहीं देने पर घर वालों और नवजात बच्चे को बददुआ देने की धमकी देते हैं, जिससे घर वाले डर कर और परेशान होकर रकम दे देते हैं। ग्रामीण गजेन्द्र प्रजापति ने बताया कि लोग किन्नरों को अपने खुशी और सामर्थ्य के हिसाब से पैसे देने चाहते हैं, मगर किन्नरों की टोली उनकी एक नहीं सुनते।

परंपरा और संस्कृति की मिसाल बन गयी है कोर्रा की दुर्गा पूजा

श्रद्धालुओं के लिए सजाया जा रहा अद्भुत काल्पनिक पंडाल

दीपक सिंह

हजारीबाग (आजाद सिपाही)। सार्वजनिक दुर्गा पूजा महासमिति कोर्रा, इस वर्ष अपनी 76वीं वर्षगांठ मना रही है। वर्ष 1949 में आरंभ हुई यह पूजा अर्चना आज अपने लंबे सफर में अनेक पड़ाव पार कर चुकी है और अमृत महोत्सव जैसे ऐतिहासिक क्षण को भी पीछे छोड़ चुकी है। यही कारण है कि यह पूजा सिर्फ धार्मिक आस्था का केंद्र नहीं बल्कि परंपरा और संस्कृति की मिसाल भी बन चुकी है। हर साल की तरह इस बार भी महासमिति श्रद्धालुओं के लिए एक अनूठा थीम पंडाल लेकर आ रही है। इस वर्ष का पंडाल काल्पनिक स्वरूप में सजाया जा रहा है, जिसकी ऊंचाई लगभग 70 फीट है। पंडाल निर्माण में करीब आठ लाख रुपये की लागत आ रही है। 13 फीट ऊंची इस प्रतिमा को बनाने पर लगभग तीन लाख रुपये का खर्च हो रहा है। पूजा को सफल और सुरक्षित बनाने के लिए महासमिति ने पुख्ता इंतजाम किया हैं। करीब 150 से 200 युवक वालंटियर के रूप में हर समय तैनात रहेंगे।

पंडाल और उसके आसपास के क्षेत्र को सीसीटीवी कैमरों से लैस किया गया है, वहीं श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए टीवी स्क्रीन भी लगाये जा रहे हैं। आधुनिक तकनीक का उपयोग करते हुए ड्रोन कैमरे से भीड़ की निगरानी की जायेगी। पूरी व्यवस्था को आकर्षक बनाने में विद्युत सज्जा की भी विशेष भूमिका है। लगभग ढाई किलोमीटर क्षेत्र में रंग-बिरंगी रोशनी से सजावट की जायेगी। अष्टमी और नवमी के दिन सामूहिक महाआरती का आयोजन होगा, जिसमें पुजारियों के साथ हजारों श्रद्धालु हाथों में दीप लेकर एक साथ माता रानी की आरती करेंगे। दशमी की रात भक्तिमय माहौल में भव्य जागरण का आयोजन होगा, जिसमें स्थानीय और बाहरी कलाकार भक्ति गीत प्रस्तुत करेंगे। दशमी के दिन परंपरागत सिंदूर खेला का आयोजन होगा, जिसमें महिलाएं एक-दूसरे को माता के आशीर्वाद स्वरूप सिंदूर अर्पित करेंगी। सत्तमी को डोली यात्रा भी निकाली जाएगी, जो आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहेगा। श्रद्धालुओं के लिए महाभोग का भी विशेष इंतजाम है, जिसमें लड्डू, खीर, खिचड़ी और चूड़ा का वितरण किया जायेगा। महासमिति के अध्यक्ष कुमुद गुप्ता, सचिव हिमांशु शेखर उर्फ बिट्टू, कोषाध्यक्ष चितरंजन गुप्ता उर्फ चीतु, अमित गुप्ता उर्फ तन्नू समेत सभी पदाधिकारी और सदस्य आयोजन की सफलता सुनिश्चित करने में जुटे हैं।

सचिन अनुराग का आइजीसीएआर, चेन्नई में जूनियर रिसर्च फेलोशिप के लिए हुआ चयन

हजारीबाग (आजाद सिपाही)। जिले के सिरसी निवासी बिनय चंद्र मिश्र के पुत्र सचिन अनुराग ने अपनी प्रतिभा और मेहनत के बल पर एक नयी उपलब्धि हासिल की है। उनका चयन भारत सरकार के परमाणु ऊर्जा विभाग के अंतर्गत देश के प्रतिष्ठित संस्थान इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र (आइजीसीएआर), चेन्नई में जेआरएफ हेतु हुआ है। सचिन का चयन उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन और साक्षात्कार में बेहतरीन प्रदर्शन के आधार पर हुआ है। फेलोशिप के तहत वे पांच साल पीएचडी की पढ़ाई करेंगे। सचिन संत कोलम्बस महाविद्यालय, हजारीबाग के बायोटेक्नोलॉजी विभाग के मेधावी छात्र रह चुके हैं। उन्होंने अपनी आगे की पढ़ाई सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ बिहार से पूरी की है।

पूर्व मंत्री सह पूर्व सांसद ने अवधेश पाठक के निधन पर उनके परिवार से मिलकर बंधाया ढ़ाढस

टाटीझरिया (आजाद सिपाही)। प्रसिद्ध ज्योतिषज्ञ, कर्मकांडी, धर्म के ज्ञाता पंडित अवधेश निर्मलेश पाठक की असामयिक निधन से मैं काफी मर्माहत हूं। वे मेरे गुरु थे, उनके ही निर्देश पर मैं काम करता था। उनके निधन की खबर सुना तो विश्वास ही नहीं हुआ। हजारीबाग आते ही मैं यहां पहुंचा। उक्त बातें पूर्व केंद्रीय मंत्री सह पूर्व सांसद जयंत सिन्हा ने कहा। वे श्री पाठक के पैतृक घर पहुंचकर शोकाकुल परिवार से मिले और सांत्वना दिया। उन्होंने उनकी पत्नी निर्मला देवी, बेटा आलोक पाठक, अभिषेक पाठक, बेटी संगीता कुमारी को ढ़ाढस बंधाया। वे काफी देर तक उनके कृति-ख्याति का विश्लेषण कर अफसोस जाहिर किया। इस मौके पर उनके साथ वरिष्ठ भाजपा नेता मिथिलेश कुमार पाठक, विपिन कुमार सिन्हा, विजय सिंह, रोहित बर्मन, संतोष मिश्रा, राजू यादव, उपेंद्र पांडेय, रजनीकांत चौधरी, पंकज मंडल, ज्योतिष पंडा, विनय पांडेय, ब्रज किशोर सिंह, ब्रजनंदन पाठक, प्रिंस सिंह, हिमांशु कुमार समेत अन्य ग्रामीण उपस्थित थे।

वन विभाग की टीम ने कार से दुर्लभ पक्षी किया बरामद, एक हिरासत में

हजारीबाग (आजाद सिपाही)। वन विभाग की टीम ने दुर्लभ प्रजाति के पक्षी को एक कार से बरामद किया है। कार से पकड़े गये इस पक्षी की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लाखों में बताई जा रही है। गुप्त सूचना के आधार पर वन विभाग ने कार्रवाई की। बरही थाना क्षेत्र में जब एक संदिग्ध कार को रोका गया, तो उसमें से यह दुर्लभ पक्षी बरामद हुआ। हैरानी की बात यह रही कि कार पर महाराष्ट्र की नंबर प्लेट लगी हुई थी, लेकिन जांच में वह भी फर्जी निकली। यह पक्षी साधारण नहीं, बल्कि बेहद खास माना जाता है। वैज्ञानिकों के अनुसार, यह अपने बच्चों के लिए प्राकृतिक तौर पर डायपर जैसी व्यवस्था करता है। इसी अद्भुत आदत की वजह से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसकी डिमांड बहुत ज्यादा रहती है। वन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि गिरफ्तार व्यक्ति से पूछताछ चल रही है। बरामद पक्षी को फिलहाल सुरक्षित रखकर वन्य प्राणी केंद्र भेजा गया है। झारखंड के ग्रामीण इलाकों में अक्सर ग्रामीण शिकारी इन पक्षियों को पकड़कर औने-पौने दामों में तस्करों को बेच देते हैं। वही तस्कर इन पक्षियों को महानगरों में लाखों के दाम पर बेचते हैं। खासकर हॉर्नबिल, जो गांव में आसानी से दिख जाता है, वही शहरों में पहुंचते ही सोने के भाव बिकता है। कुल मिलाकर जो पक्षी गांव में आम है, वही महानगरों में पहुंचकर खास बन जाता है।

बेकार हो गयीं फुटपाथियों के लिए बनायी गयी दुकानें

करोड़ों की लागत से बनीं थी 100 दुकानें

सदर विधायक ने कहा यह नुकसान नहीं, बंदरबांट है

आजाद सिपाही संवाददाता

हजारीबाग। नगर निगम में फुटपाथ दुकानदारों के लिए 100 दुकानें चार साल पूर्व बने थे, मगर अब जमी पर नहीं दिखते, सभी हवा में उड़ गये। नगर निगम की ओर से टेंडर जारी कर फुटपाथ व्यवसाइयों के लिए 100 अस्थायी टीन की दुकानों का निर्माण कराया गया था। इस काम के लिए करोड़ों रुपये खर्च किये गये और टेंडर की राशि करोड़ से ऊपर पहुंच गयी थी।

लेकिन आज की हकीकत कुछ और ही है। दुकानों की स्थिति इतनी बदतर है कि दुकानों में न तो शटर लगाये गये, न ही ढंग का ढांचा तैयार किया गया। 20-25 दुकानें छोड़कर बाकी या तो आंधी-पानी में उड़ गयीं या फिर चोरी की भेंट चढ़ गयीं। करोड़ों खर्च होने के बावजूद फुटपाथ दुकानदार अब भी नालियों और सड़कों के किनारे बैठकर सब्जियां बेचने को मजबूर हैं। नगर निगम के पास भी इसका कोई जवाब नहीं है। सदर विधायक प्रदीप प्रसाद को जानकारी देते हुए उनका पक्ष लिया गया, तो उन्होंने नगर निगम अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों पर करारा हमला बोला। उन्होंने कहा..यह करोड़ों रुपए का नुकसान नहीं, बल्कि करोड़ों की बंदरबांट है। दुकान बनाने के नाम पर यह लूट का धंधा लगाया गया और उसमें शामिल लोग जनता का पैसा लूटकर ले गए। इसकी उच्चस्तरीय जांच होनी चाहिए।

इन दुकानों को जिस तरह से बनाया गया है वहां कोई इंसान तो दूर, जानवर भी नहीं बैठ सकता। उन्होंने आगे कहा कि हजारीबाग के फुटपाथ दुकानदारों के साथ हमेशा छल हुआ है। किसी ने भी उनकी भलाई के लिए गंभीरता से नहीं सोचा। यह सिर्फ दुकानों का मुद्दा नहीं, बल्कि जनता के टैक्स और हक का सवाल है।

पुलिसकर्मी का निधन, एसपी ने दी श्रद्धांजलि

कोडरमा (आजाद सिपाही)। जिला में पदास्थपित पुअनि शुक्रा टोप्पो का पार्थिव; शरीर को पुलिस अधीक्षक ने रविवार को पुलिस केंद्र कोडरमा में श्रद्धांजलि अर्पित की। श्रद्धांजलि सभा में पुलिस अधिकारियों और जवानों ने दो मिनट का मौन रखकर पुअनि शुक्रा टोप्पो की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। साथ ही शोकाकुल परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट किया। इस दौरान पुलिस एसोसिएशन के पदाधिकारी, कर्मी समेत अन्य पुलिस पदाधिकारी, कर्मी उपस्थित थे।

जेएलकेएम प्रखंड अध्यक्ष ने ट्रांसफार्मर का किया उद्घाटन

विष्णुगढ़ (आजाद सिपाही)। प्रखंड अंतर्गत सारुकुदर पंचायत के मंझलीटांड़ टोला में झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के प्रखंड अध्यक्ष कौलेश्वर महतो और उपाध्यक्ष सुरेश कुमार, सह सचिव नरेश महतो, युवा नेता टेकलाल महतो, पंचायत अध्यक्ष संजय महतो, और पार्टी कार्यकर्ताओं के द्वारा संयुक्त रूप से विधिवत पूजा अर्चना कर और फीता काटकर 100 केवीए के ट्रांसफार्मर उद्घाटन किया गया। विगत 15 दिनों से ट्रांसफार्मर जल जाने से ग्रामीणों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। इसकी सूचना पार्टी के युवा नेता टेकलाल महतो के द्वारा प्रखंड अध्यक्ष कौलेश्वर महतो को दी गयी। सूचना मिलते ही प्रखंड अध्यक्ष के द्वारा बिजली विभाग से वार्ता कर 100 केवीए का नया ट्रांसफार्मर उपलब्ध कराया गया। वहीं ग्रामीणों ने सभी पार्टी पदाधिकारियों का फूल- माला पहनाकर स्वागत कर आभार व्यक्त किये। नए ट्रांसफार्मर का उद्घाटन होने के साथ ही गांव में विद्युत आपूर्ति बहाल हो गयी है, जिससे ग्रामीणों में खुशी का माहौल है। प्रखंड अध्यक्ष कौलेश्वर महतो ने उपस्थित ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि हम सभी जेएलकेएम सुप्रीमों सह डुमरी विधायक टाईगर जयराम कुमार महतो के विचार धारा पथ पर कार्य कर रहे हैं। उनकी विचारधारा को हर घर तक पहुंचाया जा रहा है। मौके पर टेकलाल महतो, संजय कुमार, चुरामन महतो, लक्ष्मण महतो, मोकिम अंसारी, भुनेश्वर सिंह, अर्जुन सिंह, मनसुर, भोला सिंह, रहमत अंसारी, अजय कुमार, बबलु कुमार, महफ़ुज अंसारी, फलजीत महतो, सुरेश कुमार, सुजीत कुमार, सुरेन्द्र, गांगो, धानेश्वर सिंह, कादिर मियां, उस्मान मियां, राजेश कुमार समेत काफी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

विधायक ने सड़क निर्माण का किया शिलान्यास

मरकच्चो (आजाद सिपाही)। प्रखंड के आदर्श ग्राम चोपनाडीह पंचायत के ग्राम बांसडीह में मुख्य सड़क से श्मशान घाट तक और सुखदेव यादव के घर से पुराना आहर तक जाने वाले ग्रामीण पथ का रविवार को विधायक डा. नीरा यादव ने शिलान्यास किया। उक्त सड़क का निर्माण ग्रामीण कार्य विभाग द्वारा मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत 1 करोड़ 69 लाख की लागत से कराया जायेगा। मौके पर विधायक डॉ. नीरा यादव ने कहा कि किसी भी क्षेत्र के विकास का पैमाना सड़कें ही होती है। उक्त सड़क के जर्जर अवस्था में रहने से यहां के स्थानीय ग्रामीणों को काफी असुविधा होती थी। इस सड़क को बनाने की मांग स्थानीय लोगों द्वारा वर्षो से की जा रही थी। उक्त सड़क बनने की खबर सुन स्थानीय लोगों के चेहरे खिले हुए थे। पंचायत प्रतिनिधियों समेत स्थानीय जनता ने विधायक का आभार जताया। मौके पर मंडल अध्यक्ष सुनील यादव, मुखिया पूनम देवी, प्रकाश पंडित, अर्जुन यादव, महेश यादव, राजेश यादव, शिवराम यादव, सुनील कुमार, विनोद यादव, महादेव यादव, सुभाष यादव, सिकंदर पंडित, अजय यादव, चंदन यादव समेत कई लोग मौजूद थे।

जीएसटी में कटौती से बड़ी राहत

झुमरीतिलैया (आजाद सिपाही)। मोटरसाइकिल कारोबारियों के लिए इस बार दुर्गापूजा और धनतेरस खुशियां लेकर आयेगा। केंद्र सरकार द्वारा मोटरसाइकिल पर जीएसटी दर घटाने के फैसले का सीधा असर झुमरी तिलैया सहित जिले के आटोमोबाइल बाजार पर दिखने लगा है। शोरूम संचालकों का अनुमान है कि इस बार त्योहारी सीजन में मोटरसाइकिल की बिक्री 50-60 प्रतिशत बढ़ने की संभावना है। दरअसल, पहले मोटरसाइकिल पर 28 प्रतिशत जीएसटी लागू था, लेकिन अब इसे घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया गया है। इस 10 प्रतिशत की कमी से ग्राहकों को सीधा लाभ मिलेगा। मोटरसाइकिल के दाम कम होने से ग्राहक आसानी से अब अपनी पसंद की गाड़ी खरीदेंगे। ग्राहकों के द्वारा विभिन्न शोरूमों में इसको लेकर पूछताछ शुरू हो गयी है। कई लोगों ने बुकिंग अभी इस शर्त पर की है कि जीएसटी कटौती के बाद जो गाड़ी की कीमत होगी वहीं देंगे। दुर्गापूजा व धनतेरस पर गाड़ियों की बिक्री में होगा इजाफा होगा। सामांतो बाइक शोरूम के प्रबंधक आनंद कुमार सामांतो एवं मैनेजर दीपक कुमार ने बताया कि 22 सितंबर से दुर्गापूजा शुरू हो रही है। पूजा शुरू होते ही गाड़ियों के दाम कम हो जायेंगे। इस दौरान 01 लाख से डेढ़ लाख रुपये तक की बाइक में 10 से 18 हजार रुपये तक की कमी होगी। बताया कि इस बार विश्वकर्मा पूजा पर अधिक मोटरसाइकिल बिकने की उम्मीद नहीं है। लोग दाम घटने का इंतजार कर रहे हैं। इस कारण दुर्गापूजा और धनतेरस के समय बाजार गुलजार रहेगा। उन्होंने कहा कि दुर्गापूजा और धनतेरस पर शहर के विभिन्न शोरूमों में आमतौर पर 500 गाड़ियों की बिक्री होती है। लेकिन जीएसटी घटने और दाम कम होने से इस बार 22 सितंबर के बाद इजाफा होगा है। यानी करीब 40-60 प्रतिशत का इजाफा दर्ज किया जायेगा।

बड़कागांव में बेरोजगार युवकों ने चंदा करके मछली पालन किया शुरू

बड़कागांव (आजाद सिपाही)। बड़कागांव के ग्राम अरहरा निवासी फूलेश्वर महतो अपने जमीन में तालाब खोदकर मछली उत्पादन शुरू किया। फुलेश्वर महतो ने बताया कि मेरा जमीन डोडिया टांड़ में खाता नंबर 86, प्लॉट नंबर 993, 994, 1025 है। एक एकड़ जमीन में एक महीना पहले तालाब खुदवाया हूं, जिसका लागत खर्च 17 लाख रुपये है। फुलेश्वर महतो ने बताया कि गांव के 20 बेरोजगार युवकों ने मुझसे मिलकर मछली पालन करने का आग्रह किया। उनके साथ मैं भी मिलकर मछली पालन शुरू किया। हम लोग सभी आपस में चंदा करके 20 किलो का मछली का बीज पूर्व मुखिया शंकर भुइयां के उपस्थिति में तालाब में डालें। ताकि हमारे गांव के बेरोजगारों को रोजगार मिल सके। मछली पालन करने के लिए फुलेश्वर महतो, सिद्धेश्वर महतो, दीपक कुमार महतो, घने नाथ महतो मछली डाले हैं।

झामुमो की बैठक में विभिन्न मुद्दों पर चर्चा

कोडरमा (आजाद सिपाही)। झारखंड मुक्ति मोर्चा कोडरमा जिला समिति की बैठक रविवार को कोडरमा प्रखंड के लखीबागी स्थित सरना स्थल ग्राउंड में हुई। अध्यक्षता जिलाध्यक्ष वीरेंद्र पांडे और संचालन जिला सचिव पवन माइकल कुजूर, प्रखंड अध्यक्ष चंद्रदेव यादव ने संयुक्त रूप से किया। बैठक में पार्टी नेताओं ने अपने विचारों को रखा। बैठक में प्रखंडों और पंचायतों में बूथ लेवल एजेंटों की नियुक्ति, प्रत्येक महीने प्रखंड कमेटी की बैठक, प्रखंड में साप्ताहिक कैंप लगाने और सरकार द्वारा जनहित में जारी योजनाओं का जनता के बीच में प्रचार- प्रसार करने जैसे मुद्दों पर चर्चा की गयी। जिलाध्यक्ष श्री पांडे ने कहा कि कोडरमा विधायक का विकास के प्रति कोई रुचि नहीं है। यह केवल दोषारोपण करने में रुचि लेती हैं। जिला प्रवक्ता वीरेंद्र मिश्रा ने भी संबोधित किया। बैठक में पार्टी की नीतियों और सिद्धांतों से प्रभावित होकर दूसरे दलों को छोड़कर दर्जनों लोगों ने झामुमो की सदस्यता ग्रहण किया, जिसे जिलाध्यक्ष और पार्टी के सभी पदाधिकारी ने अंग वस्त्र, माला पहनकर उनका पार्टी में स्वागत किया। मौके पर केंद्रीय समिति सदस्य संजय पांडे, जिला उपाध्यक्ष मो खलील, जिला संगठन सचिव अब्दुल कुदूस, दीपक नवीन चंद्रवंशी,श्याम देव यादव,गुड़िया देवी, दिवाकर तिवारी, कामेश्वर भारती, अशोक सिंह, गणेश राय, अशोक कुमार यादव, मनीष पांडे, अशोक राय, दीपक कुमार, महादेव साह, मो सफीक, मो इरफान, केदार राम, महेश यादव, उमेश यादव, संतोष यादव, प्रभात पासवान, शंकर पासवान, मनीष पासवान, इंद्र सिंह मुंडा, मुकेश कुमार साह, गुलशन कुमार, दिनेश यादव, मनीष कुमार, राजदेव कुमार, मिथिलेश कुमार आदि उपस्थित थे।

बड़कागांव में अधिकांश बैंकों का एटीएम खराब और बंद रहने से लोग परेशान

बड़कागांव (आजाद सिपाही)। रविवार को जितिया पर्व को लेकर बड़कागांव के अधिकांश बैंकों का एटीएम खराब रहने और बंद रहने से लोग परेशान रहे। कुछ बैंक के एटीएम खुले थे, लेकिन उसमें पर्याप्त पैसे नहीं था। बड़कागांव के बैंक ऑफ इंडिया, एक्सिस बैंक और बैंक ऑफ बरोदा का एटीएम खुला था।लेकिन पैसे की निकासी नहीं हो रहा था। बड़कागांव का मुकेश कुमार ने बताया कि मैं अपने बेटे का इलाज करने के लिए बड़कागांव निजी क्लिलिनिको में आया था दवा लेने के लिए पैसे घट गया था। जब दो-तीन एटीएम में गया था, पैसे नहीं निकला। इस कारण दवा लेने के लिए दिक्कत हुआ। कंचन देवी, बीना देवी ने बताया कि जितिया पर्व को लेकर मैं मार्केटिंग करने के लिए एटीएम से पैसा निकालने गयी तो, एटीएम से पैसा नहीं निकला। बैंक आफ इंडिया का एटीएम खुला था, लेकिन पैसा नहीं निकला।

कोडरमा में सांसद खेल महोत्सव 2025 का आगाज 23 से

कोडरमा लोकसभा क्षेत्र ऐतिहासिक खेल आयोजन का गवाह बनने जा रहा है: मंत्री अन्नपूर्णा देवी

विभिन्न इलाकों में भिन्न - भिन्न खेलों का 25 दिसंबर तक होगा आयोजन

कोडरमा की धरती पर खिलेंगे खेलों के सितारे

आजाद सिपाही संवाददाता

कोडरमा। सांसद खेल प्रतियोगिता का प्रेस वार्ता ग्रैंड सुर्या में हुआ, जिसमें केंद्रीय महिला बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी, बरकट्ठा विधायक अमित यादव उपस्थित हुए। इस दौरान केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने प्रेस वार्ता में कहा कि कोडरमा लोकसभा क्षेत्र ऐतिहासिक खेल आयोजन का गवाह बनने जा रहा है। 23 सितंबर से 25 दिसंबर तक यहां सांसद खेल महोत्सव 2025 का भव्य आयोजन किया जाएगा। आयोजन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खेलो इंडिया और फिट इंडिया अभियान की भावना को जन-जन तक पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

सांसद खेल प्रतियोगिता पोस्टर का विमोचन

मंत्री अन्नपूर्णा ने सांसद खेल प्रतियोगिता का पोस्टर भी विमोचन किया। मौके पर मौजूद भाजपा नेता समेत अन्य प्रेस वार्ता में प्रदेश कार्यसमिति सदस्य नितेश चंद्रवंशी, मुकेश जालान, देवनाथ राणा, मनोज कुमार झुन्नु, चन्द्रशेखर जोशी, राजेश सिंह, अरशद खान, कृष्णा ब्रहपुरिया, राजकुमार यादव, रामदेव मोदी, ईश्वर मोदी, रवि यादव, विजय राय, नरेन्द्र पाल, पप्पू पांडेय आदि उपस्थित थे।

जानकारी देते हुए केंद्रीय मंत्री सह कोडरमा सांसद अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि यह आयोजन केवल खेल प्रतियोगिता भर नहीं है, बल्कि युवाओं को फिटनेस, अनुशासन और टीम भावना से जोड़ने का सशक्त प्रयास है। यह ग्रामीण और शहरी क्षेत्र के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने का मंच उपलब्ध करायेगा। महोत्सव के मुख्य उद्देश्य युवाओं में छिपी खेल प्रतिभा की पहचान और उसे प्रोत्साहन देना है। अनुशासन, टीम भावना और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के खिलाड़ियों को समान अवसर उपलब्ध कराना है। पारंपरिक और आधुनिक खेलों का संगम प्रस्तुत कर खेल संस्कृति को बढ़ावा देना है।

इस महोत्सव में फुटबॉल, कबड्डी, खो-खो, वॉलीबॉल, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, शतरंज, एथलेटिक्स जैसे आधुनिक खेलों के साथ-साथ लगोरी (सत्तूलिया/सात पत्थर) जैसे पारंपरिक खेलों को भी जोड़ा गया है, ताकि नयी और पुरानी दोनों पीढ़ियों के बीच खेल संस्कृति का सेतु बने। सांसद अन्नपूर्णा देवी ने क्षेत्रवासियों से अपील करते हुए कहा कि प्रिय क्षेत्रवासियों सांसद खेल महोत्सव केवल खेल आयोजन नहीं, बल्कि फिट युवा ह्न विकसित भारत के संकल्प की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। आप सभी खिलाड़ी, अभिभावक और खेलप्रेमी इस महोत्सव में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें और इसे अविस्मरणीय बनायें। आइए, कोडरमा की धरती से फिटनेस, अनुशासन और खेल भावना का संदेश पूरे भारत तक पहुंचायें।

अभिभावक-शिक्षक गोष्ठी का आयोजन

बरकट्ठा (आजाद सिपाही)। उत्क्रमित प्लस टू उच्च विद्यालय कलहाबाद में अभिभावक शिक्षक गोष्ठी का आयोजन किया गया। अध्यक्षता मुखिया कलावती देवी ने की संचालन प्राचार्य शशि भूषण प्रसाद ने किया। मौके पर पंचायत समिति सदस्य सुषमा रानी, प्रबंधन समिति अध्यक्ष किशुन राम, महेन्द्र कुमार पंडित, रेखा देवी, यशोदा देवी, पिंकी देवी, राजकुमार प्रसाद, राजकुमार दास, विश्वनाथ राम, प्रसादी राणा, विश्वनाथ राम मौजूद थे। गोष्ठी में पीटीएम के उद्देश्य, शत प्रतिशत बच्चों की उपस्थिति, रेल प्रोजेक्ट, विद्यालय में मिलने वाले सरकारी लाभ के बारे में विस्तार से चर्चा की गयी। इस दरम्यान चेतना सत्र के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले को सम्मानित किया गया। साथ ही विद्यालय में उपलब्ध संसाधनों का अनुश्रवण यथा पुस्तकालय, ज्ञान केंद्र, लैब, खेल कूद सामग्री, वर्ग कक्ष, सीसीटीवी कैमरा, साफ सफाई, मध्याह्न भोजन, पेय जल, शौचालय, खेल का मैदान, इको क्लब द्वारा पौधारोपण, आइसीटी, स्मार्ट क्लास, ओएनजीसी, विद्युत व्यवस्था के बारे में जानकारी दी गयी। इस अवसर पर शिक्षक रामचंद्र प्रसाद, शंकर प्रसाद, मंदोदरी कुमारी, जमीला तबस्सुम, बिनोद कुमार साव, धनेश्वर कुमार, अमरदीप कुमार, दीपक कुमार, बृषकेतु प्रसाद, सुभान अली, जयप्रकाश प्रसाद, मनोज कुमार, हाउस कप्तान, उपकप्तान, इको क्लब के सदस्य समेत कक्षा 1 से 12 के सभी विद्यार्थी उपस्थित थे।

सांप के काटने से युवक की मौत

पतरातू (आजाद सिपाही)। सांप के काटने से एक युवक की शनिवार की देर रात मौत हो गयी। इस घटना के बारे में बताया जाता है कि डीएवी स्कूल के निकट पीटीपीएस कटिया खटाल का एक युवक गुड्डू कुमार, पिता अर्जुन यादव उम्र लगभग 25 वर्ष वह अपने साथियों के साथ बलकुदरा ओवर ब्रिज के निकट घास काटने गया था। जहां पर उसे एक विषैला सांप ने काट लिया। जिसे उसके परिजनों ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पतरातू ले गये। जहां पर प्राथमिक इलाज करने के बाद उसे उचित इलाज के लिए चिकित्सकों ने रिम्स रेफर कर दिया। बताया जाता है कि रिम्स में ही इलाज के दौरान गुड्डू कुमार की मौत हो गयी।

मृदा स्वास्थ्य प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

भदानीनगर (आजाद सिपाही)। भदानीनगर के पाली पंचायत स्थित पीएम श्री उत्क्रमित उच्च विद्यालय में शनिवार को एक दिवसीय मृदा स्वास्थ्य प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें आठवीं से दसवीं कक्षा तक के 50 विद्यार्थियों को प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम में पहुंचे विभाग के अधिकारियों द्वारा स्कूली बच्चों को मृदा संरक्षण, मिट्टी की उर्वरता और कृषि क्षेत्र में मृदा परीक्षण के महत्व से अवगत कराना था। विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को बताया कि स्वस्थ मिट्टी ही स्वस्थ फसल की आधारशिला है। उन्होंने मिट्टी की जांच, उसमें मौजूद पोषक तत्वों की पहचान और संतुलित उर्वरक के प्रयोग पर उपयोगी जानकारी दी। मौके पर विद्यालय की प्रप्रअ अपर्णा कुमारी ने कहा कि विद्यालय में इस प्रकार के कार्यक्रम विद्यार्थियों के ज्ञान को बढ़ाने के साथ-साथ उनमें पर्यावरण और कृषि के प्रति जिम्मेदारी की भावना भी उत्पन्न करते हैं। कार्यक्रम में एसएमसी अध्यक्ष अरुण कुमार, पुष्पा, गोपाल कुमार, मांगू खड़िया, नीरज झा, दिनेश कुमार, जयप्रकाश सिंह, विजय बेदिया, सुबोध कुमार सहित दर्जनों स्कूल के विद्यार्थी व ग्रामीण मौजूद थे।

उत्तराखंड की तर्ज पर झारखंड आंदोलनकारियों को पेंशन देने की मांग

गोला (आजाद सिपाही)। झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा की बैठक रविवार को सामुदायिक भवन मगनपुर में हुई। इसकी अध्यक्षता जिला अध्यक्ष कार्तिक महथा ने किया। बैठक के दौरान वक्ताओं ने कहा कि झारखंड सरकार झारखंड आंदोलन में शामिल सभी आंदोलनकारी को उत्तराखंड की तर्ज पर पेंशन देने का काम करे। जेल की बाध्यता को खत्म करने की मांग करते हुए कहा गया कि एक समान रूप से सभी झारखंड अलग राज्य आंदोलनकारी को पेंशन लागू किया जाय। जो जेल गयें है उन्हें दस हजार रूपया पेंशन मिल रहा है। लेकिन जो जेल नहीं गये है उन्हें सम्मान नहीं मिल रहा है। उत्तराखंड सरकार में कोई भी आंदोलनकारी जेल नहीं गया है। लेकिन वहां की सरकार सभी आंदोलनकारी को एक समान रूप से पेंशन दे रही है। इस मांग को सरकार तक पहुंचाने का निर्णय लिया गया। मौके पर रामचंद्र प्रसाद, कैलाश महतो, धीरण साव, कामेश्वर महतो, बीरबल नायक, वाहिद अंसारी, गुलाम हुसैन, मधुसूदन महतो, विशेश्वर महतो आदि थे।

लोकल सेल बंदी को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश, प्रबंधन को दी चेतावनी

उरीमारी (आजाद सिपाही)। सौंदा बस्ती के पारटांड फुटबॉल मैदान में रविवार को सेल संचालन समिति सौंदा बस्ती 'रैयत खतियानी विस्थापित प्रभावित SC/ST की बैठक हुई। अध्यक्षता रामबिलास करमाली और संचालन जीतराम मुंडा ने किया। बैठक में लोकल सेल बंदी को लेकर रणनीति बनी। बैठक में बताया गया कि समिति द्वारा बीते दिनांक 05 सितंबर को सीसीएल प्रबंधन को एक मांग पत्र सौंपा गया था, जिसमें लोकल सेल से जुड़ी समस्याओं और विस्थापितों के हितों को लेकर तत्काल कदम उठाने की मांग की गयी थी। लेकिन दुःख की बात है कि अब तक प्रबंधन की ओर से कोई सकारात्मक पहल नहीं की गयी है, जिससे ग्रामीणों और समिति सदस्यों में भारी आक्रोश है। समिति ने बैठक में यह निर्णय लिया कि यदि एक से दो दिनों के अंदर सीसीएल प्रबंधन कोई ठोस पहल नहीं करता है, तो सयाल डी परियोजना में पत्र के माध्यम से सूचना देकर अनिश्चितकालीन रूप से चल रही रोड सेल (लोकल सेल) को पूरी तरह से बंद कर दिया जायेगा। इसकी पूर्ण जिम्मेदारी सीसीएल प्रबंधन की होगी। बैठक में समिति के रामविलास करमाली, जीतराम मुंडा, मानस मुंडा, सकल मुंडा, बंटी बाउरी, राहुल प्रसाद, अमर बाउरी, पवन बाउरी, अनुप बाउरी, सुरेन्द्र मुंडा, नन्दु मुंडा, राजेश मुण्डा, गुडडू बाउरी, संजय, लालू, धर्मवीर, पम्मी करमाली, अजीत मुंडा, कवि भुंडा, शुभम, ब्रह्मदेव, किशोर मुंडा, देवनाथ बाउरी, बजरंग, अजय, अमित, राहुल मुंडा, बिशाल, कपिल, मनोज, राजू करमाली सहित कई लोग उपस्थित थे।

झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा की बैठक

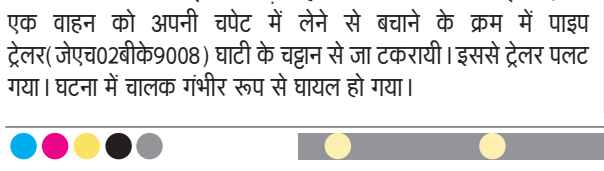

रजरप्पा (आजाद सिपाही)। चितरपुर प्रखंड के सेवई उत्तरी स्थित पंचायत भवन में रविवार को झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा की बैठक आयोजित की गयी। बैठक की अध्यक्षता जगरनाथ महतो और संचालन सुलेमान अंसारी ने किया। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड आंदोलनकारी नेता अधिवक्ता जगत महतो उपस्थित थे। बैठक के दौरान झारखंड आंदोलनकारियों ने विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की और अपनी समस्याओं से सरकार को अवगत कराने का निर्णय लिया। साथ ही सर्वसम्मति से संयोजक मंडली का गठन किया गया, जिसमें जगरनाथ महतो, सतीश कुमार महतो, तारा प्रसाद, सखीचंद राम दांगी, उमेश महतो, चितरंजन महतो, सुलोचना देवी और सहित ओहदार को शामिल किया गया। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि झारखंड आंदोलनकारियों को मान-सम्मान, जेल जाने की बाध्यता समाप्त करने और उन्हें उचित पेंशन देने की मांग राज्य सरकार से की जायेगी। बैठक में सतीश कुमार महतो, तारा प्रसाद, रफुल अंसारी, दीपक कुमार, लक्ष्मण महतो, किशोर पोद्दार, कौलेश्वर महतो, गोवर्धन महतो, शिवचरण महतो, रामकिशुन महतो, उमेश महतो, गंगा देवी, जीवन महतो, बिशुन महतो, रामचंद्र महतो, रामदेव महतो, विमला देवी, सुलोचना देवी, दुर्गाचरण चौधरी, पियासो देवी, बिराजो देवी, सखीचंद राम दांगी, संत राम दांगी, ठाकुरदास महतो सहित कई आंदोलनकारी शामिल थे।

सड़क दुर्घटना में चालक गंभीर

रामगढ़ (आजाद सिपाही)। चुटूपालू घाटी में रविवार की दोपहर करीब एक बजे एक ट्रेलर ब्रेकफेल हो गया। इससे तेज रफ़्तार ट्रेलर पूरी तरह से अनियंत्रित हो गया। घाटी में रांची की ओर से आ रहे इस अनियंत्रित ट्रेलर की चपेट में आने से कई छोटे-बड़े वाहन बाल-बाल बच गया। इसी दौरान एक वाहन को अपनी चपेट में लेने से बचाने के क्रम में पाइप ट्रेलर(जेएच02बीके9008) घाटी के चट्टान से जा टकरायी। इससे ट्रेलर पलट गया। घटना में चालक गंभीर रूप से घायल हो गया।

वृद्ध दंपति के अपहरण मामले में शामिल तीन नाबालिग गिरफ्तार

मोबाइल जब्त, तीनों को सुधारगृह भेजा गया

मास्टरमाइंड युवक ने ऑनलाइन जुए में हारने के बाद दोस्तों संग बनायी अपहरण की योजना

आजाद सिपाही संवाददाता

कुजू। गत 8 सितंबर की रात ओपी क्षेत्र के लोहागेट स्थित शनिमंदिर के समीप के एक आवास से वृद्ध दंपति को अपहरण करने और 10 लाख रुपये फिरौती की मांग करने के मामले का उद्भेदन करते हुए पुलिस ने तीन नाबालिगों को गिरफ्तार किया। वहीं, मामले का मास्टरमाइंड हेसागढ़ा निवासी नाबालिग युवक पुलिस की गिरफ्त से फरार है। गिरफ्तार युवकों के पास पुलिस ने अपहरण मामले में प्रयुक्त मोबाइल फोन बरामद किया है। गिरफ्तार तीनों युवकों को पुलिस द्वारा हजारीबाग सुधारगृह भेजा गया। इधर, मामले को लेकर कुजू ओपी प्रभारी आशुतोष कुमार सिंह ने बताया कि एसपी के निर्देश पर गठित टीम में शामिल एसडीपीओ परमेश्वर प्रसाद के नेतृत्व में तकनीकी और मानवीय सूचना के आधार पर सभी नाबालिगों को कुजू क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तारी के बाद युवकों ने वृद्ध दंपति को बंधक बनाकर अगवा करने की संलिप्तता स्वीकार किया। साथ ही, बताया कि हेसागढ़ा के मास्टर माइंड युवक द्वारा ऑनलाइन गेम में अबुआ आवास का करीब डेढ़ लाख रुपये हार जाने के बाद पिता के डांट फटकार के डर से रुपये की व्यवस्था करने के उद्देश्य से लोहागेट निवासी मनोज सिंह के वृद्ध माता-पिता को अपहरण कर फिरौती रकम वसूलने की योजना बनायी। इसके बाद सभी नाबालिगों ने मास्टर माइंड के बहकावे में आकर वृद्ध दंपति लोहागेट निवासी नंदकिशोर सिंह और राजवंशी देवी को बंधक बनाकर अगवा कर लिया। साथ ही, अगवा कर घर से कुछ दूर ले जाकर उसके पुत्र मनोज सिंह से 10 लाख रुपये की फिरौती की मांग की थी। वहीं, पुलिसिया पूछताछ के दौरान सभी ने पैसा मिल जाने के बाद दोबारा ऐसा काम नहीं करने की बात बतायी। गिरफ्तार तीनों नाबालिग युवकों ने किसी भी प्रकार की लूटपाट नहीं रहने की बात कही। चूंकि मामले के तहत लूटपाट के दौरान 17 हजार रुपये नगद और ढाई लाख रुपए के आभूषण लूट होने की वृद्ध दंपति द्वारा कही गयी थी। इस बिंदु पर पुलिस की जांच चल रही है। अभियान में एसडीपीओ परमेश्वर प्रसाद, इंस्पेक्टर रजत कुमार, कुजू ओपी प्रभारी आशुतोष कुमार सिंह, मांडू थाना प्रभारी सदानंद कुमार, वेस्ट बोकारो ओपी प्रभारी दीपक कुमार, कुजू ओपी के अभिनव कुमार, आशीष गौतम सदल बल शामिल थे।

तेली साहू समाज संघर्ष समिति ने किया सम्मान समारोह का आयोजन

समाज को एकजुट होने की आवश्यकता है : पूर्व मंत्री सत्यानंद

आजाद सिपाही संवाददाता

चतरा। पूर्व मंत्री सत्यानंद भोगता आज चतरा स्थित अपने आवास पर तेली साहू समाज संघर्ष समिति झारखंड के तत्वावधान में आयोजित स्वागत सम्मान समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। पूर्व मंत्री ने दानवीर भामाशाह के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। स्वागत समारोह में समिति के केंद्रीय अध्यक्ष सुनील साहू ने पूर्व मंत्री को पगड़ी और अंगवस्त्र प्रदान कर स्वागत किया। पूर्व मंत्री सत्यानंद भोगता ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सर्वप्रथम समाज के लोगों को बधाई व हार्दिक शुभकामनाएं दी। साथ ही उन्होंने कहा कि तेली साहू समाज राजनैतिक समाजिक क्षेत्रों में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। समाज को एकजुट होने की आवश्यकता है। किसी समाज को आगे बढ़ने के लिए शिक्षा बेहद जरूरी है। समाज को शिक्षा से जोड़ें और नशापान से बचाएं। समाज जितना शिक्षा के प्रति अग्रसर होगा, समाज का उतना ही तेजी से विकास होगा। इस कार्यक्रम में तेली साहू समाज के केंद्रीय अध्यक्ष सुनील साहू, झारखंड प्रदेश अध्यक्ष संजय कुमार स्नेही, मनोज गुप्ता, मंदूर साव, मुरारी साहू, महेंद्र साहू, कृष्णा साहू समेत समाज के कई गणमान्य लोग मौजूद थे।

स्वागत सह अभिनंदन समारोह का आयोजन

हंटरगंज/ चतरा (आजाद सिपाही)। प्रस्तावित प्रखंड जोरी के ग्राम मुरैनवा गांव में आयोजित राजद के नव निर्वाचित पदाधिकारियों का स्वागत और अभिनंदन समारोह में राज्य के पूर्व मंत्री सह प्रदेश प्रधान महासचिव सत्यानंद भोगता बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। स्वागत सह अभिनंदन समारोह में अतिथियों के आगमन पर प्रस्तावित प्रखंड अध्यक्ष सरयू भोगता ने पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत किया। श्री भोगता ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय जनता दल को झारखंड प्रदेश में एक नये मुकाम तक पहुंचाना है। हम सब मिलजुल कर एक साथ काम करेंगे और लालू प्रसाद यादव के सामाजिक न्याय के अवधारणा को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करेंगे। इस कार्यक्रम में प्रखंड कमेटी के सदस्य मनोनीत किये जाने पर पूर्व मंत्री द्वारा पत्र और अंगवस्त्र पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत किया गया। इस कार्यक्रम में राजद जिलाध्यक्ष नवल किशोर यादव, प्रखंड अध्यक्ष हंटरगंज अशोक यादव, प्रखंड प्रमुख प्रतिनिधि कमलेश यादव, देवलाल यादव मनीष यादव, रामप्रसाद यादव समेत हजारों की संख्या में राष्ट्रीय जनता दल के नेतागण, कार्यकर्ता गण, सिपाही गण मौजूद थे।

रामगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज की बैठक संपन्न

चुनाव पर चर्चा कर तुलसी मेहता गुट को जिताने का संकल्प

व्यवसायिक विकास, पारदर्शिता और व्यापारियों की सुविधा ही हमारी प्राथमिकताः तुलसी मेहता

आजाद सिपाही संवाददाता

रामगढ़। रामगढ़ चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के कार्यकारिणी और सब कमिटी के सदस्यों के सत्र 2025-27 की बैठक रांची रोड स्थित सिद्धि विनायक बैंक्वेट हॉल में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता चैंबर अध्यक्ष मंजीत सहानी और संचालन चैंबर सचिव मनोज चतुवेर्दी ने किया। चेंबर अध्यक्ष मंजीत साहनी ने बैठक में व्यापारियों से जुड़े परेशानियों और समस्याओं पर चर्चा की। साथ ही आश्वासन दिया कि सभी मुद्दों पर विभागीय अधिकारियों से बात कर इसका निदान निकाला जायेगा। वहीं चैंबर सचिव मनोज चतुवेर्दी ने आए-गये पत्रों की जानकारी दी। चेंबर उपाध्यक्ष अमरेश गणक ने सभी आए हुए पदाधिकारियों अतिथियों और सदस्यों को धन्यवाद देते हुए राष्ट्रगान के साथ बैठक समाप्त करने की घोषणा की। बैठक में आगामी 21 सितंबर 2025 को रांची स्थित स्वर्णभूमि बैंक्वेट हॉल में झारखंड चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के होने वाले चुनाव पर चर्चा कर तुलसी मेहता गुट को जिताने का संकल्प लिया गया। अध्यक्ष पद के दावेदार तुलसी मेहता ने रामगढ़ के मतदाताओं से अपील करते हुए कहा कि इस चुनाव में व्यवसायिक विकास, पारदर्शिता और व्यापारियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए हमारी टीम मैदान में उतरी है। हम सभी का उद्देश्य चेंबर को एक सशक्त, उत्तरदायी और सहयोगी संस्था बनाना है हमारी प्राथमिकता है। व्यापारियों की समस्याओं का समाधान और युवा उद्यमियों के लिए मार्गदर्शन व प्रशिक्षण के लिए हमेशा तत्पर रहेगा।

बैठक में ये लोग थे उपस्थित

बैठक में मुख्य रूप रामगढ़ चेंबर कोषाध्यक्ष दिनेश पोद्दार, सह सचिव इंद्रपाल सिंह सैनी, पूर्व अध्यक्ष आनंद अग्रवाल, प्रदीप कुमार सिंह, राजू चतुवेर्दी, मंजी सिंह, अनूप कुमार सिंह, जितेंद्र प्रसाद डब्लू, पंकज प्रसाद तिवारी, विनय कुमार अग्रवाल मुरारीलाल अग्रवाल, विनय कुमार सिंह, राहुल जैन, अभिजीत सिंह, बिधान चंद्र सिंह, अरुण बगडिया, अतिथि रजंय कुमार उर्फ.कुंदु बाबु, अशोक जैन, गोबिन्द लाल अग्रवाल, रमन मेहरा, परमजीत सिंह कालरा, तेजिंदर सिंह सोनी, सुरेश चंद्र बासुदेव, बाल किशन जलान, महेश बंसल उर्फ.बंटी, रमेश बौंदिया, रामाधन शर्मा, कमल बागड़िया, सुरेश बागड़िया, राजकुमार अग्रवाल, मनोज बंसल, निशु कुमार, नवीन पाठक, नरेंद्र सिंह चमन, पलविंदर सिंह जस्सल, संजीव सिंह संजू, रविंदर सिंह बिट्टी, दिलीप दत्ता, अजय गुप्ता, लव कुमार, चंद्रशेखर सिंह, किशोर जाजू, निर्मल गोयल, अनिल मित्तल, मनमोहन सिंह लाम्बा, मृत्युंजय केसरी, राजेश अग्रवाल, रवींद्र, साहू, एचएन सौंधी, अखिलेश कुमार सिंह, मनोज वर्मा, अशोक सिन्हा, रामजी प्रसाद, प्रमोद शर्मा, सुरेश प्रसाद केसरी सहित अन्य मौजूद थे।

रेल टेका आंदोलन को सफल बनाने को लेकर आदिवासी कुड़मी समाज की बैठक

रामगढ़ के सभी रेलवे स्टेशनों पर होगा रेल टेका आंदोलनः संतोष बंसीयार

आजाद सिपाही संवाददाता

रामगढ़। कुड़मी जनजाति को एसटी का दर्जा दिये जाने की मांग को लेकर 20 सितंबर को होने वाला रेल टेका आंदोलन की रुपरेखा लगातार तैयार किया जा रहा है। झारखंड, पश्चिम बंगाल और ओडिशा में 100 स्टेशनों पर रेलवे का परिचालन ठप कराया जायेगा। इसके तहत रामगढ़ जिला में सभी रेलवे स्टेशनों में भी रेल टेका जायेगा। यह निर्णय रविवार को शहर के पटेल छात्रावास में आयोजित आदिवासी कुड़मी समाज की जिला स्तरीय बैठक में लिया गया। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष संतोष बंसीयार ने किया। बैठक को संबोधित करते हुए कुडमी समाज के लोगों ने कहा कि कुड़मी को एसटी का दर्जा दिलाने के लिए सभी संवैधानिक प्रक्रियाओं का पालन किया, लेकिन अब भी हमारी मांगों को लेकर कोई गंभीर नहीं है। ऐसे में 20 सितंबर को एक बड़ा आंदोलन शुरू होगा। ऐसा आंदोलन जिससे दिल्ली और राज्य में बैठे बड़े नेताओं को भी पता चलेगा कि झारखंड, बंगाल व ओडिशा के कुड़मी आखिर चाहते क्या हैं।

आंदोलन को ऐतिहासिक बनाने का निर्णय

बैठक में आंदोलन की रूपरेखा पर चर्चा की गयी। साथ ही आंदोलन को ऐतिहासिक बनाने के लिए ग्राम स्तर पर जनसंपर्क अभियान चलाने का निर्णय लिया गया। बैठक में काफी संख्या में समाज के लोग उपस्थित थे।

कांग्रेस नेता अरुण सिंह ने झारखंड पर्यवेक्षक का गर्मजोशी के साथ किया स्वागत

चतरा (आजाद सिपाही)। कांग्रेस संगठन सृजन के दौरान रविवार को एआइसीसी झारखंड पर्यवेक्षक और रामटेक लोकसभा के सांसद श्याम कुमार बर्वे, झरिया के पूर्व विधायक पूर्णिमा नीरज सिंह, कांग्रेस प्रदेश उपाध्यक्ष भीम कुमार दास और आदिवासी सेल के प्रदेश अध्यक्ष जोसाई मार्डी रविवार को हंटरगंज पहुंचे। कांग्रेस नेता अरुण सिंह और कांग्रेस युवा नेता आशुतोष सिंह ने गर्मजोशी के साथ उनका स्वागत किया। इस दौरान उन्हें माता कौलेश्वरी का फोटो भेंट की। इस दौरान चतरा में कांग्रेस की मजबूती को लेकर कई अहम मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। ज्ञात हो कि कांग्रेस संगठन की मजबूती के लिए जिला और सभी प्रखंडों में पर्यवेक्षकों ने कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर संगठन की जमीनी हकीकत से रूबरू हो रहे हैं।

ग्रामीणों ने विस्थापन को लेकर की बैठक

टंडवा (आजाद सिपाही)। आम्रपाली परियोजना से विस्थापित गांव पोकला उर्फ कसियाडीह के ग्रामीणों की बैठक रविवार को पंचायत भवन कसियाडीह में किया गया। बैठक की अध्यक्षता मुखिया सरिता कुमारी, संचालन दिलीप कुमार अम्बष्ट ने किया। बैठक में विस्थापन,मुआवजा पुनर्वास, रोजगार सहित अन्य मुद्दों पर चर्चा की गयी। बैठक के दौरान सबों ने एक स्वर में निर्णय लिया की महाप्रबंधक से मिलकर के उपरोक्त मुद्दों पर चर्चा किया जायेगा। इसके लिए छह सदस्य कमेटी का गठन किया गया। जिसमें दिलीप कुमार अम्बष्ट, राम अवतार राम, रफूल अंसारी, रंजीत कुमार महतो, राजेश कुमार और विजय ठाकुर और मुखिया, पंचायत समिति सदस्य और उपमुखिया को पदेन सदस्य नियुक्त किया गया। इस मौके पर दर्जनों ग्रामीण उपस्थित थे।

मोबाइल कंपनी के सेल्समैन को जमकर धुना

रामगढ़ (आजाद सिपाही)। शहर के शिवाजी रोड स्थित किला मंदिर के पास निर्मल एजेंसी के सेल्समैन की कुछ लोगों के द्वारा जमकर पिटाई कर दी गयी। मारपीट का यह मामला सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हुआ है। मारपीट से घायल सोनू कुमार नामक युवक ने रामगढ़ थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है। उसने जारा बस्ती निवासी निखिल और गोसाई टोला, गोला रोड निवासी उतेश गोस्वामी के साथ 5-7 अन्य लोगों पर प्राथमिकी दर्ज करायी है। उसने बताया कि उसे कुछ दिन पहले एक मोबाइल नंबर से धमकी भरा फोन आया था। लेकिन वह इस बात को गंभीरता पूर्वक समझ नहीं पाया। निर्मल एजेंसी का ग्राहक होने के कारण उसका संपर्क निखिल के साथ पहले से ही था। निखिल अपने कुछ साथियों के साथ एक्सयूवी 300 और वैगन-आर कार से किला मंदिर के पास पहुंचा। इसके बाद वह सोनू को मिलने के लिए दुकान से बाहर बुलाया। इसी दौरान उन लोगों ने उसकी लाठी डंडे से जमकर पिटाई कर दी। फिर उसका अपहरण करने का भी प्रयास किया। पुलिस इस मामले की तहकीकात कर रही है। मारपीट की वजह क्या थी और किस लिए सोनू को धमकी भरा फोन किया गया था। इधर, पुलिस ने रामगढ़ थाना कांड संख्या 252/25 के तहत मामला दर्ज कर ली है।

बस स्टैंड में कंडक्टर के साथ मारपीट, मामला दर्ज

रामगढ़ (आजाद सिपाही)। शिवगंगे नामक बस के कंडक्टर मो शाकिर ने रामगढ़ थाना में मारपीट का मामला दर्ज कराया है। आवेदन में कहा है कि 9 सितंबर को बस स्टैंड में किसी बात को लेकर सुशांत सिंह, रोहित यादव, अंकित यादव, उतेश गोस्वामी और मोहित वर्मा एवं 50 से 60 अज्ञात लोगों ने 6:30 बजे बस स्टेशन के पास स्थित हनुमान मंदिर के पीछे मुझे बस से खींचकर मारपीट करना शुरू कर दिया और जान से मारने की धमकी दी। यह लोग रांची से ही मेरा बस संख्या जेएच 24एच 1368 से पीछा स्कॉर्पियो नंबर जेएच 24 एल 0173 से कर रहे थे, जिसकी शिकायत मैंने ओरमांझी थाना में भी की थी मेरे स्टाफ के साथ मारपीट किया है। इधर, पुलिस ने रामगढ़ थाना कांड संख्या 250/25 के तहत मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। **मारपीट का एक और मामला थाने में दर्ज**: मोहित कुमार ने रामगढ़ थाना में मामला दर्ज कराया है। आवेदन में कहा है कि 9 सितंबर को करीब दो से तीन बजे में बीमार होने के बावजूद घर से नया बस स्टैंड स्थित दवा दुकान अपना दवा लेने जा रहा था। इस दौरान कैंट अस्पताल के सामने सौरभ साव, आदर्श साव, जावेद अंसारी, संतोष साव, विनोद, संतोष साव मुझे रोक लिए और डंडा और बेल्ट से मारकर अधमरा कर दिये। आवेदन में बताया है कि ये सभी पुराना रंजिश की वजह से मुझे मारे हैं। जबकि, रामगढ़ थाना में पहले सुलह हो गया है। जिसका अहमियत ये लोग नहीं दिये। इस मामले में भी पुलिस ने कांड संख्या 251/25 के तहत मामला दर्ज कर छानबीन शुरू करती है।

योग प्रतियोगिता में सफल प्रतिभागियों को किया गया सम्मानित

भुरकुंडा (आजाद सिपाही)। भुरकुंडा पेट्रोल पंप स्थित अंबेडकर स्थल के प्रांगण में चल रहे पांच दिवसीय योग प्रतियोगिता शिविर का रविवार को समापन हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत भदानीनगर ओपी के एएसआइ मनोज मुर्मू डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया। शिविर में मुख्य प्रशिक्षक सेंसाई कंचन दास के देखरेख में महिला प्रशिक्षका आस्था सिंह के द्वारा बच्चों को योग के विभिन्न प्राणायाम का प्रशिक्षण दिया गया। प्रतियोगिता के सफल प्रतिभागियों को मुख्य अतिथि एएसआइ मनोज मुर्मू, समाजसेवी गिरधारी गोप और पूर्व पंचायत समिति सदस्य रेणुका देवी द्वारा मेडल और प्रमाण-पत्र देकर सफल सम्मानित किया गया। गोल्ड मेडल प्राप्त करने में आस्था सिंह, विकास, रेयांश राज, स्मृति मुंडा व खुशी, सिल्वर मेडल पाने वालो में शिवांश राज, भूमि, स्वीटी व सुमन शामिल हैं। वहीं चित्रलेखा, अनन्या, परिधि, सोनाली और मो. अनीश ने बेहतर प्रदर्शन कर ब्राउंज मेडल प्राप्त किया। शिविर को सफल बनाने में कमलनाथ सिंह, रंजीत कुमार, रामचंद्र राम, सूरज करमाली का अहम योगदान रहा।

मुख्य सचिव अलका तिवारी का स्वागत

चतरा (आजाद सिपाही)। स्थानीय परिसदन में झारखंड की मुख्य सचिव अलका तिवारी के आगमन पर उपायुक्त कीर्तिश्री जी और पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार अग्रवाल द्वारा पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका सादर अभिनंदन किया गया और परिसदन परिसर में जिला पुलिस बल द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इस दौरान जिले के अधिकारियों और कर्मी उपस्थित थे। जानकारी के मुताबिक मुख्य सचिव बोध गया से रांची लौट रही थीं। इसी क्रम में चतरा में उनका अभिनंदन किया गया।

'डुप्लीकेट' का बोलबाला!

देश में नकली खाद्य पदार्थों, दवाइयों, खादों, कीटनाशकों, करंसी आदि की बातें तो सुनी जाती थीं, पर अब यह बीमारी नकली सिविल एवं पुलिस अधिकारियों आदि तक पहुंच गयी है और इसमें महिलाएं भी शामिल पायी जा रही हैं, जिसके मात्र 2 सप्ताह के उदाहरण दर्ज हैं : 22 अगस्त को दिल्ली के विवेक विहार इलाके में नकली सीबीआइ अधिकारी बन कर आये गैंग द्वारा एक प्रापर्टी डीलर के दफ्तर से 2.3 करोड़ रुपये की लूट के मामले में पुलिस ने एक महिला सहित 2 आरोपियों को गिरफ्तार करके उनसे 1.8 करोड़ रुपये बरामद किये। इन फर्जी अधिकारियों पर प्रापर्टी डीलर के 2 कर्मचारियों को बुरी तरह पीटने, दफ्तर में रखा कैश उठा कर ले जाने और उन्हें बंधक बना कर अलग-अलग स्थानों पर धमकाते हुए गाड़ी से उतार देने का आरोप है। 27 अगस्त को धौलपुर (राजस्थान) में सदर थाना की पुलिस ने पश्चिम बंगाल के रहने वाले सुप्रियो मुखर्जी नामक एक फर्जी पुलिस अधिकारी को गिरफ्तार किया, जो लोगों पर धौंस जमाने और टोल टैक्स से बचने के लिए पुलिस की वर्दी पहन कर घूमता और लोगों को ठगता था। उसने अपनी गाड़ी पर नीली बत्ती तथा वर्दी पर 3 स्टार भी लगा रखे थे। संदेह होने पर उसकी गाड़ी को रोक कर जब अधिकारियों ने उससे पूछताछ की तो वह स्वयं को कभी होमगार्ड और कभी एनसीजी (नेशनल कोस्ट गार्ड) का अधिकारी बताने लगा। उसके बयान में अंतर पाये जाने पर गहन पूछताछ के दौरान उसकी जालसाजी का भंडाफोड़ होने पर अधिकारियों ने उसे गिरफ्तार कर लिया। उसकी कार की तलाशी लेने पर एयरगन, कारतूस, लैपटाप तथा फर्जी आइडी कार्ड आदि बरामद हुए। 4 सितंबर को लखनऊ में स्वयं को आइएएस अधिकारी बता कर लोगों से ठगी करके शाही जिंदगी बिताने वाले सौरभ त्रिपाठी को गिरफ्तार करके पुलिस ने उसके पास से 3 इनोवा कारों के अलावा नीली बत्ती लगायी हुई रेंज रोवर डिफेंडर, मर्सिडीज बैंज और टोयोटा फार्च्यूनर जैसी 6 सुपर लग्जरी कारें जब्त कीं, जिनके दस्तावेज भी जांच के दौरान जाली पाये गये। इसके अलावा उसके पास से उत्तर प्रदेश सचिवालय में एंट्री के लिए बनाये गये फर्जी पास तथा अन्य चीजें भी बरामद की गयीं। विभिन्न सरकारी विभागों में तबादलों और ठेके दिलाने आदि के नाम पर दलाली करने वाला यह ठग 60,000 रुपये मासिक किराये के फ्लैट में रहता था। वह अपने शौक पूरे करने के लिए एक महीने में लगभग 10 लाख रुपये मासिक खर्च करता था। अधिकारियों के अनुसार सौरभ की लखनऊ, नोएडा, मऊ और बिहार में सम्पत्तियां मिली हैं तथा इसकी पत्नी भी इंजीनियर है, जो लगभग 1 लाख रुपये वेतन पाती है 5 सितंबर को रायपुर में स्वयं को क्राइम ब्रांच का सिपाही बताने वाले आशीष घोष को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इससे स्पष्ट है कि देश में जालसाजी करके लोगों को ठगने की बुराई किस कदर बढ़ रही है।

लखनऊ में स्वयं को आइएएस अधिकारी बता कर लोगों से ठगी करके शाही जिंदगी बिताने वाले सौरभ त्रिपाठी को गिरफ्तार कर-के पुलिस ने उसके पास से 3 इनोवा कारों के अलावा नीली बत्ती लगायी हुई रेंज रोवर डिफेंडर, मर्सिडीज बैंज और टोयोटा फार्च्यूनर जैसी 6 सुपर लग्जरी कारें जब्त कीं।

अभिमत आजाद सिपाही

नरेंद्र मोदी आरएसएस के प्रचारक बने 1970 के शुरुआती दौर में। 1977 में आपातकाल के बाद जब वे विभाग प्रचारक के रूप में एक कुशल संगठनकर्ता बन कर उभरे, तब उनकी कार्यशैली का मुख्य आधार कार्यकर्ता निर्माण रहा। 1980 के दशक में गुजरात में संगठन का विस्तार बहुत सीमित था। उस समय किसी एक तालुका में शाखा स्थापित करना भी बड़ी उपलब्धि मानी जाती थी, लेकिन युवा नरेंद्र मोदी की दृष्टि अलग थी।

नरेंद्र मोदी और कार्यकर्ता निर्माण: संगठन की असली ताकत

बीएल संतोष

नरेंद्र मोदी का दृष्टिकोण स्पष्ट था – संगठन की असली ताकत कार्यकर्ताओं में है। अनुशासन, समर्पण और सेवा की भावना से भरे ऐसे कार्यकर्ता किसी भी परिस्थिति में राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानते हैं। यही कारण है कि आज संगठन केवल राजनीतिक शक्ति नहीं, बल्कि एक जीवंत सांस्कृतिक चेतना बन चुका है।

संगठन की शक्ति वहीं खिलती है, जहां कार्यकर्ता तपस्वी बन कर खड़े होते हैं। यही दर्शन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जीवन यात्रा और उनके सामाजिक - संगठनिक दृष्टिकोण का मूल मंत्र रहा है। नरेंद्र मोदी ने हमेशा कार्यकर्ताओं को संगठन का हृदय माना और उन्हें तैयार करना, प्रशिक्षित करना और सशक्त बनाना अपने प्राथमिक कार्यों में रखा। उनका मानना था कि संगठन केवल ढांचा नहीं है, बल्कि उस ढांचे में कार्यकर्ताओं की क्षमता, अनुशासन और समर्पण ही असली ताकत हैं।

नरेंद्र मोदी आरएसएस के प्रचारक बने 1970 के शुरुआती दौर में। 1977 में आपातकाल के बाद जब वे विभाग प्रचारक के रूप में एक कुशल संगठनकर्ता बन कर उभरे, तब उनकी कार्यशैली का मुख्य आधार कार्यकर्ता निर्माण रहा। 1980 के दशक में गुजरात में संगठन का विस्तार बहुत सीमित था। उस समय किसी एक तालुका में शाखा स्थापित करना भी बड़ी उपलब्धि मानी जाती थी, लेकिन युवा नरेंद्र मोदी की दृष्टि अलग थी।

मोदी कार्यकर्ताओं को योजनाबद्ध और व्यवस्थित रूप से काम करना सिखाते थे।

उनका मानना था – हर गांव में शाखा होनी चाहिए। इसके लिए वह हर शाखा की जिम्मेदारी एक कार्यकर्ता को देते और समय-समय पर उसकी प्रगति की जानकारी लेते। कौन मुख्य शिक्षक है, क्या गतिविधियां हुईं, कौन शाखा में अनुपस्थित रहा और क्यों–इन सब विवरणों पर बारीकी से ध्यान रखा जाता।

संघ के 60 वर्ष पूरे होने पर 1985 में कर्णावती (अहमदाबाद) में एक विशाल शिविर का आयोजन हुआ। शिविर में लगभग 5000 कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही। शिविर की पूर्व तैयारी में मोदी गांव-गांव जाकर युवाओं से संपर्क करते और उन्हें गणवेश खरीदने हेतु प्रेरित करते। परिणामस्वरूप, सैकड़ों नये युवा न केवल शिविर में पहुंचे, बल्कि संगठन से स्थायी रूप से जुड़ भी गये। इसने गुजरात संघ में एक नयी ऊर्जा डालने का काम किया, और बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं के निर्माण की भी शुरुआत हुई।

मोदी कार्यकर्ताओं को योजनाबद्ध और व्यवस्थित रूप से काम करना सिखाते थे। उदाहरण के लिए 1980 के दशक की शुरुआत में राजकोट के पीडी मालवीय कॉलेज में आयोजित संघ शिक्षा वर्ग में भाग लेने वाले कार्यकर्ता अभी भी याद करते हैं कि उन्होंने स्थानीय लोगों से सर्वे कर संगठन की छवि समझने और परिणामों को सांख्यिकीय विधियों के माध्यम से प्रस्तुत करने का नया प्रयोग कराया। यह केवल सीख ही नहीं, बल्कि संगठन को मजबूत बनाने के लिए आधुनिक तरीकों और योजनाबद्ध सोच का संदेश भी था।

नरेंद्र मोदी कार्यकर्ताओं को आचरण और शिष्टाचार के व्यावहारिक उदाहरणों से प्रेरित करते थे। छोटी आदतें, जैसे सुव्यवस्थित रहना, दरवाजा खटखटा कर प्रवेश करना, घरवालों का आत्मीयता से कुशल-क्षेम पूछना – यह सब उन्हें जिम्मेदार और सम्मानित कार्यकर्ता बनाते थे। उनके प्रशिक्षण से कार्यकर्ता न केवल संगठन के सदस्य बने, बल्कि समाज में आदर्श प्रतिनिधि भी बने। नरेंद्र मोदी कठिन परिस्थितियों एवं दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं के समय कार्यकर्ताओं और उनके परिवारों को व्यक्तिगत नैतिक सहयोग दिया करते थे, जिसे कई कार्यकर्ता आज भी कृतज्ञता के साथ याद करते हैं।

1987 में भाजपा गुजरात के संगठन मंत्री बनकर उन्होंने यही कार्यकर्ता निर्माण राजनीतिक क्षेत्र के कार्यकर्ताओं के लिए भी करने शुरू किया। 1980 के दशक में गुजरात भाजपा के संगठन पर्व के माध्यम से हजारों नये कार्यकर्ता संगठन से जुड़े।

अनुशासन और जवाबदेही मोदी की कार्यशैली का मूल था। उन्होंने कार्यकर्ताओं को सबक दिया कि अनुशासन, समर्पण और जवाबदेही संगठन की मजबूती की नींव हैं। वे खुद बैठकों में एक मिनट भी देर नहीं करते थे और अगर कोई देर से आता, तो उन्हें बाहर रह कर बैठक में भाग लेने को कहते थे।

मोदी ने संगठन में सामाजिक संतुलन और चुनावी रणनीति दोनों में नयी दिशा दी। पदाधिकारियों के चयन में सामाजिक संतुलन सुनिश्चित की और 1987 के अहमदाबाद नगर निगम चुनावों में बूथ जीतो रणनीति से कार्यकर्ताओं को जमीनी स्तर पर सक्रिय और लक्ष्य केंद्रित बनाया।

साथ ही, मोदी व्यक्तिगत आचरण के माध्यम से कार्यकर्ताओं को आत्मविश्वास और क्षमता बढ़ाते थे। पहली बार पार्टी में शामिल हुए कार्यकर्ता को उन्होंने भरोसा दिलाया और बूथ संगठन, सदस्यता विवरण और सामूहिकता के महत्व की व्याख्या विस्तार से करते थे।

परिणामस्वरूप, केवल कुछ महीनों में लाखों नये सदस्य जुड़े और मजबूत कार्यकर्ता खड़े हुए।। भाजपा संगठन मंत्री रहते हुए उन्होंने टिफि न बैठक जैसी पहल से कार्यकर्ताओं और उनके परिवारों को संगठन से भावनात्मक रूप से जोड़ा।

संगठन निर्माण में मोदी केवल ढांचे और रणनीति तक सीमित नहीं रहे। उन्होंने कार्यकर्ताओं को संवेदनशील और दूरदर्शी नेतृत्वकर्ता बनने की शिक्षा दी। वरिष्ठ कार्यकर्ताओं को कनिष्ठों के साथ सहयोग और जिम्मेदारी निभाने का संदेश दिया। आलोचना पर संतुलित प्रतिक्रिया और प्रशंसा पर संयम, ये सब मोदी की कार्यकर्ता- निर्माण की मूल रणनीति का हिस्सा थे।

नरेंद्र मोदी का दृष्टिकोण स्पष्ट था – संगठन की असली ताकत कार्यकर्ताओं में है। अनुशासन, समर्पण और सेवा की भावना से भरे ऐसे कार्यकर्ता किसी भी परिस्थिति में राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानते हैं। यही कारण है कि आज संगठन केवल राजनीतिक शक्ति नहीं, बल्कि एक जीवंत सांस्कृतिक चेतना बन चुका है। मोदी की कार्यकर्ता-निर्माण की यात्रा आने वाली पीढ़ियों के लिए यह संदेश देती है कि यदि जड़ों को सींचा जाये, तो शाखाएं अपने आप फलती-फूलती हैं और वृक्ष युगों तक अडिग खड़ा रहता है।

कोल्हान की खबरें

आरएससीजी चैलेंज फुटबॉल टूर्नामेंट में मार्डी स्पोर्टिंग ने जीता खिताब

जमशेदपुर (आजाद सिपाही)। सालगाजुड़ी फुटबॉल मैदान में रविवार को 21वें आरएससीजी चैलेंज फुटबॉल टूर्नामेंट का भव्य आयोजन किया गया। एक दिवसीय प्रतियोगिता में कुल 16 टीमों ने भाग लिया। फाइनल मुकाबला खेलबॉय और मार्डी स्पोर्टिंग के बीच खेला गया, जिसमें कड़े मुकाबले के बाद मार्डी स्पोर्टिंग को विजेता घोषित किया गया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में जुगसलाई विधायक मंगल कालिंदी मौजूद रहे। क्लब के सदस्यों द्वारा उन्हें गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया गया। फाइनल मुकाबले से पहले विधायक ने दोनों टीमों के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर टूर्नामेंट का विधिवत शुभारंभ किया। विजेता टीम को मुख्य अतिथि के हाथों नगद पुरस्कार और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। अपने संबोधन में विधायक मंगल कालिंदी ने कहा खेल युवाओं को न केवल शारीरिक रूप से मजबूत बनाता है, बल्कि टीम भावना और अनुशासन भी सिखाता है। उन्होंने ऐसे आयोजनों को ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बताते हुए क्लब के प्रयासों की सराहना की।इस अवसर पर बड़ी संख्या में खेलप्रेमी, स्थानीय ग्रामीण और क्लब के सदस्य उपस्थित रहे। आयोजकों ने सफल आयोजन के लिए सभी प्रतिभागी टीमों और सहयोगियों का आभार प्रकट किया।

राहरगोड़ा में डेंगू, मलेरिया और टायफाइड से बचाव के लिए सामाजिक सेवा संघ ने शुरू की पहल

जमशेदपुर (आजाद सिपाही)। राहरगोड़ा क्षेत्र में डेंगू, मलेरिया और टाइफाइड जैसी गंभीर बीमारियों से लोगों को बचाने के लिए सामाजिक सेवा संघ ने स्वास्थ्य सुरक्षा अभियान की शुरूआत की है। रविवार को संघ के कार्यालय परिसर में क्षेत्रवासियों के बीच ब्लीचिंग पाउडर का वितरण किया गया। इस अवसर पर संघ के अध्यक्ष राजेश सामंत ने बताया कि बारिश के मौसम में जलजमाव और गंदगी के कारण मच्छरों की संख्या तेजी से बढ़ जाती है, जिससे डेंगू, मलेरिया और टाइफाइड जैसी बीमारियों का खतरा बना रहता है। उन्होंने बताया कि ब्लीचिंग पाउडर का उपयोग नालियों और जलजमाव वाले स्थानों में करने से कीटाणु और मच्छर पनपने से रोके जा सकते हैं।राजेश सामंत ने कहा यह अभियान आगे भी जारी रहेगा और क्षेत्र के अन्य मोहल्लों में भी जागरूकता और सामग्री वितरण का कार्य किया जाएगा। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दें और स्वास्थ्य विभाग के निदेर्शों का पालन करें। क्षेत्रवासियों ने संघ की इस पहल की सराहना की और कहा कि इस तरह की जनहितकारी गतिविधियां समाज को स्वस्थ और जागरूक बनाने में मदद करती हैं। मौके पर छोटे सरदार, सत्ताजीत डुंगडुंग,कृष्णा हेमराम, दिनेश प्रजापति,सोनू श्रीवास्तव सहित अन्य मौजूद रहे।

गेंगाड़ा में प्रस्तावित पांच सौ करोड़ के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम का विधायक ने किया स्थल निरीक्षण

आजाद सिपाही संवाददाता

पटमदा। पूर्वी सिंहभूम जिले के पटमदा प्रखंड स्थित गेंगाड़ा गांव में प्रस्तावित 500 करोड़ की लागत से बनने वाले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम के लिए रविवार को विधायक मंगल कालिंदी और जेएससीए सचिव सौरभ तिवारी ने स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर 49.50 एकड़ भूमि का निरीक्षण किया। रविवार को निरीक्षण के दौरान पटमदा सीओ डॉ. राजेन्द्र कुमार दास, थाना प्रभारी, सीआई, अमीन सहित जेएससीए के अधिकारी एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। मौके पर भूमि को नक्शे में चिन्हित करते हुए स्टेडियम निर्माण की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने की दिशा में प्रशासन द्वारा सकारात्मक कार्रवाई की जा रही है।विधायक मंगल कालिंदी ने कहा स्टेडियम क्षेत्र के विकास और युवाओं के लिए बड़ी उपलब्धि है।श्री कालिंदी ने राज्य सरकार से हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। जेएससीए सचिव सौरभ तिवारी ने भूमि को स्टेडियम निर्माण के लिए उपयुक्त बताते हुए मुख्य सड़क के चौड़ीकरण की जरूरत पर बल दिया। यह परियोजना पटमदा को खेल के क्षेत्र में एक नई पहचान दिलाने की दिशा में बड़ा कदम मानी जा रही है।

हिंदी दिवस पर वरिष्ठ अधिवक्ता राजेश शुक्ल सम्मानित

चाईबासा (आजाद सिपाही)। हिंदी दिवस के अवसर पर झारखंड स्टेट बार काउंसिल के वाइस चेयरमैन और वरिष्ठ अधिवक्ता राजेश कुमार शुक्ल को कोल्हान के प्रमुख अधिवक्ताओं द्वारा सम्मानित किया गया।रविवार को कार्यक्रम का नेतृत्व अनिल कुमार महतो और रामेश्वर प्रसाद ने की। अधिवक्ताओं ने कानूनी क्षेत्र में हिंदी के उन्नयन में श्री शुक्ल के योगदान की सराहना की। श्री शुक्ल ने कहा हिंदी हमारी राष्ट्र भाषा है और न्यायालयों में इसकी भूमिका लगातार बढ़ रही है। सभी को इसके प्रचार-प्रसार में सहयोग करना चाहिए।

पोटका विधायक संजीव सरदार ने निःशुल्क कोचिंग सेंटर सह पुस्तकालय का किया उद्घाटन

जमशेदपुर (आजद सिपाही)। पोटका विधानसभा क्षेत्र के जानमडीह पंचायत स्थित सांस्कृतिक भवन में पोटका विधायक संजीव सरदार के द्वारा जायरा उंबुल नि:शुल्क कोचिंग सह पुस्तकालय का उद्घाटन किया गया। इस पहल का उद्देश्य ग्रामीण छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए संसाधन उपलब्ध कराना है।रविवार को उद्घाटन के दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण,जनप्रतिनिधि व पंचायत समिति सदस्य रघुनाथ सरदार एवं ग्राम प्रधान बुगनु सरदार सहित गणमान्य लोग उपस्तित रहे।मौके पर विधायक संजीव सरदार ने कोचिंग केंद्र की सराहना करते हुए कहा यह पहल ग्रामीण शिक्षा को नई दिशा देगी। उन्होंने घोषणा की लाइब्रेरी संचालन हेतु वे हर माह अपने वेतन से 10,000 रुपए सहयोग देंगे। साथ ही विधायक ने बेंच-डेस्क, कंप्यूटर एवं अन्य शैक्षणिक संसाधनों की व्यवस्था कराने का भी आश्वासन दिया।ताकि नि:शुल्क कोचिंग सेंटर में गांव के स्नातक युवा स्वयंसेवक शिक्षक के रूप में कक्षा 1 से 11 तक के बच्चों को पढ़ा सके। वहीं शिक्षित बेरोजगार युवा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी भी यहीं से कर सकेंगे। विधायक श्री सरदार ने कहा शिक्षा केवल डिग्री तक सीमित नहीं, बल्कि यह जीवन का मार्गदर्शक भी है, जो समाज में बदलाव और विकास की नींव रखती है। विधायक के प्रयास को ग्रामीणों ने जमकर सराहा और विधायक के सहयोग को ऐतिहासिक कदम बताया। इस अवसर पर दिनेश चंद्र सरदार, मधु सरदार, बिहारी लाल सरदार, मंगला सरदार, जीतेन सरदार, मनोरंजन सरदार, कमल सरदार, सबिलाल सरदार, राजेन सरदार, राजू सरदार एवं बिजन सरदार समेत कई स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

नीमडीह में अवैध महुआ शराब के खिलाफ पुलिस का विशेष अभियान, तीन भट्ठियां ध्वस्त

नीमडीह (आजाद सिपाही)। आगामी दुर्गा पूजा को देखते हुए नीमडीह पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ विशेष अभियान चलाते हुए ग्राम जुगिलोंग के पास स्थित तीन महुआ शराब भट्ठियों को ध्वस्त किया। मौके पर करीब 300 किलो जावा महुवा को नष्ट किया गया। थाना प्रभारी संतन तिवारी ने बताया अवैध भट्ठी संचालकों की पहचान कर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पूर्व से चिह्नित आरोपियों पर भी निरोधात्मक कदम उठाए जा रहे हैं। पुलिस के अनुसार त्योहार के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए अवैध शराब पर नजर रखी जा रही है। इस कार्रवाई से क्षेत्र में जागरूकता बढ़ने और अवैध कारोबार पर रोक की उम्मीद है।

ईचागढ़ में शराब के साथ युवक गिरफ्तार

ईचागढ़ (आजाद सिपाही)। सरायकेला पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार लुणायत को मिली गुप्त सूचना के आधार पर ईचागढ़ थाना क्षेत्र के रुगरी गांव में अवैध शराब तस्करी के खिलाफ एंटी क्राइम चेकिंग अभियान चलाया गया।अभियान में स्कूटी सवार बुधराम महाली को रोका गया, जिसकी तलाशी में मैकडॉवेल और आईकोनिक व्हाइट ब्रांड की 180 एमएल और 375 एमएल की कई बोतल अंग्रेजी शराब बरामद की गई।मौके पर आरोपी को गिरफ्तार न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। इस कार्रवाई से क्षेत्र में अवैध शराब तस्करी पर रोक लगाने में मदद मिलेगी।छापामारी दल में थाना प्रभारी विक्रमादित्य पांडेय, हवलदार राजेश कुमार और चौकीदार ठाकुर दास तांती शामिल रहे।

भाजपा ओबीसी मोर्चा ने सीपी राधाकृष्णन के उप राष्ट्रपति बनने पर मनाया जश्न

जमशेदपुर (आजाद सिपाही)। भाजपा जमशेदपुर महानगर ओबीसी मोर्चा ने सीपी राधाकृष्णन देश का 15वां उपराष्ट्रपति निर्वाचित होने पर साकची बड़ा गोलचक्कर पर लड्डू का वितरण किया और आतिशबाजी कर उत्सव मनाया। कार्यक्रम का नेतृत्व ओबीसी मोर्चा के अध्यक्ष सागर राय ने की। इस अवसर पर भाजपा महानगर अध्यक्ष सुधांशु ओझा ने प्रधानमंत्री मोदी, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा व केंद्रीय नेतृत्व का आभार जताते हुए इसे लोकतंत्र और ओबीसी समाज की जीत बताया। सागर राय ने कहा राधाकृष्णन का चयन ओबीसी समाज के सम्मान के प्रतीक है।मौके पर चिंटू सिंह,बलबीर मंडल,राजकुमार शाह,महेंद्र प्रसाद,राज कमल यादव,विपिन यादव सहित कई भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मनोहरपुर में कोल लको बोदरा की जयंती 19 को

गुवा (आजाद सिपाही)। आदिवासी हो समाज महासभा, प्रखंड समिति, मनोहरपुर, गोइलकेरा एवं सोनुवा के तत्वावधान में लोगों के सुख, स्वास्थ्य और उज्वल जीवन की मंगलकामना हेतु आगामी 19 सितम्बर को मनोहरपुर घाघरा फुटबॉल मैदान में आदिवासी हो समाज के गौरव, हो भाषा-बहारङ चिति लिपि के अमर जनक, गुरु कोल लको बोदरा जी की जयंती मनाया जायेगा। इस भव्य समारोह में मुख्य अतिथि के रूप दर्जनो गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहेंगे। इस अवसर पर भाषा-लिपि के संवर्द्धन एवं संरक्षण पर सार्थक विमर्श तथा मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां आयोजित की जायेगी।

रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3250 का लिटरेसी सेमिनार संपन्न

जमशेदपुर (आजद सिपाही)। रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3250 का लिटरेसी सेमिनार का आयोजन किया गया। रविवार को जमशेदपुर के रोटरी क्लबों और रोटरी क्लब ऑफ चाईबासा के संयुक्त प्रयास से आयोजित सेमिनार का उद्घाटन डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रोटेरियन नम्रता सहित कई वरिष्ठ रोटेरियनों ने दीप प्रज्जलित कर किया। सेमिनार में साक्षरता और डिजिटल शिक्षा पर केंद्रित विचार प्रस्तुत किए गए। डीजी नम्रता ने वर्ष 2030 तक पूर्ण साक्षरता के लक्ष्य को रोटरी का संकल्प बताया। पीडीजी अंशुमन बनर्जी, पीडीजी शशि, पीडीजी राकेश व पीडीजी डॉ. आर. भरत ने डिजिटल, प्रौढ़ और तकनीकी शिक्षा की दिशा में रोटरी की भूमिका पर प्रकाश डाला।केरल पब्लिक स्कूल के छात्रों द्वारा नुक्कड़ नाटक के माध्यम से शिक्षा के महत्व को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन व समन्वय सेमिनार चेयर रोटेरियन श्वेता चांद के नेतृत्व में किया गया। कार्यक्रम पैनल चर्चा, प्रश्नोत्तर सत्र और धन्यवाद ज्ञापन के साथ संपन्न किया गया।

प्रशासन की लापरवाही से यूरिया खाद के लिए तरस रहे हैं किसान

खाद के लिए सुबह से शाम तक लाइन लगाकर खड़े हो रहे हैं किसान, फिर भी मयस्सर नहीं

अरुण कुमार चौबे

कांडी (आजाद सिपाही)। प्रखंड क्षेत्र में बीते कई दिनों से हुई भारी बारिश से किसानों की खरीफ फसल को काफी बड़े पैमाने पर आर्थिक नुकसान हुआ है। इधर किसी तरह किसानों ने ऊंचे दर पर कर्ज लेकर धान की रोपायी तो कर दी, उसके बाद धान की फसल के लिए बारिश भी अच्छी खासी हुई पर किसानों के मंसूबे पर तब पानी फिरने लगा, जब पूरे क्षेत्र में किसान यूरिया खाद की किल्लत से जूझने लगे। कुछ जगहों पर 400 से 500 प्रति रुपये बैग के हिसाब से खाद मिल रहा था, पर प्रशासन की लापरवाही की वजह से यूरिया खाद की किल्लत हो गयी। अब हाल यह है कि किसान अहले सुबह से रात्रि तक दुकान में लाइन लगा कर बैठे हैं पर खाद नसीब नहीं हो रहा है।

शनिवार को किसानों का और मजाक उड़ाया : प्रखंड क्षेत्र स्थित किसान खाद बीज एवं कीटनाशक भंडार के संचालक ने। किसानों को भोर से ही दुकान के सामने आने को कहकर पूरे दिन इंतजार करवाया और भूखे प्यासे किसान इंतजार करते रहे पर उनकी बेबसी पर संचालक को तनिक भी दया नहीं आयी।

क्षेत्र में खाद की बिक्री की किल्लत को और कालाबाजारी की जांच करने के लिए आजाद सिपाही की टीम ने शुक्रवार की रात्रि तक निगरानी किया, उसके पश्चात शुक्रवार - शनिवार की मध्य रात्रि से ही ग्राहक बनकर बैठे रहे और संचालक से बार-बार पूछते की खाद कब मिलेगा, तो उन्हें आश्वासन देकर बैठा दिया जाता।

खाद के अभाव में धान की स्थिति और खाद लेने के लिए दुकान पर किसानों की लगी भीड़।

रोजगार सेवक चार वर्षों से एक ही पंचायत में कार्यरत है : विदित हो कि दुकान के संचालक राजेश शुक्ला प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत मझिगावां पंचायत में चार वर्षों से रोजगार सेवक के पद पर कार्यरत हैं। खाद दुकान अपने पिता के नाम पर रजिस्ट्रेशन करा दिये हैं जबकि वास्तविक सच्चाई यह है कि इनके पिता खाद भंडार पर आते ही नहीं हैं सारा देख रेख रोजगार सेवक राजेश शुक्ला ही करते हैं। यह बड़े ही ताजूब की बात है की एक रोजगार सेवक किसी एक पंचायत में चार वर्षों से एक ही पंचायत में कैसे कार्यरत हैं।

वहीं मौके पर उपस्थित किसान रामेश्वर रजवार, उदेश्वर रजवार, जगदीश पासवान, रामपुकार राम, ने यह आरोप लगाया कि उनके द्वारा पहले से ही खाद के लिए कई लोगों से एडवांस पैसे लेकर रख लिए गए थे उसके बाद किसानों को बरगलाने के लिए अन्य किसानों को 10 किलो खाद लॉलीपॉप देकर अपने चहेते को खाद दे दिया गया। अब ऐसा उनके द्वारा क्यों किया गया यह जांच का विषय है। परंतु आजाद सिपाही के टीम के सामने पूरा दिन किसान खाद मिलने का आस देखते रहे पर खाद उनके नसीब में नहीं मिला। इस संबंध में गढ़वा एसडीओ संजय कुमार पांडे ने कहा कि संबंधित दुकान के संचालक तथा रोजगार सेवक पर जांच कर दोषी पाए जाने पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

इस संबध में प्रखंड विकास पदाधिकारी कांडी राकेश सहाय ने कहा कि क्षेत्र में यूरिया खाद की किल्लत लगातार सुनने को मिल रही है जो काफी चिंता की विषय है। मैं उच्च स्तरीय अधिकारियों से बात करूंगा कि कांडी प्रखंड को पर्याप्त खाद मिल सके।

आजाद सिपाही के संवाददाता ने ग्राहक बनकर दुकान संचालक को फोन किया तो तीन बजे भोर में बुलाया

हद तो तब हो गयी जब आजाद सिपाही के संवाददाता ने ग्राहक बनकर दुकान संचालक से संपर्क किया। उन्हें बतौर ग्राहक भोर के 03 बजे बुलाया गया और रात के 03 बजे से लेकर समाचार लिखे जाने तक दुकान के पास लोगों की भीड़ लगी रही, परंतु किसानों का मजाक उड़ाते हुए प्रति किसान 10 किलो का यूरिया खाद दिया गया और यह बताया गया कि खाद की बोरी कम आया है। परंतु सवाल यह उठता है कि खाद की बोरी कम थी तो किसानों को बेवजह क्यों बुलाया गया था। आजाद सिपाही के प्रतिनिधि के साथ अन्य कई किसान भी बैठे रहे। अब सोचनीय विषय यह है की जब किसानों को बुलाया गया था तो उन्हें दस किलो खाद ही क्यों नहीं दिया गया। उन्हें बार-बार यह आश्वासन दिया गया कि आप लोगों को अब खाद मिलेगा, अब खाद मिलेगा और वहीं उसी दुकान पर दुकान के संचालक के चहेते लोगों को बारी-बारी से खाद दिया जाने लगा और बाकी लोग जो गरीब किसान थे। वह बैठकर खाद मिलने का राह देखते रहे, परंतु इस बात का असर उस दुकान के संचालक राजेश शुक्ला पर तनिक भी नहीं आया। वह बार-बार यही कहते रहे कि हम क्या करें, हमारे पास कम खाद उपलब्ध है। अब ताजुब की बात यह है कि जब उनके पास कम मात्रा में खाद उपलब्ध थी तो वह किसानों को पूरे दिन क्यों बैठाये रहे। बार-बार यही कहते रहे की थोड़ी देर बाद आप लोगों को मिलेगी।

जिला में इस वर्ष दो हजार स्थानों पर भगवान विश्वकर्मा की पूजा-अर्चना की जायेगी: सुरेंद्र

गढ़वा (आजाद सिपाही)। जिला में इस वर्ष दो हजार स्थानों पर भगवान विश्वकर्मा की पूजा-अर्चना की जायेगी। इस संबंध में विश्वकर्मा समाज के झारखंड प्रदेश उपाध्यक्ष सुरेंद्र विश्वकर्मा ने कहा कि विश्वकर्मा पूजा को लेकर तैयारी अंतिम चरण में है। उन्होंने कहा कि अनुमान है कि इस वर्ष पूजा पर करीब 35 लाख रुपए का खर्च आयेगा। इसमें पंडाल निर्माण, विद्युत सज्जा, प्रसाद वितरण, सांस्कृतिक कार्यक्रम और सुरक्षा व्यवस्था शामिल है। उन्होंने कहा कि विश्वकर्मा पूजा मुख्य रूप से तकनीशियन, बढ़ई, राजमिस्त्री, लोहार, ड्राइवर और मेकैनिक समाज से जुड़े लोगों द्वारा धूमधाम से मनाया जाता है।

अवैध रिश्ते में युवती बनी मां अव्यवस्था की भेंट चढ़ी बच्ची

- 60 साल के बुजुर्ग ने किया था यौन शोषण, बाद में मुकर गया

आजाद सिपाही संवाददाता

सगमा (गढ़वा)। धुरकी थाना क्षेत्र के घघरी गांव से एक चौंकाने वाली घटना सामने आयी है। यहां 21 वर्षीय अविवाहित दलित युवती ने पूरे नौ महीने गर्भ में बच्चे को रखने के बाद रविवार को एक बच्ची को जन्म दिया, लेकिन दुर्भाग्यवश बच्ची ने जन्म के तुरंत बाद दम तोड़ दिया। यह घटना इलाके में चर्चा का विषय बन गयी है और पीड़िता तथा उसका परिवार न्याय की गुहार लगा रहा है। रविवार की सुबह जब युवती को अचानक प्रसव पीड़ा हुई, तो उसके परिजन आनन-फानन में ऑटो से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) धुरकी ले जाने लगे। लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही रास्ते में उसने बच्ची को जन्म दे दिया। जन्म लेते ही बच्ची की मौत हो गयी। इसके बाद परिजन उसे सीएचसी लेकर पहुंचे, जहां ड्यूटी पर मौजूद एएनएम रेनु कुमारी ने युवती को भर्ती कर इलाज शुरू किया।

आरोपी को कड़ी सजा मिलनी चाहिए : परिजन

परिजनों का कहना है कि आरोपी ने न केवल बेटी का भविष्य बर्बाद किया, बल्कि समाज में उसका अपमान भी किया। उन्होंने मांग की है कि पीड़िता को इंसाफ मिलना चाहिए और आरोपी को कड़ी सजा दी जानी चाहिए। इस मामले को लेकर घघरी पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि अशोक राम ने कहा कि यह मामला पूरी तरह सही है और इस गरीब दलित युवती को न्याय मिलना ही चाहिए।

आवेदन के आधार पर कार्रवाई की जा रही है : थाना प्रभारी

इधर, धुरकी थाना प्रभारी जनार्दन राउत ने कहा कि पीड़िता की ओर से लिखित आवेदन प्राप्त हुई है आवेदन के आलोक में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

पीड़िता और उसके परिजनों ने आरोप लगाया है कि गांव का ही 60 वर्षीय अविवाहित अधेड़ यमुना प्रसाद जायसवाल इस घटना के लिए जिम्मेदार है। करीब एक वर्ष पूर्व उसने युवती के साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाया। विरोध करने पर आरोपी ने शादी का झांसा दिया और भरोसा दिलाया कि वह भी अविवाहित है तथा उसकी भी अभी तक शादी नहीं हुई है।

आरोपी ने कहा कि उसका कोई वारिस नहीं है, इसलिए वह युवती से विवाह कर उसे अपनी पत्नी का दर्जा देगा। इसी वादे और भरोसे पर वह युवती से लगातार संबंध बनाता रहा। लगातार यौन शोषण के कारण युवती गर्भवती हो गयी। जब उसने और उसके परिजनों ने आरोपी को गर्भधारण की जानकारी दी और शादी के लिए दबाव बनाया, तो आरोपी ने उन्हें दिलासा देते हुए कहा कि गर्भ को नष्ट मत करना, बच्चे को जन्म देना, इसके बाद मैं तुमसे विवाह कर लूंगा। इसी भरोसे पर युवती ने पूरे नौ महीने गर्भ में बच्चे को पाला। लेकिन जैसे ही बच्ची का जन्म हुआ और मामला खुलकर सामने आया, आरोपी ने युवती को अपनाने से साफ इंकार कर दिया।

झामुमो के सवाल पर मेराल भाजपा ने दी कड़ी प्रतिक्रिया

गढ़वा विधायक के प्रतिनिधि सक्रिय हैं, विधायक पर क्षेत्र की जनता गर्व करती है : डॉ लालमोहन

आजाद सिपाही संवाददाता

मेराल। विधायक सत्येंद्र नाथ तिवारी के प्रतिनिधि सक्रिय हैं ऐसे विधायक पर गढ़वा रंका विधानसभा क्षेत्र की जनता गर्व करती है, उक्त बातें रविवार को मेराल प्रखंड के विधायक प्रतिनिधि डॉ लालमोहन ने प्रेस वार्ता के दौरान कही। भाजपा नेताओं ने झामुमो के सवाल पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि मेराल प्रखंड के विधायक प्रतिनिधि घटना की जानकारी मिलते ही वहां पहुंचते हैं और समस्या का समाधान कराने का काम करते हैं। वर्तमान में कोई भी विधायक प्रतिनिधि जनता का शोषण एवं धार्मिक उन्माद फैलाने में आगे नहीं है, बल्कि यह कार्य शुरूआत से ही झामुमो के नेताओं का रहा है। जिसको जनता भली भांति जानती वह समझती है।

भाजपा नेताओं ने धीरज दुबे का नाम लिए बगैर कहा कि जिनको लोग केंद्रीय प्रवक्ता बोलते

थे, केंद्रीय प्रवक्ता के नाते सभी को संबोधित करते थे बाद में पता चला वह मीडिया पैनलिस्ट हैं। नेताओं ने झारखंड सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि सरकार वादा खिलाफी कर रही है, मंईयां सम्मान योजना के लाभुकों को पैसा देने की बजाय हजारों लाभुकों का नाम काटा जा रहा है। सरकार सिर्फ मुस्लिम त्योहार के समय कुछ अपने चहेते क्षेत्रों के लोगों को राशि डालने का कार्य करती है।

पेशका और ओखरगाडा को प्रखंड बनाने, किसानों के धान का बकाया पैसा दिलाने, प्रखंड के कई परिवार आज भी चुंआडी के पानी पीने को मजबूर है इस पर उन्हें सफाई देनी चाहिए कि इसमें किसकी नाकामी है। नेताओं ने पूर्व मंत्री के कार्यकाल में कार्यकर्ताओं से पैसे उगाही करने तथा क्षेत्र में कोई भी कारगर पेयजल की योजना का उद्घाटन नहीं करने सहित अनगिनत आरोप लगाये। प्रेस वार्ता में मंडल अध्यक्ष रूपू महतो, मनोज कुमार जायसवाल, रामाकांत गुप्ता, धनंजय चौधरी, वीरेंद्र चौधरी, रोहित कुमार शामिल थे।

मेराल में जिला अजीवका संघ की बैठक में मांग और हड़ताल पर बनी रणनीति

मेराल (आजाद सिपाही)। मेराल उच्च विद्यालय के स्टेडियम में रविवार को झारखंड राज्य आजीविका कर्मचारी संघ के बैनर तले, जेएसएलपीएस गढ़वा के स्तर 7 एवं 8 के कर्मियों की बैठक कर चल रहे सांकेतिक हड़ताल एवं आगामी अनिश्चित कालीन हड़ताल संबंधित रणनीति पर चर्चा हुई। बैठक में जिले के सभी प्रखंड के कर्मी शामिल थे, सभी ने एक स्वर में कहा की कम वेतनमान एवं अस्थायी नौकरी के कारण सबका जीवन अस्त व्यस्त हो गया है। महंगाई में बीस से बाइस हजार वेतन में घर परिवार का गुजारा करना मुस्किल हो रहा है, साथ ही नौकरी का स्थायी न होना भी चिंता को बढ़ा देता है। जेएसएलपीएस के राज्य कार्यालय से एनएमएमयू मॉडल लागू करने का आश्वासन बहुत पहले से दिया गया था, लेकिन उस पर विभाग द्वारा कोई पहल न करना हम सभी के भविष्य के साथ खिलवाड़ है। सभी का विचार सुनने के बाद संघ के जिला अध्यक्ष मुकेश पासवान ने कहा कि झारखंड के चौबीसों जिला के स्तर 7 एवं 8 के एकजुट हैं, इस बार तय समय सीमा के अंदर अगर हम लोगो की मांगे नहीं मानी जाती है तो झारखंड के हम सभी कर्मी 6 नवंबर से अनिश्चित कालीन हड़ताल करेंगे। बताया कि झारखंड के सभी स्तर 7 एवं 8 के कर्मी 9 सितंबर से ही कला बिला लगाकर काम कर रहे हैं। 18 एवं 19 सितंबर को कलम बंद हड़ताल, 24 सितंबर को प्रखंड स्तरीय धरना, 25 को जिला स्तरीय प्रदर्शन तथा 7 और 8 अक्तूबर को मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी के समक्ष धरना प्रदर्शन। 30 एवं 31 अक्तूबर को सामूहिक अवकाश पर जायेंगे।

रोटरी क्लब ऑफ गढ़वा उदय के अध्यक्ष ने सेवानिवृत शिक्षकों को किया सम्मानित

आजाद सिपाही संवाददाता

रंका। रोटरी क्लब ऑफ गढ़वा उदय के अध्यक्ष श्याम सुंदर प्रसाद (रंका) और उनकी धर्मपत्नी पूर्व मुखिया महिमा गुप्ता ने रविवार को रंका थाना मोड़ स्थित महिमा मैरेज हॉल में रंका प्रखंड क्षेत्र के सेवानिवृत्त शिक्षकों को डायरी, कलम एवं अन्य शैक्षणिक प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया है।

इनको मिला सम्मान : सम्मान पाने वाले शिक्षकों में कुलदीप ठाकुर, मुरारी राम, अवधेश मिश्रा, विजय ओझा, अशोक पांडेय, ललिता देवी, अगस्त राम, उषा देवी, रणजीत माली, रमेश प्रसाद,

रामचंद्र प्रजापति, मोहन राम, रामापांडे, समाजसेवी अमरेंद्र कुमार एवं पत्रकार बंधुओं का नाम शामिल है। इस कार्यक्रम में रोटरी क्लब ऑफ गढ़वा के रवि शंकर पांडेय एवं मनोज कुमार निराला का सराहनीय योगदान रहा।

उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए अध्यक्ष श्याम सुंदर प्रसाद ने कहा कि शिल्पकार, क्षमतावान और कल्याणकारी गुणों से युक्त व्यक्ति को शिक्षक कहा जाता है। शिक्षकों का राष्ट्रनिर्माण में अहम योगदान होता है। इन्हें सम्मानित कर मुझे गर्व हो रहा है।

मुख्य बाजार ब्लॉक मोड पर खुली नाली दुर्घटना को दे रही है दावत

आजाद सिपाही संवाददाता

मझिआंव (गढ़वा)। नगर पंचायत क्षेत्र अंतर्गत मुख्य बाजार ब्लॉक मोड़ स्थित तीन मुहान सरकारी दुकान के समीप निर्मित नाली खुले रहने से लोगों में भय और आक्रोश व्याप्त है। यह मार्ग मझिआंव प्रखंड का अत्यंत व्यस्त सड़क है। जहां से प्रतिदिन करीब एक हजार छोटी-बड़ी गाड़ियां गुजरती हैं। बावजूद इसके प्रशासन की अनदेखी से यह नाली हादसे को दावत दे रही है।

कई बार वाहन चालक और राहगीर बाल-बाल दुर्घटना से बचे हैं : स्थानीय लोगों का कहना है कि तीन मुहान सड़क का हिस्सा पहले से ही संकीर्ण है। सड़क के दोनों ओर बनी बड़ी-बड़ी इमारतों के कारण वाहनों के आवागमन में

परेशानी होती है। उस पर खुले पड़े नाली ने लोगों की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। कई बार वाहन चालक और राहगीर बाल-बाल दुर्घटना से बचे हैं। गनीमत है कि अभी तक कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ है।

नागरिकों का कहना है कि इस रास्ते से आम जनता के साथ-साथ शासन-प्रशासन के भी वाहन प्रतिदिन गुजरते हैं। लेकिन जिम्मेदार अधिकारी अब तक चुप्पी साधे हुए हैं। अगर जल्द ही नाली पर ढक्कन नहीं लगाया गया, तो किसी दिन बड़ा हादसा घट सकती है। जिससे जान-माल की भारी क्षति हो सकती है।

तुरंत कार्रवाई कर नाली पर ढक्कन डाला जाये : लोगों ने नगर पंचायत प्रशासन से मांग की है कि तुरंत कार्रवाई कर नाली पर ढक्कन डाला जाये, ताकि आम जनता सुरक्षित आवागमन कर सके और बाजार क्षेत्र की स्थिति सामान्य हो सके।

हिंदी महासागर की तरह, वैश्विक स्तर पर बढ़ रही है लोकप्रियता: एसडीएम

- समाहरणालय गढ़वा में किया गया हिंदी दिवस का आयोजन
- बोलचाल व लेखनी में हिंदी भाषा का प्रयोग अधिक से अधिक करने की लोगों से अपील

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। 14 सितंबर 2025 को अनुमंडल पदाधिकारी संजय कुमार की अध्यक्षता में हिंदी दिवस पर समाहरणालय के सभाकक्ष में संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें जिला शिक्षा पदाधिकारी समेत अन्य पदाधिकारी, कर्मचारी एवं शिक्षकगण, विद्यार्थीगण, कवि, हिंदी साहित्यकार व अन्य

उपस्थित हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ अनुमंडल पदाधिकारी एवं जिला शिक्षा पदाधिकारी समेत अन्य मंचासीन पदाधिकारियों एवं सम्मानित गणों को बुके देकर स्वागत कर किया गया। उपस्थित विभिन्न शिक्षकों द्वारा हिंदी दिवस के मौके पर संगोष्ठी में आये सभी लोगों का स्वागत करते हुए हिंदी दिवस मनाने को लेकर इसकी विशेष जानकारी दी गयी। बताया कि प्रत्येक वर्ष 14 सितंबर को हिंदी दिवस के रूप में मनाया जाता है। यह वह दिन है जिस दिन भारत की संविधान सभा द्वारा हिंदी को हमारी आधिकारिक भाषा के रूप में अपनाया गया था। काफी संघर्ष के बाद हिंदी को हमारे देश की राष्ट्रभाषा घोषित किया गया। हिंदी भाषा को 14 सितंबर 1949 को आधिकारिक भाषा के रूप में अपनाया गया था। इसके बाद 1953 में पहली बार राष्ट्रीय हिंदी दिवस के रूप में मनाया गया।

राष्ट्रीय हिंदी दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार को बढ़ावा देकर सांस्कृतिक एकता को मजबूती प्रदान करना है। हिंदी दिवस के मौके पर इसके संबंध में अपने-अपने वक्तव्य में कहा गया कि 14 सितंबर को पूरे विश्व में हिंदी दिवस के रूप में चिन्हित किया गया है। यह हमारी मातृभाषा है। हिंदी भाषा का प्रसार न सिर्फ भारत देश में, बल्कि पूरे विश्व में हुआ है। हिंदी दिवस के अवसर पर अपने संबोधन में अनुमंडल पदाधिकारी संजय कुमार ने कहा कि हिंदी एक सरल एवं विशाल भाषा है, जिसमें अरबी, उर्दू, फारसी, तुर्की, जापानी, अंग्रेजी, रशियन, चाइनीस, पुर्तगाली आदि कई भाषाओं के शब्दों का समावेश मिलता है। हिंदी को वैश्विक पटल पर और ज्यादा प्रचारित प्रसारित करने के लिए हिंदी भाषा के बोलचाल में शुद्धता बरतते हुए इसके प्रचार प्रसार करने की आवश्यकता है।

ग्रामीणों को दी गयी योजनाओं की जानकारी

आजाद सिपाही संवाददाता

रंका। रंका प्रखंड अंतर्गत कटरा पंचायत के ग्राम करीं में आदि कर्म योगी कार्यक्रम के तहत शुक्रवार को आयोजित कार्यक्रम में अनुसूचित जनजाति के लिए संचालित कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी उपस्थित ग्रामीणों को दिया गया। इस कार्यक्रम के लिए प्रखंड के 18 अनुसूचित जनजाति गांवों का चयन किया गया है। इस अवसर पर प्रखंड पंचायतीराज पदाधिकारी दिनेश कुमार ने संबोधित करते हुए कहा कि जिन गांवों में आदिवासी आबादी

अधिक है वहां विकास की मुख्य धारा से जोड़ना सरकार की प्राथमिकता की श्रेणी में है। उन्होंने उज्जवला योजना, आयुष्मान भारत, पीएम आवास,जल जीवन मिशन, स्वच्छ भारत मिशन,जन धन योजना, अबुआ आवास, मइयां सम्मान योजना, सावित्रीबाई फुले किशोरी योजना, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना आदि के बारे में विस्तृत जानकारी दी और लाभ लेने हेतु जागरूक बनने की सलाह दी। उन्होंने जनवितरण प्रणाली विक्रेता, विद्यालय शिक्षक, स्वास्थ्य कर्मियों को ईमानदारी पूर्वक अपना काम करने का अपील की।

इस मौके पर एएनएम, जलसहिया, स्वास्थ्य सहिया, जनवितरण प्रणाली विक्रेता, विद्यालय के शिक्षक सहित काफी संख्या में महिला पुरुष ग्रामीण जनता उपस्थित थे।

कंचनपुर तालाब में डूबने से युवक की मौत

बरवाडीह (आजाद सिपाही)। बरवाडीह थाना क्षेत्र के केचकी पंचायत के कंचनपुर ग्राम में तालाब में नहाने के दौरान डूब जाने से एक युवक की मौत हो गयी। मृतक की पहचान श्रीकांत सिंह उर्म 30 वर्ष पिता जवाहिर सिंह ग्राम गाड़ी पड़वा पलामू के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, श्रीकांत सिंह अपने रिश्तेदार अमेरिका सिंह के घर ग्राम कंचनपुर थाना बरवाडीह दो दिन पहले आया था। जो कि शनिवार को अमेरिका सिंह के घर के पास स्थित तालाब में नहाने के दौरान गहरे पानी में डूब गया और उसकी मौत हो गयी। वहीं ग्रामीणों की सूचना पर घटनास्थल पहुंची बरवाडीह पुलिस को शव बरामद करने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। आखिरकार रविवार को पुलिस ने उक्त युवक के शव को बरामद कर लिया। बाद में पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए लातेहार सदर अस्पताल भेज दिया।

देश-विदेश की खबरों के लिए क्लिक करें
www.azadsipahi.in

लोहरदगा में मोमिन कांफ्रेंस का महासम्मेलन संपन्न, उमड़ा जनसैलाब

अंसारी समाज ने सरकार से आबादी के हिसाब से हिस्सेदारी की रखी मांग

भाजपा आपदा के समान झारखंड में इसे ठीक करके रहूंगा : डॉ इरफान अंसारी

अंसारी समाज को शत-प्रतिशत हक दिलाने का प्रयास करूंगा : धीरज साहू

आजाद सिपाही संवाददाता

लोहरदगा। लोहरदगा सदर प्रखंड स्थित नगर भवन में रविवार को जिला मोमिन कांफ्रेंस का एक दिवसीय सम्मेलन जिलाध्यक्ष हाजी सिकंदर अंसारी की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी, राष्ट्रीय अध्यक्ष फिरोज अहमद अंसारी, कार्यकारी अध्यक्ष मंजूर अंसारी, प्रदेश अध्यक्ष आबिद अली, पूर्व राज्यसभा सांसद धीरज प्रसाद साहू, संयोजक सह प्रदेश सचिव हाजी अब्दुल जब्बार, सगीर अंसारी मुख्य रूप से उपस्थित थे। मोमिन कांफ्रेंस में उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते राष्ट्रीय अध्यक्ष फिरोज अहमद अंसारी ने कहा कि मोमिन कॉन्फ्रेंस आजादी से पहले से सक्रिय संगठन है। देश की करीब 60 फीसदी आबादी और झारखंड में 18 फीसदी आबादी अंसारी समाज की है। बावजूद, इसके समाज को उसके अनुपात में हिस्सेदारी नहीं मिलती। सम्मेलन में 15 सूत्री मांगों को प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में सूबे के स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने कहा कि, अंसारी समाज बड़ी आबादी वाला समाज है। बावजूद, इसे राजनीति में हमेशा पीछे रखा गया। उन्होंने भाजपा पर आरोप लगाते हुए कहा कि वह साजिशन समाज को दबाना चाहती है। सम्मेलन के माध्यम से सभी ने एक स्वर में मांग किया कि, आबादी के अनुपात में हिस्सेदारी मिलनी चाहिए। मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने कहा कि भाजपा आपदा है। इसे राज्य में ठीक कराकर ही रहूंगा। ये लोग राज्य में नफरत फैलाने का कार्य करते हैं। मोमिन कॉन्फ्रेंस महासम्मेलन को संबोधित करते हुए पूर्व राज्यसभा सांसद धीरज प्रसाद साहू ने कहा कि शुरू से ही अंसारी समाज अपने हक अधिकार को लेकर ठगे जा रहे हैं, मेरा प्रयास रहेगा कि अंसारी समाज को शत-प्रतिशत हक अधिकार दिलाने का कार्य सुनिश्चित हो सके। कार्यक्रम के संयोजक हाजी अब्दुल जब्बारूल अंसारी के द्वारा पंद्रह सूत्री मांग पत्र पढ़ा गया। मांग पत्र हाजी अब्दुल जब्बार के नेतृत्व मे मंत्री और केंद्रीय अध्यक्ष को सौंपा गया। कार्यक्रम में प्रदेश महासचिव मोजम्मिल अंसारी, सवारत हुसैन अंसारी, ऐनुल अंसारी, विधायक प्रतिनिधि निशित जायसवाल, कार्यकारी जिलाध्यक्ष हाजी सकील अहमद, इम्तियाज अंसारी, हातिम अंसारी, रूस्तम अंसारी, जहूर अंसारी, सेराज अंसारी, सेराज अंसारी, रौनक इकबाल, एजाज अंसारी इलियास अंसारी, जुल्फान अंसारी मोजाहिर अंसारी, हसीब अंसारी, परवेज आलम, नसीम अंसारी, अंजुमन के सदर और सेकेट्री, क्षेत्र के गणमान्य और कार्यकर्ता समेत हजारों लोग मौजूद रहे।

जस्टिस एलपीएन शाहदेव प्लस टू विद्यालय के बच्चों का वर्ष बर्बाद नहीं होने दिया जायेगा : प्रतुल शाहदेव

आजाद सिपाही संवाददाता

लातेहार। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाह देव ने जस्टिस एलपीएन शाहदेव प्लस 2 विद्यालय रोल, चंदवा के छात्रों को आश्वासन दिया है कि किसी भी एक छात्र का 1 वर्ष बर्बाद नहीं होने देंगे। ज्ञातव्य है कि प्रखंड के रोल गांव स्थित जस्टिस एलपीएन शाहदेव उत्क्रमित प्लस टू उच्च विद्यालय के 11वीं कक्षा में अध्यनरत 130 विद्यार्थियों का रिजल्ट तकनीकी कारणों से इनवेलिड कर दिया गया। अब वह 12वीं का फॉर्म नहीं भर पा रहे हैं। इस मामले पर भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने संज्ञान लिया है। उन्होंने सूबे के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को ट्वीट कर मामले पर संज्ञान लेने की बात कही है। ट्वीट में कहा है कि मेरे पिताजी एवं झारखंड मूल के उच्च न्यायालय के प्रथम न्यायाधीश सह झारखंड आंदोलनकारी जस्टिस एलपीएन शाहदेव के नाम पर

चंदवा प्रखंड के सुदूर रोल गांव में प्लस टू उच्च विद्यालय संचालित है। यहां अध्यनरत 11वीं के 130 बच्चों का रिजल्ट भाषा चयन के दौरान गलती होने से इनवैलिड हो गया है। बच्चों और अभिभावकों को पूरा वर्ष खराब होने का खतरा सता रहा है। यह आदिवासी बहुल क्षेत्र है। ऐसे में मुख्यमंत्री जी से इस मामले पर संज्ञान लेकर जैक से कार्रवाई का आग्रह किया है।

जैक अध्यक्ष और सचिव से बातचीत कर मुद्दे को सुलझाने का आग्रह किया

श्री शाहदेव ने कहा कि किसी भी कीमत पर एक भी बच्चों का वर्ष बर्बाद नहीं होने दिया जायेगा। उक्त विद्यालय मेरे पिताजी के स्मृति में संचालित है। चाहे कोई भी दरवाजा खटखटाना पड़े, बच्चों का भविष्य बर्बाद नहीं होने देंगे। उन्होंने बताया कि इस मामले पर जैक के अध्यक्ष नटवा हांसदा एवं सचिव जयंत मिश्रा से उनकी आज ही सकारात्मक बातचीत हुई है। अधिकारीद्वय ने कहा कि सोमवार को इस मामले पर रिव्यू बैठक की जायेगी। मामले का निष्पादन किया जायेगा। एक भी बच्चों का भविष्य बर्बाद नहीं होने दिया जायेगा। साइट में जो भी कमी है उसे दूर करने का भी प्रयास होगा। प्रदेश प्रवक्ता श्री शाहदेव के इस प्रयास के बाद 130 बच्चे एवं उनके अभिभावको को थोड़ा सुकून मिला है।

सड़क दुर्घटना में एक की मौत, दो घायल

आजाद सिपाही संवाददाता

सेन्हा/ लोहरदगा। सेन्हा थाना क्षेत्र अंतर्गत भड़गांव के समीप देर शाम एक भयंकर सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गयी और दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गये। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ट्रक संख्या बी आर 14 जी 9435 (बॉक्साइड ट्रक) का डीजल खत्म हो गया था जिस कारण ट्रक को चालक ने भड़गांव के समीप रास्ते के किनारे खड़ा किया था। इसी दौरान जमीर अंसारी (अरु निवासी) साप्ताहिक बाजार लरंगो से ऑटो में सवारी लेकर लौट रहा था। रात होने के कारण अचानक ऑटो खड़े बॉक्साइड ट्रक से टकरा गया। दुर्घटना में कोराम्बे निवासी स्व. नसरुद्दीन अंसारी के 48 वर्षीय पुत्र असलम अंसारी की घटनास्थल पर ही मौत हो गयी। वहीं ऑटो चालक जमीर अंसारी और जोगना निवासी अनिता देवी गंभीर रूप से घायल हो गये। घायलों को इलाज के लिए सदर अस्पताल लोहरदगा भेजा गया। सेन्हा थाना प्रभारी वारिश हुसैन ने बताया कि देर शाम भड़गांव के समीप ऑटो और बॉक्साइड ट्रक के बीच जोरदार टक्कर हुई थी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजकर मामले की जांच में जुट गयी है।

चंदवा में रिम्स 2 बनाने की मांग

मुकेश कुमार सिंह

चंदवा। चंदवा पंचायत समिति सदस्य अयूब खान ने माननीय मुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री को एक्स हैंडल पर पोस्ट कर रांची के नगड़ी में प्रस्तावित रिम्स 2 का निर्माण चंदवा प्रखंड में कराने की आग्रह किया है। मुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री को एक्स हैंडल पर पोस्ट किये गये मांग पत्र में कहा है कि रांची जिला के नगड़ी में प्रस्तावित रिम्स 2 का निर्माण चंदवा प्रखंड में कराने के विषय की ओर आपका ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं, रांची के नगड़ी में प्रस्तावित रिम्स 2 को लेकर भूमि विवाद गहरा गया है, ऐसे में लातेहार जिले की चंदवा प्रखंड में नगड़ी के प्रस्तावित रिम्स 2 की निर्माण आसानी से और जल्द ही शुरू किया जा सकता है। वर्तमान में रिम्स की स्वास्थ्य व्यवस्था पर बढ़ते बोझ को कम करने और संपूर्ण पलामू प्रमंडल एवं चतरा, लोहरदगा के लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए यह अत्यंत आवश्यक है कि रिम्स 2 की निर्माण लातेहार जिले की चंदवा प्रखंड में की जाये। रांची स्थित रिम्स पर अत्यधिक मरीजों का भार है, जिसका एक बड़ा कारण संपूर्ण पलामू प्रमंडल और इसके आसपास के जिलों चतरा, लोहरदगा से आने वाले मरीज हैं। गढ़वा से रिम्स रांची 213 किमी, रिम्स जाने में समय करीब साढ़े चार घंटा, डाल्टेनगंज से रिम्स 165 किमी जाने में साढ़े तीन घंटा, लातेहार से रिम्स 102 किमी, जाने में समय ढ़ाई घंटा, चंदवा से रिम्स 75 किमी जाने में समय दो घंटा, चतरा से रिम्स 143 किमी जाने में समय साढ़े तीन घंटा जाने में समय लगता है, पलामू प्रमंडल से रिम्स (रांची) की दूरी दो सौ से अधिक किलोमीटर की पर है। इन शहरों के मरीजों को चंदवा प्रखंड से चिकित्सा सुविधाएं आसानी से मिल सकती हैं। चंदवा प्रखंड में पर्याप्त मात्रा में सरकारी भूमि (जीएम लैंड) की जमीन उपलब्ध है, जिससे परियोजना को तेजी से किर्यान्वित किया जा सकता है। मांग करने वालों में पंचायत समिति सदस्य सह चतरा लोकसभा क्षेत्र से प्रत्याशी रहे अयुब खान, मकबुल खान, तैयब मियां, जीशान खान, टीपू खान, परवेज खान, हसीब खान, लालधारी महली, इमरान खान, फिरदौस खान समेत कई लोग शामिल हैं।

बंडा में वज्रपात की चपेट में आने से युवक की मौत

भंडरा/ लोहरदगा (आजाद सिपाही)। लोहरदगा जिले के भंडरा थाना क्षेत्र के ग्राम बंडा निवासी मिन्हाज मिरदाहा उम्र 30 वर्ष पिता ऐनुल मिरदाहा अपने खेत मे काम कर रहे थे, इस दौरान अचानक वज्रपात हुआ। वज्रपात के चपेट मे आकर मिन्हाज खेत मे ही दम तोड़ दिया। मृतक ने अपने पीछे पत्नी एक पुत्र एक पुत्री एवं भरा-पूरा परिवार छोड़ गये। जिससे पूरे भंडरा प्रखंड में शोक की लहर दौड़ पड़ा मृतक के परिजनों ने प्रशासन से आर्थिक सहयोग की मांग करते हैं। खबर सुनते ही भंडरा प्रखंड के सदर आफताब आलम ने अपने सहयोगियों के साथ घर पर पहुंचे और पूरे परिवार को ढांढस बांधते हुए सभी तरह के सरकारी पारिवारिक लाभ दिलाने का आश्वासन दिए और परिवार के लोगों को प्रखंड कमेटी हर सुख दुख मे साथ देने का भी वादा किया।

पुत्रों की दीर्घायु के लिए महिलाओं ने जीवित्पुत्रिका का निर्जला व्रत रखा

लोहरदगा (आजाद सिपाही)। लोहरदगा मे पुत्र के दीर्घायु, अमरत्व और आरोग्य की कामना को ले महिलाओं ने रविवार को जीवित्पुत्रिका व्रत रखा। सुबह से निर्जला रह माताएं नदी, तालाब समेत अन्य जल स्त्रोतों में स्नान कर मंदिरों में और घरों पर विशेष पूजा अर्चना की। रविवार को जिउतिया व्रत की कथा का श्रवण कर पुत्र के दीर्घायु होने और घर में सुख-समृद्ध की कामना की। व्रती महिलाओं ने जीमूतवाहन व चील कौवा की कथा को भी सुना। लोहरदगा मे हटिया गार्डन स्थित काली मंदिर, गुदरी बाजार स्थित ठाकुरबारी मंदिर, वीर शिवाजी चौक दुर्गा मंदिर, तिवारी दूर जगन्नाथ मंदिर सहित अन्य स्थानों पर व्रती महिलाओं की भीड़ लगी रही। आचार्य देवेंद्र पाठक ने बताया कि इस व्रत का पौराणिक महत्व काफी गहरा है. पौराणिक कथाओं के अनुसार, जीमूतवाहन नामक एक राजा ने अपने प्रजा और नागों की रक्षा के लिए अपना जीवन बलिदान कर दिया था. उनके इस बलिदान की याद में माताएं इस व्रत को करती हैं ताकि उनकी संतानें हर संकट से सुरक्षित रहें. इस व्रत से संतान को दीघार्यु और समृद्धि की प्राप्ति होती है. जितिया व्रत से संतान की उम्र लंबी होती है साथ ही पुत्र के जीवन को दीर्घायु भी बनाता है। ये व्रत करने वालों के घर में सुख, समृद्धि की प्राप्ति होती है।

जब तक जमीन त्रुटि से संबंधित सुधार नहीं होगा, कंपनी के कार्यों का बहिष्कार किया जायेगा : ग्राम प्रधान

चंदवा (आजाद सिपाही)। चंदवा पंचायत भवन बारी में ग्राम प्रधान रोबिन उरांव की अध्यक्षता में बन्हार्दी कॉल ब्लौक विस्थापित रयत्तों की बैठक की गयी। जिसका संचालन लाल जन्मज्य नाथ शाहदेव एवं बेलाल अहमद के द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। पिछले बैठक में लिए गये निर्णय अंचलाधिकारी से मिल कर बनहर्दी कॉल ब्लौक में रैयतों का जमीन त्रुटि से सम्बन्धित सुधार के लिए ऑगत कराना एवं निदान के लिए परामर्श करना, जिसे गत शनिवार को अंचलाधिकारी से मिलने के उपरांत आम सभा में उपस्तिथ सभी रैयतों को अंचलाधिकारी द्वारा बताये गये सभी बातों को विस्तार पूर्वक बताया गया। अंचल अधिकारी की बातों पर एवं उनके आश्वाशन पर रैयतों की जमीन त्रुटि पर सुधार के लिए किरण की उम्मीद जगी है। सर्व समिति से निर्णय लिया गया की कॉल ब्लौक में विस्थापित हो रहे सभी रैयतों का जमीन से संबंधित सभी प्रकार का त्रुटि सूची तैयार करना और सभी का परिवारीक सूची तैयार करने पर सर्व समिति से निर्णय लिया गया। सर्व समिति से यह भी निर्णय लिया गया की जब तक सभी रैयतों का जमीन त्रुटि से सम्बन्धित सुधार नही किया जाता तब तक किसी भी प्रकार का कम्पनी के कार्यों का बहिष्कार किया जायेगा। उपस्थित सभी रैयतों के द्वारा अंचल कार्यालय जिला कार्यालय एवं उपायुक्त से मांग की गयी कि इस जटिल मुद्दे को विशेष ध्यान रखते हुए जमीन से संबंधित गड़बड़ी को अविलंब सुधार किया जाये। मौके पर हाजी हाशिम, हाजी समीद अहमद अंसारी, महेश मोची, अरुण राम, सुरेश उरांव, राजू उरांव, रमेश उरांव, तेतर मोची, अयूब अंसारी, नेजाम मियां, सेराज अंसारी, गजेंद्र राम, संतोष राम, जीतेन्द्र उरांव, हनीफ मियां समेत कई लोग उपस्थित रहे।

प्रमुख पर 15वीं वित्त की राशि के दुरुपयोग का आरोप

आजाद सिपाही संवाददाता

लातेहार। लातेहार जिला के मनिका प्रखण्ड के पंचायत समिति सदस्यों ने उप विकास आयुक्त लातेहार, जिला पंचायती राज पदाधिकारी लातेहार एवं अनुमंडल पदाधिकारी लातेहार से लिखित आवेदन देकर प्रमुख प्रतिमा सिंह पर भ्रष्टाचार एवं शौतेला व्यवहार करने का आरोप लगाया है। पंचायत समिति सदस्यों ने आरोप लगाते हुए कहा कि अनुमंडल पदाधिकारी लातेहार के पत्रांक-468सी, दिनांक- 03/07/2025 के माध्यम से प्रखंड कार्यालय को निर्देश दिया गया है कि प्रत्येक बैठक का रजिस्टर उसी दिन बंद किया जाये, परंतु आदेश का अनुपालन नहीं किया जा रहा है। साथ ही पूर्व के बैठकों में पारित किए गये प्रस्तावों पर कोई भी निर्णय नहीं लिया जा रहा है। पंचायत समिति मद के 15 वें वित्त के राशि का दुरूपयोग तत्कालिन प्रखंड विकास पदाधिकारी मनोज कुमार तिवारी एवं प्रमुख के मिलिभगत से किया गया है। प्रखंड के 3-4 पंचायतों में अधिक राशि खर्च किया गया है एवं बाकी के पंचायतों में नाम मात्र का कार्य किया गया है। जिससे पता चलता है कि पंचायत समिति मद में भारी पैपाने पर भ्रष्टाचार किया गया है। उन्होंने अनुमंडल पदाधिकारी से आवेदन के माध्यम से निवेदन करते हुए जिला से कार्यकारिणी बैठक हेतू एक पदाधिकारी को नियुक्त करने, जिस तिथि को बैठक किया जाये उसी दिन रजिस्टर को बंद करते हुए पारित योजनाओं को इ-ग्रामस्वराज पोर्टल पर अपलोड करने एवं पुर्व में पंचायत समिति के सभी कार्यों को जांच कराते हुए संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मचारियों पर नियम संगत कार्रवाई करने की मांग की है।

पंचायत समिति सदस्यों ने लगाया आरोप

पंसस विकास कुमार तिवारी ने कहा कि तत्कालिन प्रखंड विकास पदाधिकारी विकास कुमार तिवारी एवं प्रमुख प्रतिमा सिंह के द्वारा पंचायत समिति मद के 15 वें वित्त के राशि का दुरूपयोग भारी पैमाने पर किया गया है। जिसकी जांच कर संबंधित पदाधिकारी एव कर्मचारी पर कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि वर्तमान प्रखण्ड विकास पदाधिकारी संदीप कुमार के द्वारा कोई जानकारी मांगने पर उनके द्वारा 4 महीने के बाद जानकारी उपलब्ध काराया जाता है। कई ऐसे पंचायत है जहां योजना तक नहीं खुला है। पंसस प्रमोद राम ने कहा कि हमेशा से हमलोग के साथ सौतेला व्यवहार किया जा रहा है। पंसस की बैठक बुलाया तो जाता है परंतू कोई पहल नहीं किया जाता है। प्रमुख बैठक को छोड़कर बीच में ही चली जाती है, जिसके कारण योजनाओं के बारे में कोई चर्चा नहीं हो पाता है। प्रमुख के द्वारा सिर्फ अपना मनमानी किया जाता है। पंसस धर्मेन्द्र कुमार, शुषमा देवी, महेन्द्र सिंह, निर्मला देवी, उषा देवी, नन्देव सिंह ने कहा कि यदि कोई भी कार्य पारदर्शिता के साथ एवं न्यायसंगत तरिके से नहीं होती है, तो बाध्य होकर भुख हड़ताल करते हुए राज्य सरकार तक बात रखी जायेगी।

प्रमुख ने मामले को निराधार बताया

वही इस मामले को लेकर मनिका प्रखंड प्रमुख प्रतिमा देवी से दूरभाष पर संपर्क करने पर उन्होंने कहा कि मामला निराधार है। जहां तक योजना की बात है तो पंचायत समिति सदस्य योजना करा सकते हैं, जिन पंचायत समिति के द्वारा मेरे ऊपर आरोप लगाया जा रहा है, वे खुद ही ससमय बैठक में भाग नही लेते हैं। जबकि चिट्ठी के माध्यम से भी उन्हें बैठक में भाग लेने हेतु सूचना दी जाती है। आरोप प्रत्यारोप लागाने से प्रखंड का विकास नहीं होगा साथ में मिलकर काम करने की जारूत है।

पांच दिवसीय मनी एवं खस्सी प्राइज फुटबॉल प्रतियोगिता का समापन

सेन्हा/ लोहरदगा (आजाद सिपाही)। प्रखंड क्षेत्र के सेरेंगहातु तोड़ार पंचायत अंतर्गत बरही चटकपुर मैदान में आयोजित पांच दिवसीय मनी एवं खस्सी प्राइज फुटबॉल प्रतियोगिता का 10 सितंबर को भव्य समापन हुआ। प्रतियोगिता का उद्घाटन बिहार प्रांत अंतर्गत सीआरपीएफ के डीआइजी रविन्द्र भगत, मुखिया शोभा देवी, पूर्व जिप सदस्य रामलखन प्रसाद, पूर्व मुखिया सुखदेव उरांव सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने किया। उद्घाटन के दौरान राष्ट्रीय गान गाया गया तथा खिलाड़ियों का स्वागत कर परिचय प्राप्त किया गया। मुख्य अतिथि सीआरपीएफ डीआइजी रविन्द्र भगत ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेलों के माध्यम से न केवल स्वास्थ्य और अनुशासन का विकास होता है, बल्कि यह करियर बनाने का भी सुनहरा अवसर प्रदान करता है। मेहनत और लगन से वे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन कर सकते हैं। पूर्व जिप सदस्य रामलखन प्रसाद ने अपने वक्तव्य में कहा कि खेल से आपस में भाईचारा बढ़ता है और टीम भावना का विकास होता है। साथ ही कहा कि नशा मुक्त समाज के निर्माण में खिलाड़ी महत्वपूर्ण भागीदारी निभाये। उन्होंने 'नशा छोड़ो, फुटबॉल खेलो' का नारा देकर युवाओं व खिलाड़ियों का हौसला अफजाई की। प्रतियोगिता में बालिका वर्ग के फाइनल में अंग वारियर्स कुडू और फुटबॉल क्लब मन्हो के बीच मुकाबला हुआ। पेनाल्टी शूटआउट में फुटबॉल क्लब मन्हो ने अंग वारियर्स कुडू को पराजित कर विजेता बनी। वहीं बालक वर्ग में डीसीएन लोहरदगा और यंग वारियर्स के बीच कड़ा मुकाबला हुआ, जिसमें डीसीएन लोहरदगा ने यंग वारियर्स को 2-0 से हराकर ट्रॉफी अपने नाम की। मुख्य अतिथि और अन्य विशिष्ट अतिथियों ने विजेता और उपविजेता टीमों को मनी पुरस्कार एवं खस्सी प्रदान कर सम्मानित किया। आयोजन कमिटी के अध्यक्ष शक्ति साहु, परमानंद महतो, महावीर साहू, अमर भगत, आकाश साहू, फूलदेव भगत समेत सैकड़ों खेलप्रेमी उपस्थित रहे और कार्यक्रम की सफलता पर हर्ष व्यक्त किया।

22 को श्रीरामचरितमानस नवाह्न परायण पाठ महायज्ञ का होगा आयोजन

लोहरदगा (आजाद सिपाही)। लोहरदगा के ठाकुरबाड़ी मंदिर परिसर में शनिवार शाम श्रीरामचरितमानस नवाह्न परायण पाठ महायज्ञ समिति की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता उपाध्यक्ष परमेश्वर साहू ने की। निर्णय लिया गया कि इस वर्ष भी महायज्ञ को परंपरा के अनुरूप धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया जायेगा। महायज्ञ का शुभारंभ नवरात्र के प्रथम दिन, 22 सितंबर को कलश स्थापना के साथ होगा। इसी दिन सुबह 7:30 बजे पावरगंज देवी मंडप से भव्य कलश शोभायात्रा निकाली जायेगी। यह शोभायात्रा लोहरदगा केंद्रीय दुर्गा पूजा समिति के नेतृत्व में पारंपरिक और आधुनिक ढोल-नगाड़ों के साथ रथ पर सुशोभित कलश के माध्यम से निकलेगी। नवरात्रि के दौरान वृंदावन से आयी प्रसिद्ध कथावाचक साध्वी कुमारी शिवांजलि अपने पांच सहयोगियों के साथ नौ दिनों तक रात्रि में भजन, कीर्तन एवं प्रवचन प्रस्तुत करेंगी। इसके अतिरिक्त व्यास श्री इंद्र शंकर झा अपने नौ सहयोगियों के साथ संगीतमय रामचरितमानस पाठ करेंगे, जिससे वातावरण पूर्ण रूप से भक्तिमय बन जायेगा। बैठक का संचालन समिति के सचिव अजय मित्तल ने किया। कार्यक्रम में ओम प्रकाश सिंह, अशोक पोद्दार, अजय मित्तल, अनिल गुप्ता, मुरलीधर अग्रवाल, दीपक सर्राफ सहित कई सदस्य उपस्थित थे।

शिक्षक विद्यालय में और अभिभावक घर में पढ़ाई का माहौल बनायें : डीसी

सीएम उत्कृष्ट जिला कस्तूरबा बालिका उच्च विद्यालय में शिक्षक-अभिभावक दिवस के आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

लोहरदगा। सीएम उत्कृष्ट जिला कस्तूरबा बालिका उच्च विद्यालय में शिक्षक-अभिभावक दिवस के आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपायुक्त डॉ ताराचंद ने कहा कि विद्यालय शिक्षा का मंदिर है और छात्र-छात्राएं देश के भविष्य होते हैं। एक शिक्षक को अपने विद्यालय में एयर माता-पिता, अभिभावकों को अपने घर मे पढ़ाई का माहौल तैयार करना चाहिए। कोई भी माता-पिता अपने बच्चों के परीक्षा परिणाम की तुलना अन्य बच्चों से ना करे और ना ही रिजल्ट को लेकर अनावश्यक दबाव बनाए। 10वीं बोर्ड की परीक्षा के बाद भी बच्चे मेहनत कर अपनी पढ़ाई बेहतर कर अपना करियर बना रहे हैं।कोई भी अभिभावक समाज के दूसरे बच्चों से तुलना कर अपने बच्चे को हतोत्साहित ना करें बल्कि उसे थोड़ी आजादी दें। ताकि आपका बच्चा अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सके । एक बच्चे के लिए पहला गुरु उसके माता-पिता ही होते हैं। पहले के समय मे आज सरकारी विद्यालयों में सुविधाएं बढ़ी हैं। बच्चे बेहतर कर रहे हैं। उपायुक्त ने कहा कि प्रत्येक महीने शिक्षक-अभिभावक बैठक हो। इससे बच्चों में किसी प्रकार की कमी का पता चल सकेगा और उस कमी को दूर किया जा सकेगा। कार्यक्रम के अंत में उपायुक्त ने इस आयोजन के लिए सभी शिक्षकों और अभिभावकों की सराहना की। कार्यक्रम में जिला शिक्षा पदाधिकारी दास सुनंदा चंद्रमौलेश्वर, शिक्षक गण, अभिभावकगण और छात्राएं उपस्थित थे।

भंडरा में जिउतिया हर्षोल्लास से मना

भंडरा/लोहरदगा (आजाद सिपाही)। अश्विन मास की कृष्ण अष्टमी तिथि पर रविवार को भंडरा प्रखण्ड में श्रद्धा और भक्ति भाव से जीवित्पुत्रिका व्रत (जिउतिया) मनाया गया। माताओं ने अपने संतान के दीघार्यु और सुख-समृद्धि की कामना के लिए कठोर निर्जला उपवास रखा। व्रती माताओं ने जीमूतवाहन सहित भगवान शंकर-पार्वती, कार्तिक एवं गणेश की विधिपूर्वक पूजा-अर्चना की। पूजा के दौरान चिल्हो सियारो की कथा का श्रवण भी किया गया। पौराणिक कथानुसार, यह व्रत संतान पर आनेवाले संकट को टालने तथा उनकी सुरक्षा हेतु रखा जाता है। शास्त्रों के अनुसार, खड़ जिउतिया व्रती माताओं के संतान की रक्षा स्वयं भगवान श्रीकृष्ण करते हैं। नवमी तिथि को विधिपूर्वक पारण करने के पश्चात, मां संतान दोनों पूजित जिउतिया धागा गले में धारण करते हैं। जिउतिया पर्व केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि मातृत्व के त्याग, धैर्य और सामूहिक एकता की प्रतीक है।

चार साइबर ठग गिरफ्तार

देवघर (आजाद सिपाही)। साइबर थाने की पुलिस ने मोहनपुर प्रखंड के चोपा जंगल में छापामारी कर चार साइबर ठगों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से छह मोबाइल और पांच सिम बरामद हुआ है। उनकी पहचान अभय कुमार दास (जमुनी, जसीडीह), मुकेश कुमार (पिपरासोल, सोनारायठाढी), तारकेश्वर मंडल उर्फ बालो (खपचुआं, सोनारायठाढी) और दीपक कुमार (लतासारे, मोहनपुर) के रूप में हुई है। डीआइजी सह एसपी अजीत पीटर डुंगडुंग ने बताया कि गिरफ्तार ठग बैंक कस्टमर को वहाट्सएप के जरिए फ्रॉड लिंक भेजकर उनके खाते में पैसे निकाल लेते थे। वहीं, फर्जी फोन-पे, पेटीएम कस्टमर केयर अधिकारी बन उपभोक्ताओं को कैशबैक का झांसा देकर ठगते थे।

मोहम्मदगंज में विवाहिता की संदिग्ध परिस्थिति में हुई मौत, पति गिरफ्तार

मृतका के भाई ने जीजा पर गला दबाकर हत्या करने का लगाया आरोप

आजाद सिपाही संवाददाता

हुसैनाबाद। मोहम्मदगंज थाना क्षेत्र के बरडंडा गांव स्थित नावाडीह टोला में रविवार को 40 वर्षीय एक विवाहित महिला की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो जाने का मामला सामने आया है। मृतका की पहचान इंदु देवी (40) के रूप में हुई है। इसकी सूचना मिलते ही थाना प्रभारी नारायण सोरेन के निर्देश पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए हुसैनाबाद अनुमंडलीय अस्पताल भेज दिया। थाना प्रभारी ने बताया कि मृतका के भाई बिहार के रोहतास जिले के दरीहट निवासी पिंटू पाल की लिखित शिकायत पर मृतका के पति मिथिलेश पाल को गिरफ्तार कर दिया है। पिंटू ने आरोप लगाया है कि उसके जीजा मिथिलेस ने ही गला दबाकर उसकी बहन इंदु की हत्या की है।

देवघर में सेवा पखवाड़ा की शुरुआत 16 से, शामिल होंगे राज्यपाल संतोष गंगवार

सांसद डॉ निशिकांत दुबे ने अपने फेसबुक अकाउंट-ट्वीटर के जरिए दी जानकारी, किया आमंत्रित

आजाद सिपाही संवाददाता

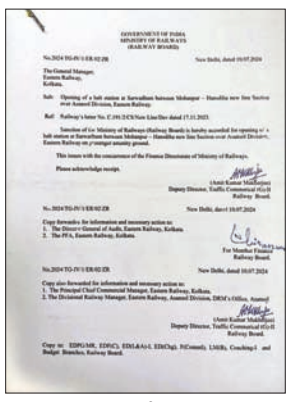

देवघर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिवस की पूर्व संध्या 16 सितंबर को देवघर में कई महत्वपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगें। इस अवसर पर देवघर एम्स में सेवा पखवाड़ा की शुरूआत होगी, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में राज्यपाल संतोष गंगवार शामिल होंगे। गोड्डा सांसद डॉ निशिकांत दुबे ने अपने फेसबुक अकाउंट और ट्वीट के माध्यम से इसकी जानकारी साझा करते हुए आम जनता को कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की है। कार्यक्रम के तहत 10 बच्चों को पढ़ाई के साथ रोजगार से जोड़ने की पहल की जाएगी। यह योजना डिक्सन कंपनी और सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क ऑफ इंडिया (एसटीपीआइ) के सहयोग से लागू की जा रही है। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे और बच्चों के सपनों को साकार करने की दिशा में इस योजना का शुभारंभ करेंगे। इसी दिन सरैयाहाट में सर्वाधाम हॉल्ट स्टेशन का शिलान्यास भी किया जाएगा, जिससे क्षेत्रीय लोगों को यातायात की बड़ी सुविधा मिलने की उम्मीद है। सांसद निशिकांत दुबे ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिवस पर सेवा कार्यों और विकास योजनाओं का शुभारंभ जनता के लिए एक तोहफा है। कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्रियों, सांसदों, राज्यपाल और अन्य वरिष्ठ पदाधिकारियों की मौजूदगी तय है।

हरिहरगंज पहुंचे भाजपा संगठन मंत्री बैठक कर कार्यकर्ताओं को दिये निर्देश

हरिहरगंज/पलामू (आजाद सिपाही)। बिहार से लौटने के क्रम में भाजपा के संगठन मंत्री कर्मवीर सिंह ने रविवार को हरिहरगंज थाना स्थित आरबी पैलेस होटल में पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ मुलाकात की। इस दौरान कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर कई दिशा निर्देश भी दिया। कहा कि आने वाले दिनों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, पूर्व प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री और राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती मनायी जाएगी। इसी संदर्भ में उन्होंने भाजपा की ओर से चलाये जाने वाले सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम की भी जानकारी दी। बताया कि सेवा पखवाड़ा के तहत स्वच्छता अभियान, मूर्ति सफाई, रक्तदान, स्वदेशी वस्तुओं का प्रचार प्रसार और स्वालंबी भारत जैसे कई कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगें। उन्होंने कार्यकर्ताओं से इन कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए सक्रिय रूप से सहभागिता निभाने का आह्वान किया। मौके पर प्रखंड अध्यक्ष बल्लू बलराम, मुन्ना विश्वकर्मा, लखन साव, मनीष सिंह, अजय सिंह, सनी गुप्ता, चंदन प्रजापति, अमित कुमार, करण राजवीर, अमित गिरी, अंकित सौंडिक और चंदन जायसवाल आदि उपस्थित थे।

झामुमो किसान मोर्चा जिला कमेटी की बैठक में विभिन्न मुद्दों पर हुई चर्चा

मधुपुर (आजाद सिपाही)। शहर के पत्थरचप्टी रोड स्थित झारखंड सरकार के अल्पसंख्यक कल्याण सह जल संसाधन मंत्री हफीजुल हसन अंसारी के आवास के समीप झामुमो कार्यालय में बैठक आयोजित हुई। जिसकी अध्यक्षता किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष भागीरथ गोस्वामी ने किया। इसमें झामुम के जिला अध्यक्ष संजय शर्मा मुख्य रूप से उपस्थित रहे। बैठक में किसान मोर्चा के विस्तार पर चर्चा की गई। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष संजय शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार किसानों के लिए कई लाभकारी योजनाएं चल रही है जिन्हें जन-जन तक जनता तक पहुंचाने का कार्य संगठन करेगी। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन द्वारा किसानों के हित में चलाई जा रही योजनाओं से प्रभावित होकर बड़ी संख्या में लोग किसान मोर्चा से जुड़ रहे हैं। पार्टी के कार्यकर्ताओं ने भी संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प लिया है। इस मौके पर नगर अध्यक्ष अल्ताफ हुसैन उर्फ बीके, अबू तालिब अंसारी, प्रकाश मंडल, दिनेश्वर किस्कू, मीडिया प्रभारी समीर आलम आदि उपस्थित थे।

संत मरियम स्कूल के बस चालकों के लिए कार्यशाला का हुआ आयोजन

मेदिनीनगर (आजाद सिपाही)। संत मरियम स्कूल के बस चालकों एवं सह-चालकों के लिए स्थानीय नगर भवन में कार्यशाला का आयोजन हुआ। जिसमें महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड के प्रशिक्षकों ने भाग लिया और बस से जुड़ी नई तकनीकों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य स्कूल बस स्टाफ को नवीनतम सुरक्षा प्रोटोकॉल और तकनीकी उन्नयन से अवगत कराना था। इस मौके पर स्कूल प्राचार्य कुमार आदर्श ने कहा कि बच्चों की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस तरह की कार्यशालाएं नियमित रूप से आयोजित की जाती है, ताकि स्कूल बस स्टाफ की कार्यकुशलता और सुरक्षा मानकों को बेहतर बनाया जा सके। इसमें बस प्रबंधक जितेंद्र सिंह और राजेश राय सहित सभी बस चालक एवं सह-चालक उपस्थित थे।

पांच महीने से नहीं मिली मजदूरी, मजदूरों का प्रदर्शन

हरिहरगंज/पलामू (आजाद सिपाही)। राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) 139 फोरलेन निर्माण कार्य में लगी शिवालया कंस्ट्रक्शन कंपनी के विरुद्ध शनिवार को दर्जनों मजदूरों ने हरिहरगंज प्रखंड अंतर्गत सुलतानी गांव के समीप कंपनी के गेट पर धरना-प्रदर्शन किया। मजदूरों का आरोप है कि उन्हें पिछले पांच माह से मजदूरी नहीं मिली है, जिससे उनकी माली हालत काफी खराब हो गयी है। बताया कि वे सभी फोरलेन निर्माण के स्ट्रक्चर कार्य में लगे हैं। कुल 70 मजदूरों की मजदूरी शिवालया कंपनी के पास लंबित है। वहीं, कंपनी के पेटीदार संवेदकों ने भी मजदूरों का समर्थन किया। मजदूरों ने कहा कि पर्व-त्योहार का समय है। मजदूरी नहीं मिलने से घर चलाना मुश्किल हो गया है। इस मौके पर संवेदक वीरेंद्र विश्वकर्मा, हिमांशु कुमार, महेंद्र विश्वकर्मा, अजय दुबे, अमेश यादव के अलावे जितेंद्र भुइंया, हरिहर पासवान, उदय विश्वकर्मा, जितेंद्र पाठक, विकास पासवान, मदन विश्वकर्मा, गिरजा भुइंया, धर्मेंद्र भुइंया, गुप्तेश्वर शर्मा, मनोज कुमार, संजय भुइंया, रहेंद्र भुइंया, अजय सिंह आदि मौजूद थे। उधर, शिवालया कंपनी के सीनियर प्रोजेक्ट मैनेजर ज्ञान प्रकाश शुक्ला ने बताया कि बुधवार को सभी मजदूरों की मजदूरी का भुगतान कर दिया जाएगा।

कोयल रिवर फ्रंट एसोसिएशन का चुनाव संपन्न आनंद कुमार अध्यक्ष और राजेंद्र राम बने सचिव

कोयल रिवर फ्रंट के विकास की जिम्मेदारी संगठन की : अरुणा

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। प्रथम महापौर अरुणा शंकर के नेतृत्व में कोयल रिवर फ्रंट दुकानदार एसोसिएसन का चुनाव संपन्न हुआ। सभी लोगों ने सर्वसम्मति से आनंद कुमार को अध्यक्ष, राजेंद्र राम को सचिव एवं अभिषेक कुमार गुप्ता को कोषाध्यक्ष के रूप में चुना। इस अवसर पर अध्यक्ष आनंद कुमार ने बताया कि हम सभी व्यवसाई मिलकर एक-दो दिनों के अंदर 21 सदस्य कमेटी बनाकर विधिवत इसकी घोषणा करेंगे। वहीं, प्रथम महापौर ने चुने हुए पदाधिकारी को बधाई दी। कहा कि शहर की धरोहर आप सभी की अमानत है। अब आप लोग इसकी देखरेख करें, ताकि कोयल रिवर फ्रंट की खूबसूरती के साथ यहां के व्यवसाईयों के रोजगार में तरक्की हो। प्रथम महापौर ने कहा कि रात की रखवाली के लिए आप सब दो प्रहरी रखें। एक का पैसा मैं दूंगी, जबकि दूसरे का आप सब मिलकर देना। ऐसा कर कोयल रिवर फ्रंट और अपने प्रतिष्ठानों को को सुरक्षित रखें। कहा कि मैंने एक बार फिर से पूरी लाइट लगवा दी है। कहीं कमी होगी तो संगठन बताये। मैं निजी खर्च से पूरा काम करूंगी। वहीं, अध्यक्ष आनंद ने कहा कि अरुणा दीदी ने मुझे और मेरे संगठन को कोयल रिवर फ्रंट को सजाने और सुरक्षित रखने का दायित्व दिया है, जिसे पूरी इमानदारी से निभाउंगा। चुनाव के दौरान अनूप मोदी, अमित वर्मा, दीपक कुमार, अभिषेक कुमार, फेकन साव, प्रकाश कुमार, किशोर कुमार, सरजू साहू, ललन पासवान, बबलू कुमार, बिट्टू तिवारी, दीपक कुमार, कृष्ण प्रकाश, अमलेश कुमार, छोटेलाल राम, बहादुर थापा, अरविंद कुमार, जीतू कुमार, मुरारी प्रसाद, श्याम बिहारी, रोशन कुमार, शुभम कुमार, चंदन कुमार गुप्ता आदि उपस्थित थे।

गढ़वा रोड जंक्शन पर फुट ओवर ब्रिज का निर्माण जल्द

- स्वीकृति प्रक्रिया अंतिम चरण में, रेल प्रबंधक ने दी जानकारी

आजाद सिपाही संवाददाता

विश्रामपुर/पलामू। गढ़वा रोड जंक्शन पर बहुप्रतीक्षित फुट ओवर ब्रिज का निर्माण जल्द शुरू होने की उम्मीद है। इसकी विभागीय स्वीकृति की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। इस आशय की जानकारी पूर्व मध्य रेल मंडल धनबाद के रेल प्रबंधक अखिलेश मिश्रा ने दी है। बतातें चलें कि फूट ओवर ब्रिज के निर्माण की मांग को लेकर खैरा विकास मंच के अध्यक्ष ललन प्रसाद पांडेय पिछले कई वर्षों से संघर्षरत थे। इसको लेकर उन्होंने सांकेतिक अनशन भी किया था। इस संबंध में वे पूर्व रेल मंडल के रेल प्रबंधक अखिलेश मिश्रा से धनबाद जाकर उन्हें ज्ञापन भी सौंपा था। तब रेल प्रबंधक ने ललन प्रसाद पांडेय को आश्वस्त किया था कि उनकी मांग के प्रति वे खुद भी गंभीर है। फूट ओवर ब्रिज निर्माण कार्य योजना के स्वीकृति के लिये प्रयासरत हैं। ललन प्रसाद पांडेय पिछले दिनों दोबारा फिर उनसे धनबाद कार्यालय जाकर मिले तो रेल प्रबंधक अखिलेश मिश्रा ने उन्हें बताया कि फूट ओवर ब्रिज निर्माण स्वीकृति की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। योजना की स्वीकृति मिलते ही निर्माण कार्य शुरू हो जायेगा। बताते चलें कि गढ़वा रोड जंक्शन (रेहला स्टेशन) मॉडल स्टेशन घोषित है। इस स्टेशन पर एक बाईपास फूट ओवर ब्रिज की अति आवश्यकता है। जिसकी मांग वर्षों से हो रही है। क्योंकि रेलवे ट्रैक रेहला शहर के बीचों बीच से गुजरा है। जिस कारण रेहला शहर दो भागों में विभक्त हो गया है। जिसके चलते रेल यात्रियों एवं आम जनों को काफी परेशानी होती है।

जपला रेलवे परिसर में वैदिक तारा मंडल मंदिर के स्वरूप का बन रहा पूजा पंडाल

पश्चिम बंगाल के कारीगर पंडाल निर्माण में रात-दिन जुटे

हुसैनाबाद (आजाद सिपाही)। शारदीय नवरात्र को लेकर तैयारियां जोरों पर है। हुसैनाबाद शहर में भी एक से बढ़कर एक पूजा पंडालों का निर्माण हो रहा है। इन्हीं में इस बार हुसैनाबाद के लोगों को पश्चिम बंगाल के मायापुर में इस्कॉन की ओर से निर्मित वैदिक तारा मंडल मंदिर का प्रारूप देखने को मिलेगा। जिसके निर्माण में बंगाल से आए कारीगर पिछले 15 दिनों से रात-दिन मेहनत कर रहे हैं। जपला रेलवे स्टेशन परिसर में युवा बाल संघ की ओर से तैयार कराए जा रहे इस पूजा पंडाल में श्रद्धालु वास्तुकला के मनमोहक परिदृश्य के बीच मां दुर्गा का दर्शन कर सकते हैं। मुख्य कारीगर शंकु नस्कर ने बताया कि दुर्गा पूजा पंडाल निर्माण कार्य में केवल प्राकृतिक चीजों जैसे बांस, कपड़े, थर्मोकोल आदि का ही इस्तेमाल किया जा रहा है। पूजा पंडाल की ऊंचाई 50 फीट और लंबाई 60 फीट रखी गई है। इसके निर्माण में करीब 20 कारीगर रात-दिन काम कर रहे हैं। वहीं, पूजा समिति की ओर से इस साल करीब सात लाख रुपये पूजा के आयोजन पर खर्च रखा है। भव्यता के साथ श्रद्धालुओं को किसी भी तरह की परेशानी ना हो इसका खास खयाल रखा जा रहा है। युवा बाल संघ के अध्यक्ष जयशंकर गुप्ता ने बताया कि समिति का प्रयास होता है कि हर साल नई-नई थीम पर पूजा पंडाल का निर्माण हो। उन्होंने उम्मीद जताई है कि इस बार वैदिक तारा मंडल मंदिर जरूर लोगों को पसंद आयेगा। पूजा आयोजन को सफल बनाने में युवा बाल संघ के संरक्षक राजेश्वर सिंह, रवि यादव, रजनीश कुमार, उपाध्यक्ष प्रमोद मेहता, गोल्डन कुमार, शनि विश्वकर्मा, रोहित यादव, सोनू कुमार, छोटू पासवान, जिशु कुमार, अविनाश कुमार, छोटू शर्मा, अमन विश्वकर्मा, उपेंद्र यादव, अविनाश कुमार, सैनिक, कंटेश, कौशल और दीपू आदि की सक्रिय भूमिका है।

विधिक सेवा सह सशक्तिकरण शिविर में लाभुकों को मिला योजनाओं का लाभ

मधुपुर (आजाद सिपाही)। प्रखंड कार्यालय सभागार में रविवार को झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार विधिक सेवा सह सशक्तिकरण शिविर का आयोजन हुआ। जिसका शुभारंभ मधुपुर एसीजेएम पूजा त्यागी, एसडीओ राजीव कुमार, सीओ यामुन रविदास और सीडीपीओ नीतू कुमारी ने संयुक्त रूप से किया। इसमें उपस्थित लोगों को विभिन्न कानूनी प्रावधानों और उनके अधिकारों से अवगत कराया गया। साथ ही सरकार की ओर से चलायी जा रही कल्याणकारी योजनाओं जैसे सर्वजन पेंशन, सावित्रीबाई फुले कन्या प्रोत्साहन, प्रधानमंत्री आवास और मनरेगा जॉब कार्ड आदि का मौके पर ही लाभ दिलाया गया। इस मौके पर लाभुकों के बीच जॉब कार्ड और स्वीकृति पत्र भी बांटे गयें। वहीं, शिविर में सखी मंडल को 37 लाख रुपये का ऋण उपलब्ध कराया गया। जबकि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत छह लाभुकों के बीच सात लाख 20 हजार रुपये का चेक वितरित किया गया। एसीजेएम पूजा त्यागी ने कहा कि छोटे-छोटे मामलों को आपसी समझौते से निपटाया जाना चाहिए। उन्होंने चेताया कि बाल विवाह एक गंभीर अपराध है। इससे न सिर्फ बच्चियों का भविष्य प्रभावित होता है, बल्कि स्वास्थ्य संबंधी गंभीर समस्याएं भी उत्पन्न होती हैं। इस कुप्रथा पर रोक लगाने के लिए लगातार बाल विकास परियोजना विभाग द्वारा जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। अनुमंडल पदाधिकारी राजीव कुमार ने कहा कि किशोरियों के सशक्तिकरण के लिए कई योजनाएं लागू हैं। वहीं, सीओ यामुन रविदास एवं बाल विकास परियोजना पदाधिकारी नीतू कुमारी ने भी विभिन्न सरकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी देते हुए अधिक से अधिक लाभ उठाने का अहावान किया। इस मौके पर देवघर डालसा के एएलएडीसी ज्योति कर्मसील, प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी सह पशु चिकित्सा पदाधिकारी हरे राम दिनकर, प्रधान सहायक खुर्शीद आलम, प्रभारी प्रधान सहायक राजेंद्र यादव, गौतम कुमार बीडब्ल्यूओ आलमगीर आलम, पंचायत सचिव पटवाबाद, जेएसएस अशोक यादव, लिपिक राहुल कुमार, देवेंद्र मुर्मू नाजिर, सुभाष सिंह जनसेवक, विशाल शरण, कंप्यूटर ऑपरेटर राजेंद्र यादव, पंकज कुमार आदि मौजूद थे।

मधुपुर लायंस क्लब ने शहीद अग्निवीर नीरज को दी श्रद्धांजलि

मधुपुर (आजाद सिपाही)। लायंस क्लब ऑफ मधुपुर ने कजरा गांव पहुंचकर शहीद अग्निवीर नीरज कुमार चौधरी को श्रद्धांजलि अर्पित की। क्लब के सदस्यों ने कहा कि उनका साहस, कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्रप्रेम आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत रहेगा। कोषाध्यक्ष लायन रामानुज मिश्रा ने कहा कि शहीद का बलिदान कभी भुलाया नहीं जा सकता। वहीं लायन संजीत झा ने कहा कि उनका साहस और त्याग हर भारतीय के लिए अनुकरणीय है। इस मौके पर क्लब अध्यक्ष लायन प्रेम पाठक, सचिव लायन विजय आनंद लछिरामका, कोषाध्यक्ष लायन रामानुज मिश्रा, सदस्य लायन संजीत झा आदि मौजूद रहे।

हिंदी समृद्ध भाषा है: अशोकानंद झा

आजाद सिपाही संवाददाता

देवघर। हिंदी विद्यापीठ में रविवार को धूमधाम से हिंदी दिवस मनायी गयी। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे संस्थान के व्यवस्थापक अशोकानंद झा ने हिंदी को एक समृद्ध भाषा बताया। कहा कि कोई भी देश तब तक आजाद एवं स्वावलंबी रह सकता है, जब तक उसका अपना एक संविधान, एक राष्ट्रीय ध्वज और एक अपनी भाषा हो। हमारे भारत मे हिंदी के साथ ही अंग्रेजी को भी 15 वर्षों के लिए जोड़ दिया गया, जो आज तक जारी है। राष्ट्रभाषा देश के उत्थान के लिए रीढ़ की हड्डी के समान होती है। लेकिन अंग्रेजों ने एक साजिश के तहत भाषा के नाम पर हमें तोड़ने की कोशिश की है। उन्होंने हिंदी को आगे कैसे बढ़ाएं, इस पर काम करने की जरूरत पर बल दिया। वहीं, मुख्य अतिथि ने कहा कि हिंदी उत्थान की ओर अग्रसर है। इसके पीछे सरकार से ज्यादा हिंदी प्रेमियों का हाथ है। जबकि विशिष्ट अतिथि एवं शिक्षाविद सर्वेश्वर दत्त द्वारी ने हिंदी को वैज्ञानिक भाषा बताया। कहा कि हमारे देश में राजनीतिक कारणवश हिंदी कुछ परेशानियों से जूझ रही है। बावजूद इसके हिंदी का अपेक्षाकृत विकास हो रहा है। उन्होंने अन्य भाषाओं से घृणा न करने की सलाह देते हुए हिंदी को प्राथमिकता देने की बात कही। इसी क्रम में सेवानिवृत्त बैंक अधिकारी अनिल कुमार झा ने कहा कि भाषा की उपेक्षा अस्वीकार्य है। भाषा की राजनीति के कारण ही तमिलनाडु और महाराष्ट्र में हिंदी का व्यापक विरोध हो रहा है। साहित्य प्रेस प्रबंधक हिमांशु झा ने कहा कि हिंदी एक दिन देश की राष्ट्रभाषा जरूर बनेगी। वहीं बीएड कॉलेज की शिक्षिका दुर्गा भौमिक ने हिंदी की आज हो रही व्यापक विस्तार पर चर्चा करते हुए संतुष्टि जाहिर की। इससे पूर्व कार्यक्रम का संचालन करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ संजय कुमार खवाड़े ने भाषा को जीवन के लिए महत्वपूर्ण बताया। कहा कि भाषा सिर्फ संवाद का माध्यम ही नहीं, बल्कि एक-दूसरे से जोड़ने का भी काम करती है। इस मौके पर मीडिया प्रभारी शंभू सहाय सहित कार्यालय अधीक्षक संजय कुमार, महेन्द्रनाथ झा, किशोर झा, मनोज परिहस्त राजेश सरेवार, सुरेश खोवाला एवं बीएड कॉलेज के कार्यालय अधीक्षक पंकज कुमार सिन्हा, प्रमोद पांडेय, शिक्षक ओम कुमार सिंह, सुनील नरौने और शंकरनाथ झा आदि उपस्थित थे।

बेलौदर मोड़ पर रंजन सिंह स्मृति द्वार का हुआ उद्घाटन

हरिहरगंज/पलामू (आजाद सिपाही)। प्रखंड क्षेत्र के एनएच 139 किनारे स्थित बेलौदर गांव मोड़ पर रंजन सिंह स्मृति द्वार का उद्घाटन हुआ। यह निर्माण कार्य रंजन सिंह के पिता अनिल सिंह के नेतृत्व में संपन्न हुआ। इस मौके पर महाराणा सिंह, निर्मल सिंह, जिप सदस्य प्रतिनिधि राजेश राम, विकास सिंह, सुदय सिंह, संजीत सिंह आदि थे।

शहर को साफ और सुंदर रखने का दायित्व सब पर भी : दामोदर कसेरा

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। शहर की अधिकतर नालियां जाम हैं, तो इसका कारण हमारे अंदर जागरूकता की कमी है। मुहल्ले मे रहने वाले अपने मुहल्ले को साफ रखने के लिए जागरूक करना चाहिए कि कूड़ा कचरा एक स्थान पर रखे और नगर परिषद को सूचना देकर सफाई के लिए बतायें। लेकिन आज सभी लोग केवल अपने से मतलब रखते है। अपना कूड़ा निकालकर यहां वहां फेंक देते है। जिसके कारण कचरा रोड पर आ जाता है और वही कचरा नाली को भी जाम करता है। उक्त बातें चेंबर के निवर्तमान अध्यक्ष दामोदर कसेरा ने कही। उन्होंने कहा कि सभी लोग स्वच्छता को ध्यान में रख कर नगर परिषद को सूचना दें और साफ सफाई करें। गुमला के सभी वार्डो में कूड़ा फेंकने के लिए डस्टबिन लगाया गया था। लेकिन अब वह डस्टबिन पचहत्तर प्रतिशत ही रह गया है। वहीं उन्होंने कहा है कि लाइट एक बार खराब हो जाने पर उसको बनने में काफी दिन लगता है। अभी भी कई वार्डो में लाइट खराब पड़ी है। अभी त्यौहारों के समय पूजा पंडालों की समितियों के आग्रह में सभी वार्डो में सफाई अभियान चलाया गया है। जिसके लिए उन्होंने नगर परिषद का आभार व्यक्त किया है। अगर इसी तरह सालों भर सफाई अभियान चला कर सफाई कराई जाये तो नगर की समस्या खत्म हो जायेगी।

सात जिलों में शून्य ओबीसी आरक्षण के विरोध में बैठक, आंदोलन की दी चेतावनी

आजाद सिपाही संवाददाता

सिसई। प्रखंड के चंद्राणी होटल सभागार में बलदेव साहू की अध्यक्षता में रविवार को ओबीसी समाज की एक अहम बैठक आयोजित की गयी। बैठक में विभिन्न जातियों के सैकड़ों बुद्धिजीवी, समाजसेवी और प्रतिनिधि शामिल हुए। इस दौरान वक्ताओं ने राज्य में ओबीसी आरक्षण की अनदेखी और सात जिलों में शून्य आरक्षण लागू किए जाने पर गहरा आक्रोश व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सरकार की यह नीति सामाजिक न्याय और समानता की भावना के खिलाफ है, जिसे अब बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। बैठक में आंदोलन की विस्तृत रूपरेखा पर विचार-विमर्श किया गया। सभी वक्ताओं ने एकमत होकर कहा कि जब तक ओबीसी समाज को उसका संवैधानिक हक और आरक्षण का लाभ नहीं मिलेगा, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। समाज के नेताओं ने लोगों से एकजुट होने का आह्वान किया और कहा कि अब समय आ गया है कि ओबीसी समाज अपनी ताकत का परिचय दे।

सभा को संबोधित करते हुए कई वक्ताओं ने कहा कि आरक्षण खत्म करना ओबीसी समाज की राजनीतिक, शैक्षणिक और सामाजिक स्थिति को कमजोर करने की एक साजिश है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने शीघ्र ठोस कदम नहीं उठाया तो व्यापक आंदोलन छेड़ा जायेगा। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि आगामी 21 सितंबर को करंज में ओबीसी समाज का महाजुटान होगा। इसमें हजारों की संख्या में ओबीसी समाज के लोग शामिल होकर सरकार को अपनी ताकत का एहसास करायेंगे। आयोजकों ने बताया कि यह महाजुटान ऐतिहासिक होगा और ओबीसी समाज की एकता का प्रतीक बनेगा। सभा के अंत में सभी ने मिलकर संकल्प लिया कि ओबीसी आरक्षण बहाली तक आंदोलन जारी रहेगा।

गुमला में भाजपाइयों ने अर्जुन मुंडा का किया स्वागत

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। रांची से रायपुर जाने के दौरान राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा रविवार की सुबह 10 बजे गुमला पहुंचे। गुमला के टावर चौक पर जिला भाजपा के कार्यकताओं ने अर्जुन मुंडा का स्वागत किया। पूर्व मुख्यमंत्री ने गुमला के टावर चौक पर चाय पी और कार्यकर्ताओं से बातचीत की। पत्रकारों के सवाल का जवाब देते हुए पूर्व मुख्यमंत्री ने राज्य की हालात पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि जिस परिकल्पना के साथ झारखंड का गठन हुआ था, उस परिकल्पना से दिशा भटक गया है। सरकार चलाने का अवसर हेमंत सोरेन को मिला है तो झारखंड के हित में काम करे। यहां के लोग अपने घर में शरणार्थी महसूस कर रहे हैं। यूपीए गठबंधन के शासन काल में प्रशासन बेलगाम हो गया है। गुमला में स्वागत करने वाले पार्टी कार्यकर्ताओं में पूर्व जिला अध्यक्ष अनूप चंद्र अधिकारी, युवा अध्यक्ष संदीप प्रसाद, किसान मोर्चा के प्रमंडलीय पदाधिकारी मंगल सिंह भोगता,राधेश्याम कुशवाहा, बालकेश्वर सिंह, दिनेश्वर साहु, सूरजदेव सिंह, सत्यनारायण पटेल, कौशलेन्द्र जमुआर, श्याम गुप्ता आदि शामिल थे।

रैयत मजदूरों के शोषण के खिलाफ बिशुनपुर से 23 से शुरू होगा आंदोलन

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। बॉक्साइट माइंस रैयत मजदूर समिति के तत्वाधान में गुमला-लोहरदगा लीडिंग टीम की आवश्यक बैठक समिति के नेता आदित्य सिंह की अध्यक्षता में थाना चौक घाघरा में आयोजित की गयी। बैठक में मुख्य रूप से उपस्थित ऑल इंडिया पीपुल्स फ्रंट के प्रभारी सह झारखंड नवनिर्माण दल के केंद्रीय संयोजक विजय सिंह ने कहा कि हिंडाल्को कंपनी माइंस क्षेत्र के रैयतों और मजदूरों का शोषण करने में लगी है। माइंस संचालन का 50 वर्ष बीत जाने के बाद भी एक भी अच्छी सड़क, स्कूल, अस्पताल आज तक नहीं बने। जर्जर हो चुके इटकीरी से शेरेंगदाग तक, आदर से विमरला माइंस तक, बिशुनपुर के सेरका से जालिम के अलावे माइंस क्षेत्र की सड़के चलने लायक नहीं है। वहीं जिला प्रशासन और सरकार हिंडाल्को को मनमानी करने का खुली छूट दे रखी है यही कारण है कि पीने का शुद्ध पानी तक हिंडाल्को जंगल पहाड़ में रहने वाले आदिवासी और गरीब मूलनिवासियों को मुहैया नहीं करायी फिर भी कंपनी पर किसी तरह का कोई कार्रवाई नहीं होती है। श्री सिंह ने हिंडाल्को की लूट नीति के विरुद्ध होनेवाली कार्यक्रम में लोगों से हिस्सेदारी की भी अपील की है। बैठक में डीएमएफटी फंड एवं सीएसआर के तहत होनेवाली कार्यों की व्यापक जांच कराने को लेकर 16 सितंबर 2025 को गुमला उपायुक्त को हिंडाल्को द्वारा कराये गये कार्यों की जांच के लिए मांग-पत्र देने, वीर जतरा टाना भगत के गृह प्रखंड बिशुनपुर से 23 सितंबर 2025 को उपरोक्त मांगों को लेकर रैयत मजदूरों द्वारा आंदोलन शुरू करने के अलावे माइंस क्षेत्र में संगठन का विस्तार के लिए कई निर्णय लिए गये हैं। बैठक में आदित्य सिंह, रतिया उरांव, रामलाल असुर, बसंत बड़ाईक, महावीर उरांव, प्रदीप मुंडा, बली भगत, सुरेंद्र खरवार, सुकरा उरांव मुख्य रूप से उपस्थित थे।

वृंदा नायक टोली में किसान का घर गिरा, मुआवजे की मांग

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। सदर थाना क्षेत्र के बृन्दा पंचायत के गांव वृन्दा नायक टोली निवासी मूसा उरांव का घर रविवार की सुबह गिरकर ध्वस्त हो गया घटना की सूचना पर बृन्दा पंचायत की मुखिया सत्यवती देवी समाज सेवी बसंत लोहरा रविबार दिन के 2 बजे मूसा के घर पहुंचे और प्राकृतिक आपदा राहत कोष से लाभ दिलाने का आश्वासन दिया। मूसा ने बताया वह गरीब परिवार से है किसी तरह मजदूरी व खेती बाड़ी कर परिवार का पालन पोषण करता है। घर गिरने से परिवार के समक्ष विकट समस्या उत्पन्न हो गई है मौके पर ग्राम प्रधान महादेव बड़ाइक, पास्कल तिर्की सहित अन्य ग्रामीण ग्रामीण उपस्थित थे।

एआइसीसी पर्यवेक्षक और कार्यकारी अध्यक्ष ने मीडिया चेयरमैन के कार्यों को सराहा

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआइसीसी) के संगठन सृजन अभियान के तहत जिले में 5 से 11 सितंबर तक सभी 12 प्रखंडों में आयोजित बैठकों व जिला अध्यक्ष चयन को लेकर रायशुमारी कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इन कार्यक्रमों में बेहतर समन्वय और सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए एआईसीसी द्वारा नियुक्त पर्यवेक्षक ने गुमला जिला कांग्रेस के मीडिया चैयरमैन सह प्रवक्ता आरिफ हुसैन अख्तर की भूमिका की सराहना की। पर्यवेक्षक ने कहा कि आरिफ हुसैन अख्तर ने मीडिया प्रबंधन से लेकर संगठनात्मक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभायी है। पर्यवेक्षक ने उन्हें पार्टी का मजबूत स्तंभ बताते हुए पीठ थपथपाई और कहा कि ऐसे समर्पित कार्यकर्ताओं की वजह से कांग्रेस संगठन लगातार मजबूत हो रहा है। इस दौरान पर्यवेक्षक ने कार्यकर्ताओं से संगठन को और धारदार बनाने के लिए कई दिशा-निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि बूथ स्तर तक संगठन को सक्रिय करने, कार्यकर्ताओं की भागीदारी सुनिश्चित करने और आम जनता से सीधा जुड़ाव बनाने की आवश्यकता है। पार्टी पदाधिकारियों ने भी आश्वस्त किया कि संगठन सृजन अभियान के जरिए कांग्रेस जिले में और मजबूत होगी तथा जनता की आवाज को मजबूती से उठाने का कार्य जारी रहेगा। सिर्फ पर्यवेक्षक ही नहीं, बल्कि झारखंड प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष ने भी प्रवक्ता के कार्यों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि आरिफ हुसैन अख्तर ने जिले में संगठन सृजन अभियान को जन-जन तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई है। मीडिया के माध्यम से उन्होंने कांग्रेस की नीतियों और कार्यक्रमों को सशक्त तरीके से प्रस्तुत किया है। ऐसे कर्मठ और निष्ठावान कार्यकर्ता संगठन की रीढ़ की हड्डी साबित होते है।

कुआं में डूबने से युवक की मौत

गुमला (आजाद सिपाही)। गुमला थाना क्षेत्र के लुथरन मिशन हाता शांति नगर निवासी 35 वर्षीय जय किरण खाखा की मौत शनिवार की रात्रि कुआं में डूबने से हो गया। जानकारी के अनुसार जय किरण खाखा के घर के आंगन में बने कुआं के पास गए थे। इसी दौरान अचानक उनका पैर फिसल गया और वे कुआं में जा गिरे। हादसे के बाद परिजनों ने शोर मचाया और स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें तत्काल कुआं से बाहर निकाला गया। परिजन आनन-फानन में जय किरण खाखा को गुमला सदर अस्पताल लेकर पहुंचे। हालांकि अस्पताल में मौजूद डाक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। अचानक हुई इस घटना से परिवार और आसपास के लोगों में शोक की लहर है।

जड़ी-बूटी रिसर्च एवं आयुर्वेदिक संस्थान में मनाया गया विश्व हिंदी दिवस

हिंदी हमारे देश की आन, बान और शान है : आनंद पंडा

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। जिले के गुमला प्रखंड के असनी पंचायत के भलदम चट्टी स्थित जड़ी बूटी रिसर्च एवं आयुर्वेदिक संस्थान के कार्यालय में विश्व हिंदी दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का संचालन संस्थान के निदेशक राकेश सिंह ने किया जिसमें दर्जनों गणमान्य लोग उपस्थित थे। इस हिंदी दिवस पर व्याख्यान करते हुए सामाजिक कार्यकर्ता आनंद किशोर पंडा ने कहा कि हिंदी हमारे देश की आन, बान और शान है जो देश की सबसे समृद्ध और व्यापक रूप में बोली जाने वाली भाषाओं में से एक है। यह न केवल संवाद का माध्यम है, बल्कि हमारी संस्कृति, परंपरा और भावनाओं की अभिव्यक्ति का भी प्रमुख साधन है। हिंदी न केवल हमारी सांस्कृतिक पहचान है, बल्कि यह देश की एकता, अखंडता और भावनात्मक एकजुटता का भी सशक्त माध्यम है। यह वह भाषा है जिसने स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान हमें एक सूत्र में बांधा और आज भी देश के कोने-कोने में संवाद का सेतु बनी हुई है जिस हमारी हिन्दी भाषा को संजोए रखने की जरूरत है। के भगत ने कहा कि हिंदी भाषा को शिक्षा, विज्ञान, तकनीकी, प्रशासन और रोजगार के क्षेत्रों में भी आगे बढ़ाना है, हिंदी भाषा के संरक्षण, संवर्धन और समृद्धि के लिए हमें निरंतर प्रयासरत रहना है। साथ ही हिंदी को जन जन की भाषा बनाने की दिशा में हम सभी को अपनी अहम भूमिका निभाना है।

25 को घाघरा में होगा झानद का कार्यक्रम

घाघरा (आजाद सिपाही)। झारखंड नवनिर्माण दल और भ्रष्टाचार विरोधी मंच घाघरा के बैनर तले घाघरा ब्लॉक में चरम पर पहुंची भ्रष्टाचार के विरुद्ध तथा घाघरा बैंक ऑफ इंडिया में खाता धारकों को हो रही परेशानी का निदान निकालने को लेकर आगामी 16 सितंबर को घाघरा ब्लॉक मुख्यालय में होनेवाली धरना कार्यक्रम को जितिया त्यौहार के कारण आगे बढ़ाकर आगामी 25 सितंबर 2025 कर दी गयी है। इस आशय की जानकारी देते हुए झारखंड नव निर्माण दल के घाघरा प्रखंड प्रभारी बसंत बड़ाइक ने बताया कि भ्रष्टाचार के विरुद्ध आगामी 25 सितंबर दिन गुरुवार को घाघरा ब्लॉक के पास दिन के 11 बजे से कार्यक्रम आयोजित की गई है, जिसमें घाघरा प्रखंड क्षेत्र के लोगों से अपनी-अपनी समस्याओं को लेकर सैकड़ो की संख्या में भाग लेने की अपील भी किया।

कांबैट कुश्ती के विजेता खिलाड़ियों का एसपी ने बढ़ाया उत्साह, उपलब्धियों की ली जानकारी

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर से विजेता हो कर लौटे कॉम्बैट कुश्ती के खिलाड़ियों को समाहरणालय स्थित पुलिस अधीक्षक कार्यालय में पुलिस अधीक्षक हरीश बिन जामा ने स्वागत किया। फूल माला एवं मिठाई खिलाकर पुलिस अधीक्षक ने खिलाडियों का उत्साह वर्धन किया और सभी खिलाड़ियों से गोरखपुर के कुश्ती की उपलब्धियों की जानकारी ली। साथ ही उन्होंने कहा कि पढ़ाई के साथ-साथ खेल जीवन का एक अभिन्न अंग है। यह गुमला जिला के लिए गर्व की बात है। विजेता खिलाड़ियों में स्वर्ण पदक नीरज मांझी, रोशन साहू ,अरिब अब्दीन,अनामिका कुमारी और रजत पदक मोनिका टोप्पो, कांस्य पदक प्रीति कुमारी, साथ हि (कोच) हफीजूर रहमान (मैनेजर) कृष्णदेव सिंह शामिल थे। इस मौके पर जिला खेल पदाधिकारी प्रवीण कुमार और खिलाड़ियों के अभिभावक उपस्थित थे। इस मौके पर स्पोर्ट एकैडमी के निर्देशक सैयद जुन्नु रैन ने कहा खेल के माध्यम से हमारे खिलाड़ी सरकार के विभिन्न संस्थाओं जैसे आर्मी, वायु सेना एवं झारखंड पुलिस में अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

स्पोर्ट्स

29 अगस्त से 14 सितंबर कुल 17 दिनों तक चले इस प्रतियोगिता में सिमडेगा जिला के पुरुष वर्ग में 32 और महिला वर्ग में 16 कुल 48 टीमों ने भाग लिया।

हॉकी चैंपियनशिप में महिला वर्ग की चैंपियन सीओइ रोज और पुरुष वर्ग में सीओइ सिमडेगा की टीम बनी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। राष्ट्रीय खेल दिवस सह हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद के जन्म दिवस के अवसर पर हॉकी सिमडेगा एवम जिला खेलकूद विभाग सिमडेगा के संयुक्त तत्वाधान में सिमडेगा के विधायक भूषण बड़ा के आर्थिक सहयोग और जय टेंट सिमडेगा के सहयोग से 29 अगस्त से 14 सितंबर 2025 तक एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम सिमडेगा में आयोजित 20वीं मेजर ध्यानचंद सिमडेगा जिला स्तरीय सीनियर पुरुष और महिला हॉकी चैंपियनशीप 2025 में महिला वर्ग में सीओइ रोज विजेता, सीओइ ईस्ट विन उपविजेता और मिनी शक्ति नारी टीम तृतीय स्थान प्राप्त की जबकि पुरुष वर्ग में सीओइ सिमडेगा विजेता, लिटिल टाइगर उपविजेता और एसटीसी सिमडेगा तृतीय स्थान प्राप्त की।

प्रतियोगिता के 17 वे दिन महिला वर्ग का फाइनल मैच सीओइ रोज बनाम इस्ट वीन के बीच खेला गया जिसमे सीओइ रोज टीम 4-0 गोल से जीतकर विजेता बनी। जबकि तीसरे और चौथे स्थान के लिए मिनी शक्ति नारी टीम और लोबोई के बीच खेला गया जिसमे मिनी शक्ति नारी टीम 4-0 गोल से जीत कर हासिल तृतीय स्थान प्राप्त की।

पुरुष वर्ग के फाइनल मैच में उडए सिमडेगा ने लिटिल टाइगर को 3-1 गोल से पराजित कर विजेता बनी, तीसरे स्थान के लिए खेले गए मैच में एसटीसी सिमडेगा ने संत स्कूल सामटोली बी को पराजित कर तृतीय स्थान प्राप्त की। प्लेयर ऑफ द मैच रीना कुल्लू, विनीत टोप्पो, अर्पण बड़ा, शिफा को दिया गया जबकि इमर्जिंग प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट इभा अंजली डुंगडुंग को दिया गया। 29 अगस्त से 14 सितंबर कुल 17 दिनों तक चले इस प्रतियोगिता में सिमडेगा जिला के पुरुष वर्ग में 32 और महिला वर्ग में 16 कुल 48 टीमों ने भाग लिया।

प्रतियोगिता में कुल 88 मैच खेले गये। जिनमे महिला वर्ग में 24 लीग मैच सहित कुल 32 मैच तथा पुरुष वर्ग में 48 लीग मैच सहित कुल 56 मैच खेले गए। प्रतियोगिता के महिला वर्ग के 32 मैच में 119 गोल एवं पुरुष वर्ग के 56 मैच में 268गोल कुल 387 गोल हुए। रविवार को फाइनल के दिन मुख्य रूप से विधायक सिमडेगा भूषण बड़ा, निदेशक खेलकूद और युवा कार्य विभाग शेखर जामुवार, ध्यानचंद अवार्ड सम्मान प्राप्त भारतीय महिला हॉकी टीम की पूर्व कप्तान सुमराय टेटे, खेल विभाग के समन्वयक श्री देवेन्द्र सिंह, मणिकांत जी, जिला खेल पदाधिकारी मनोज कुमार, कोच सुधीर गोला, सुशीला लकड़ा, सुनील तिर्की, साधु मलुवा, सिलबेस्टर बघवार सहित काफी काफी संख्या में खेल प्रेमी उपस्थित थे। पुरस्कार वितरण कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पुलिस अधीक्षक सिमडेगा एम अर्शी सपरिवार मैदान में बैठकर खेल का आनंद लिए और खिलाड़ियों को अपना आशीर्वाद देते हुए कहा कि आज का मैच देखकर मुझे लगा इस आयोजन का स्तर राष्ट्रीय स्तर का था यहां के खिलाड़ियों में हर पोजीशन में प्रतिभाशाली है। आयोजन को सफल बनाने में हॉकी सिमडेगा के अध्यक्ष मनोज कोनबेगी, पंखरासियुस टोप्पो, कमलेश्वर मांझी, बसंत बा, राहुल मिंज, कुनुल भेंगरा, करिश्मा परवार, रोहित बेसरा, फ्लेबियस तिर्की, सुजीत एक्का, वेद प्रकाश, कोच तारिणी कुमारी, एक्शन कीड़ों, तालिम तिग्गा, नेहा कुमारी, मनीषा एक्का, अनिसा कुल्लू, बेरतीला केरकेट्टा, जॉनशन लकड़ा, सुशीला कुजूर, मनसुख सुरीन , सहित हॉकी सिमडेगा के समस्त पदाधिकारियों के साथ सदर अस्पताल की मेडिकल टीम भी अपना पूरा सहयोग कर रही है।

बारिश से गिरा वृद्ध का घर

घाघरा (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र के गुनिया गांव में बारिश के कारण बांधो उरांव और जसमती देवी का घर क्षतिग्रस्त हो गया। वही पीड़ितों ने अंचल प्रशासन से मुआवजा का मांग किया हैं। इस संबंध में पीड़ित बांधो देवी और जसमति ने बताया कि दो दिन पूर्व हुए बारिश से घर का दीवाल में पानी से पूरी तरह भींग गया।जिससे दीवाल गिल्ला हो गया वही रात में घर का दीवाल क्षतिग्रस्त होकर गिर गया। जिससे काफी नुकसान हो गया। वही पीड़ितों ने आंचल प्रशासन से मुआवजा की मांग की है ताकि घर का मरम्मत कराया जा सकें। वही समाज सेवी करीमन पहान ने कहा कि अंचल प्रशासन को आवेदन देकर मुआवजा दिलवाने का पहल करूंगा।

महुदा फुटबॉल कप : फाइनल में लोहपट्टी को 2-0 से हराकर बेरमो एमएसी क्लब बना चैंपियन

खेल युवा शक्ति को निखारने का सबसे प्रभावी माध्यम: चंद्रप्रकाश

आजाद सिपाही संवाददाता

महुदा। प्रगति संघ के तत्वावधान में आयोजित महुदा फुटबॉल कप का रविवार को समापन हुआ। महुदा स्थित रेलवे ग्राउंड पर दो दिवसीय नॉकआउट टूर्नामेंट में कुल 16 टीमों ने भागीदारी निभाई। फाइनल मुकाबले में एमएससी क्लब बेरमो ने बाबा 11 क्लब लोहपट्टी को 2-0 से हराकर विजेता ट्रॉफी अपने नाम किया। इस टूर्नामेंट में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में गिरिडीह के सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी उपस्थित रहे। जिनका भव्य स्वागत प्रगति संघ

विजेता टीम के पुरस्कृत करते सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी।

महुदा के पूर्व जीप सदस्य संतोष महतो एवं रवि वर्मा आदि ने किया। इस अवसर पर सांसद ने कहा कि खेल युवा शक्ति को निखारने का सबसे प्रभावी माध्यम है। ऐसे आयोजनों से न केवल खिलाड़ियों की प्रतिभा को मंच मिलता है, बल्कि उनमें अनुशासन, नेतृत्व और टीम भावना भी विकसित होती है। महुदा फुटबॉल कप जैसे टूर्नामेंट युवाओं को गलत दिशा में जाने से रोकने का सकारात्मक जरिया हैं। प्रगति संघ महुदा को इस सराहनीय प्रयास के लिए बधाई देता हूं और आशा करता हूं कि भविष्य में भी ऐसे आयोजन लगातार होते रहेंगे। खिलाड़ियों ने जिस उत्साह और खेल भावना के साथ प्रदर्शन किया, वह पूरे क्षेत्र के लिए गर्व की बात है। वहीं, फाइनल मैच के फर्स्ट हाफ में सुनील हरि ने पहला और विजय हरी ने दूसरा गोल दागकर टीम को बढ़त दिलाई और अंततः एमएससी क्लब बेरमो को 2-0 से विजयी बना दिया। जबकि प्रतियोगिता में निर्णायक की जिम्मेदारी मेहंदी हसन, सनाउल्ला अंसारी और रियाज अंसारी ने निभाई, जिनकी निष्पक्षता और पारदर्शिता ने खेल को निष्कलंक और रोमांचक बनाए रखा। पुरस्कार विजेता मैन ऑफ द मैच सुनील हरि, मैन ऑफ द सीरीज आकाश एवं सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर संजय रवि दास को मिला। इस मौके पर सांसद प्रतिनिधि सुभाष राय, जिला उपाध्यक्ष धनेश्वर महतो, सांसद प्रतिनिधि नरेश महतो, आरपीएफ इंस्पेक्टर कुमार राजीव, महुदा थाना प्रभारी देवानंद प्रसाद, संचालक सूरज एवं प्रेम महतो आदि थे।

बीपीएल कोटे के नामांकन में धांधली के खिलाफ आजसू छात्र संघ ने पुतला फूंका

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। बीपीएल कोटे के नामांकन में धांधली किये जाने का आरोप लगाते हुए आजसू छात्र संघ के प्रदेश महासचिव विशाल महतो के नेतृत्व में रविवार को मेमको मोड़ चौक पर प्रदर्शन किया गया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने जिला शिक्षा अधीक्षक आयुष कुमार का पुतला भी दहन किया। इस असर पर विशाल महतो ने कहा कि वर्ष 2025 में आरटीइ के तहत निजी विद्यालयों में बीपीएल कोटे के नामांकन के लिए चयनित सूची सार्वजनिक नहीं की गई है, जबकि प्रति वर्ष यह सूची जारी की जाती रही है। आजसू छात्र संघ ने विगत नौ सितंबर को मांगपत्र सौंपकर सूची जारी करने की मांग की थी। इस पर दो दिनों के भीतर कार्रवाई करने का आश्वासन मिला था। पर पांच दिन बीत जाने के बाद भी चयनित सूची जारी नहीं की गई। यही नहीं, बिना सूची जारी किये ही नामांकन प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई। आरोप लगाया कि बीपीएल कोटे के नामांकन में बड़े पैमाने पर धांधली और हेर-फेर हो रही है। यह प्रक्रिया एक कारोबार का रूप ले चुकी है, जिसमें लाखों-करोड़ों रुपये का खेल चलता है। पारदर्शिता के अभाव में गरीब और जरूरतमंद बच्चों को उनके अधिकार से वंचित किया जा रहा है। वहीं, जिला अध्यक्ष विकास कुमार ने कहा कि यदि जिला शिक्षा विभाग जल्द से जल्द चयनित सूची सार्वजनिक नहीं करता, तो आजसू छात्र संघ और उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होगा। इस मौके पर आजसू के केंद्रीय सदस्य रतिलाल महतो, जिला महासचिव नितेश महतो, छात्र नेता कुमार, सुरेश सिंह, राज हाजरा, भीम महतो, शुभम रजक, बिट्टू दास, भोला पासवान, रौनक राज, बिष्णु गोप, विवेक पांडेय, बंटी हाड़ी, विवेक गोप, आकाश पांडेय, कबीर यदुवंशी, रोहित महतो, आकाश शर्मा और मानस महतो आदि उपस्थित थे।

हिंदी हमारी पहचान है : डीसी

बोकारो (आजाद सिपाही)। हिंदी दिवस के अवसर पर रविवार को डीसी अजय नाथ झा ने सभई जिलावासियों को शुभकामनाएं दी। कहा कि हिंदी हमारी पहचान है। भारत की सभी भाषाएं भारत की आत्मा हैं। सांस्कृतिक सापेक्ष की तरह भाषायी सापेक्षता हमारे संस्कार का हिस्सा बने। उन्होंने हिंदी भाषा- साहित्य के प्रकांड विद्वान भारतेन्दु हरिश्चंद्र के कथन का उल्लेख करते हुए कहा कि 'निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति के मूल' यानी अपनी भाषा की उन्नति ही सभी प्रगति के मूल में है। उन्होंने सभी लोगों से आग्रह किया कि वे हिंदी को गर्व और सम्मान के साथ अपनाएं और इसके प्रचार-प्रसार में सहयोग दें। डीसी ने कहा कि हिंदी दिवस का आयोजन सुविधानुसार आगे-पीछे करना उचित नहीं है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि जैसे कोई भी व्यक्ति अपना जन्मदिन सही तारीख पर ही मनाता है, वैसे ही हिंदी दिवस भी केवल 14 सितंबर को ही मनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब हम इस दिन को पहले या बाद में मनाते हैं तो इसकी मूल भावना कमजोर हो जाती है। डीसी ने जिले के सभी विद्यालयों-महाविद्यालयों और कार्यालयों से अपील की कि वे हिंदी दिवस को उसकी वास्तविक तिथि यानी 14 सितंबर को ही मनाएं। ऐसा करने से हमारी भाषा के प्रति प्रतिबद्धता और स्पष्ट होगी और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक मजबूत संदेश जाएगा।

डीएमएफटी मद से हुए कार्यों की एजी से ऑडिट कराने का डीसी ने किया फैसला

- डीएमएफटी प्रबंधकीय समिति की बैठक में दिये कई दिशा निर्देश

आजाद सिपाही संवाददाता

बोकारो। जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट (डीएमएफटी) की प्रबंधकीय समिति की बैठक में डीसी अजय नाथ झा ने स्पष्ट किया कि वित्तीय वर्ष 2024-25 से अबतक डीएमएफटी मद से किए गए कार्यों का आडिट महालेखा परीक्षक से कराया जाएगा। इस संबंध में डीडीसी शताब्दी मजूमदार को आवश्यक आदेश प्राप्त करने के लिए अधिकृत किया गया। रविवार को गोपनीय कार्यालय कक्ष में हुई डीएमएफटी प्रबंधकीय समिति की इस अहम बैठक में एसपी हरविंदर सिंह, डीडीसी शताब्दी मजूमदार, वन प्रमंडल पदाधिकारी संदीप शिंदे, सिविल सर्जन डॉ एबी प्रसाद, प्रभारी पदाधिकारी डीएमएफटी कोषांग प्रभाष दत्ता, जिला पंचायती राज पदाधिकारी मो सफीक आलम एवं जिला खनन पदाधिकारी रवि कुमार मुख्य रुप से उपस्थित थे। बैठक में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि डीएमएफटी मद से होने वाले व्यय की प्राथमिकताएं तय की जायेगी। इस क्रम में खनन प्रभावित क्षेत्र को रेड जोन एवं सामान्य क्षेत्र को ऑरेनज जोन के रूप में वर्गीकृत कर कार्यान्वयन किया जायेगा। साथ ही, डीएमएफटी मद से संचालित और पूर्ण योजनाओं की भौतिक जांच कराने के लिए चार अलग-अलग दल गठित करने का निर्णय लिया गया। जिसमें भौतिक निरीक्षण दल, प्रक्रियागत कार्य दल, तकनीकी मानक दल एवं सामाजिक लेखा परीक्षण दल गठन का निर्णय लिया गया। बैठक में सर्वसहमति से निर्णय लिया गया कि डीएमएफटी शाखा के अभिलेखों को सुरक्षित रखने के लिए शाखा में सीसीटीवी कैमरा भी लगाया जायेगा। सभी अभिलेखों का संरक्षण करने, इस कार्य के लिए एक दल गठित करने का निर्देश डीडीसी को दिया गया। कार्य में सहयोग के लिए जिला योजना पदाधिकारी राज कुमार शर्मा को नामित किया गया। उक्त सभी कार्य को एक सप्ताह की समयावधि में पूर्ण किया जाएगा।

भाजपा के आगामी कार्यक्रमों के लिए प्रभारी नियुक्त

फुसरो/बेरमो (आजाद सिपाही)। भाजपा फुसरो नगर मंडल की बैठक रविवार को पुराना वीडियो ऑफिस में स्थित पार्टी कार्यालय में हुई। इसमें मुख्य अतिथि के रुप मे बोकारो जिला के पूर्व जिला अध्यक्ष जगरनाथ राम उपस्थित रहे। बैठक की अध्यक्षता नवल किशोर सिंह और संचालन महामंत्री रमेश स्वर्णकार ने की। इसमें प्रदेश भाजपा की ओर से दिये गये निर्देश के अनुसार सेवा पखवाड़ा 17 सितंबर से दो अक्टूबर तक मनाने का निर्णय लिया गया। बैठक में विभिन्न कार्यक्रमों के लिए प्रभारी भी नियुक्त किया गया। इसमें सेवा पखवाड़ा के निमित्त स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। जिसके प्रभारी नवल किशोर सिंह, बबलू सिंह और मूलचंद खुराना को बनाया गया। वहीं, रक्तदान शिविर के प्रभारी सूरज कुमार सिंह एवं प्रशांत कुमार सिंह, सांसद खेलकूद प्रतियोगिता प्रभारी टुनटुन तिवारी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय जयंती के प्रभारी रमेश स्वर्णकार और महेंद्र सिंह को बनाया गया है। जबकि महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री जयंती का प्रभारी नितेश सिंह और मनोज चंद्रवंशी को नियुक्त किया गया है। प्रधानमंत्री के जीवन पर आधारित प्रदर्शनी एवं डॉक्यूमेंट्री फिल्म प्रदर्शनी के प्रभारी अशोक कुमार रवि एवं विक्की गिरी को बनाया गया। बैठक में शिवलाल रवि, मदन गुप्ता, ओम प्रकाश चंद्रवंशी, नवल किशोर सिंह, नितेश सिंह, श्रीकांत सिंह, चंदन राम आदि थे।

शिविर का आयोजन, 40 यूनिट रक्त संग्रह

धनबाद (आजाद सिपाही)। भूली के श्याम नगर स्थित नेताजी सुभाष चंद्र बोस समिति की ओर से इस वर्ष भी रविवार को रक्तदान शिविर आयोजित हुआ। जिसमें रक्त संग्रह के लिए धनबाद एसजेएस अस्पताल को बुलाया गया। इस दौरान कई रक्तदाताओं ने जीवन का पहला रक्तदान किया। इस तरह कुल 40 यूनिट रक्त संग्रह किया गया। वहीं, सभी रक्तदाताओं को मोमेंटो एवं सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया। साथ ही जिन रक्तदाताओं ने जीवन का पहला रक्तदान किया उन्हें अलग से सम्मान दिया गया। इस मौके पर एसजेएएस अस्पताल के सुदीप पांडे एवं उनकी टीम ने मिलकर रक्तदान शिविर में आये रक्तदाताओं को प्रोत्साहित किया। रक्तदान शिविर में रोटी बैंक यूथ क्लब के अध्यक्ष रवि शेखर, मेड फाउंडेशन के अध्यक्ष गोपाल भट्टाचार्य, नेताजी सुभाष चंद्र बोस समिति के अध्यक्ष राकेश कांति विश्वास, संयोजक राजेंद्र प्रसाद साह, सचिव दिलबाग सिंह, मीडिया प्रभारी नीलकमल खवास, गोपाल बैनर्जी, सोनू कुमार, प्रदीप बाउरी, सरोज कुमार, रिंकू साहू, मिंटू साहू, संदीप साहू, हुसैन जहांगीर, प्रदीप कुमार श्रीवास्तव, मुस्कान परवीन, परविंदर सिंह, रिंकल सिंह, स्वप्न राय, गोपाल दे, सुजल कुमार, ओमू कुमार, शुभम कुमार और विश्वजीत मुखर्जी शामिल रहे।

ओल्ड एज होम में योग प्राणायाम शिविर का आयोजन

धनबाद (आजाद सिपाही)। इनर व्हील क्लब ऑफ धनबाद माइलस्टोन के बैनर तले क्लब के सदस्यों ने सबलपुर, सहयोगी नगर स्थित ओल्ड ऐज होम में वृद्धजनों के लिए एक योग प्राणायाम शिविर का आयोजन किया। जिसमें वृद्ध जनो को जोड़ों से संबंधित योगाभ्यास कराया गया। साथ ही उनके हृदय, फेफड़ों आदि के स्वास्थ्य के लिए प्राणायाम का अभ्यास कराया गया। क्लब की आइएसओ गीता चौबे ने वृद्ध जनों को योग सिखाया। साथ ही स्वस्थ रहने के लिए प्रतिदिन योग प्राणायाम करने की सलाह भी दी। इस मौके पर इनर व्हील क्लब की अध्यक्ष लीना झा, सचिव ऋतु श्रीवास्तव, उपाध्यक्ष रेणु कौशल एवं आईएसओ गीता चौबे मौजूद रहीं।

देव कुमार वर्मा ने बीआइटी सिंदरी इंडक्शन प्रोग्राम में छात्रों को दिया सफलता का मंत्र

धनबाद (आजाद सिपाही)। बीआइटी सिंदरी में बीटेक प्रथम वर्ष 2025-29 बैच के लिए चल रहे छात्र इंडक्शन कार्यक्रम के दूसरे दिन शनिवार को विशेष अतिथि के रूप में बीसीसीएल के हेड-सेल्स रियलाइजेशन, देव कुमार वर्मा मौजूद रहे। उन्होंने अपने संबोधन में छात्रों को प्रेरित किया और अपने अनुभव साझा किए। कहा कि जीवन में सफलता का मूलमंत्र है अनुशासन, समय प्रबंधन और निरंतर सीखने की भावना है। उन्होंने छात्रों को यह संदेश दिया कि तकनीकी शिक्षा के साथ ही सामाजिक उत्तरदायित्व का निर्वहन करना भी उतना ही आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे अपने अध्ययन काल को केवल डिग्री प्राप्ति का माध्यम न मानें, बल्कि समाज और देश के लिए योगदान देने का अवसर समझें। छात्रों को बीसीसीएल और ऊर्जा क्षेत्र की महत्ता से अवगत कराया। बताया कि आने वाले समय में तकनीकी कौशल भारत की प्रगति की सबसे बड़ी शक्ति बनने जा रही है। इस अवसर पर बीआईटी सिंदरी के निदेशक प्रो पंकज राय सहित कई वरिष्ठ प्रोफेसर एवं फैकल्टी सदस्य उपस्थित रहे। इस मौके पर निदेशक प्रो पंकज राय, डीन एलुमनी अफेयर्स प्रो डॉ प्रकाश कुमार, हेड सिविल इंजीनियरिंग प्रो प्रफुल शर्मा के अलावा कार्यक्रम के समन्वयक प्रो संजय पाल, डॉ कोमल कुमारी, संयोजक डॉ राहुल कुमार, विशेष सहयोगी डॉ ओमप्रकाश, डॉ प्रशांत कुमार सिंह, प्रो खुसतर अंसारी, प्रो प्रशांत रंजन मालवीय, डॉ सोमनाथ साहा और प्रो सुमंतो मंडल आदि उपस्थित रहे।

जयराम महतो ने किया आयुष्मान अरोग्य मंदिर के नवीनीकरण कार्य का शिलान्यास

आजाद सिपाही संवाददाता

नावडीह/बेरमो। नावडीह प्रखंड के बिरनी पंचायत में आयुष्मान अरोग्या मंदिर के नवीनीकरण कार्य का शिलान्यास और शिलापट्टा का अनावरण डुमरी विधायक जयराम महतो और सांसद प्रतिनिधि सुरेश कुमार महतो ने संयुक्त रूप से किया। यह कार्य भवन निर्माण विभाग की ओर से किया जाएगा। इस अवसर पर विधायक जयराम महतो ने संवेदक को निर्देश देते हुए कहा कि तय सीमा के अंदर कार्य को पूरा करना है। कार्य कि गुणवक्ता से कोई समझौता नहीं होना चाहिए और कार्य सही ढंग से पूरा होना चाहिए। वहीं, सांसद प्रतिनिधि सुरेश कुमार महतो ने कहा कि उक्त निर्माण होने से यहां लोगों को लाभ मिलेगा। कहा कि गिरिडीह सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी हमेशा अपने क्षेत्र वासियों के विकास के लिए तत्पर रहते हैं। उन्होंने अपने कार्यकाल मे गिरिडीह के जनता के लिए बहुत सारे विकास कार्य किये है। इस मौके पर जगरनाथ कुमार, दीपक कुमार, वीरेंद्र कुमार, जयप्रकाश महतो, कुंदन कुमार, मनोज कुमार महतो, गप्पू, बिरसा महतो और महावीर महतो आदि उपस्थित थे।

अवैध गांजा-शराब और चरस की बिक्री के खिलाफ ग्रामीणों का प्रदर्शन, पहुंची पुलिस

धनबाद (आजाद सिपाही)। धनसार थाना क्षेत्र के गांधी नगर सब्जी बागान स्थित माड़ी गोदाम में अवैध गांजा, शराब और चरस की बिक्री के खिलाफ रविवार को मोहल्ले के सैकड़ो महिला-पुरुष सुभावती देवी के घर के बाहर एकत्र हुए और जमकर विरोध प्रदर्शन किया। इसकी सूचना पाकर एएसआई संजीव कुमार तुरंद दलबल के साथ मौके पर पहुंचे, लेकिन महिला कांस्टेबल की अनुपस्थिति के कारण घर के अंदर प्रवेश नहीं कर सके। उन्होंने मामले की जानकारी धनसार थाना को दी और आगे की कार्रवाई शुरू कर दी। वहीं, स्थानीय दिलीप कुशवाहा ने बताया कि इस जगह पर पिछले 10 वर्षों से महुआ शराब की बिक्री हो रही थी। हाल के तीन महीनों से गांजा और चरस का भी धंधा शुरू हो गया। नशे में धुत लोग रातभर मोहल्ले में गाली-गलौज और भद्दी बातें करते हैं। जिससे महिलाएं-लड़कियां एवं बच्चे खुद को असुरक्षित महसूस करते हैं। बताया कि इस जगह पुलिस ने पहले भी छापामारी की थी, लेकिन आरोपी फरार हो गये थे। हालांकि अवैध कारोबार बंद नहीं हुआ। लोगों ने उक्त अवैध कारोबार पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाने की मांग की है। साथ ही दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

बीसीसीएल अधिकारियों-कर्मियों पर वृद्ध महिला ने लगाये चोरी के आरोप, थाने में की शिकायत

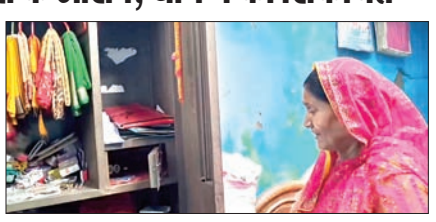

झरिया (आजाद सिपाही)। लोदना ओपी अंतर्गत 8 नंबर में रहने वाली चंद्रकला देवी (70) ने बीसीसीएल अधिकारियों के खिलाफ लोदना ओपी में लिखित शिकायत कर गंभीर आरोप लगाया है। शिकायत में चन्द्रकला देवी ने बताया कि शनिवार की दोपहर जब वे घर लौटीं तो देखा कि घर का पिछला हिस्सा टूटा है और अंदर का सारा सामान बिखरा पड़ा है। अलमारी का ताला भी टूटा मिला और उसमें रखे सोने-चांदी के गहने, नगदी और कीमती घरेलू सामान गायब थे। आरोप लगाया कि घटना के समय बीसीसीएल के कुछ अधिकारी घर के पास मौजूद थे। जब उनसे पूछताछ की तो उन्होंने मैनेजर से बात करने को कहा और मौके से गाड़ी लेकर चले गए। पीड़िता का कहना है कि इलाके के कई घरों को नहीं तोड़ा गया, लेकिन उनके घर को निशाना बनाकर तोड़ा गया और कीमती सामान उठा लिया गया। शिकायत में दर्ज सामानों में एक सोने का हार, झुमका, तीन सोने की चेन, दो अंगूठी, तीन मांगटीका, छह जीतिया, सात मंगलसूत्र, 25 ग्राम सोना, करीब 25 हजार रुपये नकद, एक टीवी, पलंग, अलमारी और अन्य घरेलू सामान शामिल हैं। पीड़िता ने कहा कि मैनेजर शांतनु सील के साथ 2-3 लोग खड़े थे। जिसे देखकर वह पहचान सकती हैं, जो घटना के समय मौके पर मौजूद थे। उन्होंने प्रशासन से दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर जेवर और नकदी बरामद कराने की मांग की है।

बीएंडके क्षेत्र में राजभाषा माह का शुभारंभ

भारत की संस्कृति, परंपरा, पहचान और राष्ट्र का गौरव है हिंदी: जीएम

आजाद सिपाही संवाददाता

करगली/बेरमो। सीसीएल बीएंडके क्षेत्र अंतर्गत करगली ऑफिसर्स क्लब में रविवार को राजभाषा माह का शुभारंभ हुआ। जिसका उद्घाटन बीएंडके जीएम चितरंजन कुमार और महिला समिति की अध्यक्षा श्वेता कुमारी ने किया। इस अवसर पर जीएम ने कहा कि हिंदी सिर्फ हमारी भाषा नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति, पहचान और हमारे राष्ट्र का गौरव है। अंग्रेजी को सीखना आवश्यक हो सकता है, पर अपनी मातृभाषा का सम्मान करना हम सभी का दायित्व है। हिंदी का अधिक से अधिक उपयोग कर हम अपने कार्यों में सरलता और सुलभता ला सकते हैं। यह हमारी मातृभाषा है, जिसे प्रोत्साहित करना चाहिए और आने वाली पीढ़ी को भी इससे जोड़ना चाहिए। इस मौके पर हिंदी माह के दौरान होने वाले विभिन्न आयोजनों की जानकारी साझा की गई। इसमें निबंध प्रतियोगिता, काव्य पाठ, हिंदी पखवाड़ा और हिंदी कार्यशाला शामिल है। अंत में सभी ने हिंदी को अपने दैनिक जीवन में अधिक से अधिक उपयोग करने का संकल्प लिया। संचालन प्रबंधन प्रशिक्षु प्रेक्षा मिश्रा ने किया। मौके पर एसओ माइनिंग केएस गैवाल, एएफएम ज्ञानेंदु चौबे, पीओ बीएन पांडेय, एसओपी विनय रंजन टुडू, कार्मिक प्रबंधक पीएन सिंह, आरपी यादव, मैनेजर चिंतामणि मांझी, सीसीएल कर्मी संजय पांडेय, पुष्पांजलि तिवारी और परवेज अख्तर आदि उपस्थित थे।

आरएसएस नावाडीह खंड की बैठक में शताब्दी वर्ष एवं विजयादशमी को लेकर चर्चा

नावाडीह/बेरमो (आजाद सिपाही)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने रविवार को नावाडीह में बैठक की। जिसमें शताब्दी वर्ष एवं विजयादशमी उत्सव की तैयारियों को लेकर चर्चा की गई। बैठक में संघ के पदाधिकारियों और स्वयंसेवकों ने उत्सव के आयोजन, पथ संचलन की तिथि एवं मार्ग, गणवेश की व्यवस्था और अन्य आवश्यक विषयों पर विचार-विमर्श किया। कार्यकर्ताओं ने संकल्प लिया कि इस बार विजयादशमी उत्सव को भव्य और अनुशासित ढंग से मनाया जाएगा। जानकारी देते हुए जिला कार्यवाह भोला ने बताया कि विजयादशमी उत्सव न केवल संगठनात्मक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह समाज में राष्ट्र भावना और अनुशासन का संदेश देने का भी अवसर होता है। इसी को ध्यान में रखते हुए इस वर्ष भी विशेष कार्यक्रम की तैयारी की जा रही है। बैठक में जिला सह कार्यवाह कुंवर महतो, खंड कार्यवाह लालचंद महतो, सह कार्यवाह बालेश्वर महतो आदि थे।

आजाद सिपाही
रांची, सोमवार, 15 सितंबर, 2025
www.azadsipahi.in

लंदन में अवैध-अप्रवासी मुद्दे पर एक लाख लोगों ने किया प्रदर्शन

- टेस्ला मालिक इलॉन मस्क भी जुड़े, कहा- लड़ो या मरो
- प्रोटेस्ट के समय पीएम कीर स्टार्मर फुटबॉल मैच देख रहे थे

एजेंसी

लंदन। ब्रिटेन में अवैध अप्रवासियों की बढ़ती आबादी के खिलाफ शनिवार को लंदन में प्रदर्शन हुआ। इसमें 1 लाख से ज्यादा लोग शामिल हुए। इस प्रोटेस्ट को 'यूनाइट द किंगडम' नाम दिया गया, जिसे एंटी-इमिग्रेशन नेता टॉमी रॉबिन्सन ने लीड किया। इसे देश की सबसे बड़ी दक्षिणपंथी रैली माना जा रहा है। इस प्रदर्शन में टेस्ला मालिक इलॉन मस्क वीडियो के जरिए शामिल हुए।

मीडिया चैनल 'द इंडिपेंडेंट' के मुताबिक उन्होंने टॉमी रॉबिन्सन से बात की। मस्क ने कहा कि हिंसा

तुम्हारे पास आ रही है। या तो लड़ो या मरो। इलॉन मस्क ने ब्रिटेन में संसद भंग करने की मांग की। उन्होंने कहा कि सरकार बदलनी होगी।

वही, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर उस वक्त फुटबॉल मैच देख रहे थे। वे अपने बेटे के साथ लंदन के एमिरेट्स स्टेडियम में थे, जब शहर में हिंसा हो रही थी।

28000 प्रवासी इस साल ब्रिटेन पहुंचे

इस प्रदर्शन का मकसद ब्रिटेन में अवैध अप्रवासन (इलीगल इमीग्रेशन) के खिलाफ आवाज उठाना था। प्रदर्शनकारी मांग कर रहे थे कि अवैध प्रवासियों को देश से बाहर किया जाये। इस साल 28 हजार से ज्यादा प्रवासी इंग्लिश चैनल के रास्ते नावों में ब्रिटेन पहुंचे थे।

प्रदर्शनकारियों और पुलिस में हुई झड़प

इसी दिन स्टैंड अप टू रेसिज्म नामक एक विरोधी प्रदर्शन भी हुआ, जिसमें लगभग 5,000 लोग शामिल थे। दोनों समूहों के बीच टकराव रोकने के लिए पुलिस ने घेराबंदी कर रखी थी। मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने मीडिया को बताया कि 'यूनाइट द किंगडम' मार्च के दौरान कुछ प्रदर्शनकारियों ने पुलिस का घेरा तोड़ने की कोशिश की और विरोधी समूह की ओर बढ़ने का प्रयास किया। इस दौरान कई पुलिसकर्मियों पर हमला हुआ। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए 1,600 से अधिक पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया, जिनमें 500 अन्य क्षेत्रों से बुलाये गये थे।

प्रदर्शनकारियों ने अमेरिकी और इजराइली झंडे लहराये : प्रदर्शनकारियों ने यूनियन जैक और सेंट जॉर्ज क्रॉस के झंडे लहराए। कुछ ने अमेरिकी और इजराइली झंडे भी उठाये। कई प्रदर्शनकारी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से जुड़ी मेक अमेरिका ग्रेट अगेन टोपी पहने हुए थे। प्रदर्शन में प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के खिलाफ नारे लगाये गये और उन्हें वापस भेजो जैसे संदेशों वाले बैनर दिखाई दिये।

लखनऊ एयरपोर्ट पर बड़ा हादसा टला

रनवे पर दौड़ रहा था विमान, पायलट ने इमरजेंसी ब्रेक लगाकर रोका

डिंपल यादव समेत 151 लोग सवार थे विमान में

आजाद सिपाही संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ एयरपोर्ट से दिल्ली जा रही इंडिगो की फ्लाइट को पायलट ने टेकऑफ से पहले अचानक रोक दिया। फ्लाइट रनवे पर दौड़ चुकी थी, आखिरी वक्त पर पायलट ने इमरजेंसी ब्रेक लगाए। बताया जा रहा है कि फ्लाइट के इंजन को टेकऑफ के लिए थ्रस्ट यानी प्रेशर नहीं मिल पा रहा था। ऐसे में पायलट ने विमान को रोकने का फैसला किया।

विमान (6-ई-2111) में सपा प्रमुख अखिलेश की सांसद पत्नी डिंपल यादव समेत 151 यात्री सवार थे। अचानक विमान रुकने से यात्री सहम गए। हालांकि, बाद यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। उन्हें दूसरी फ्लाइट से दिल्ली भेजा गया।

एयरपोर्ट सूत्रों के मुताबिक डायरेक्ट्रेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन ने घटना की रिपोर्ट मांगी है। वहीं, इंडिगो ने बयान जारी कर कहा कि तकनीकी कारण से विमान को टेकऑफ रोकना पड़ा। यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। हालांकि, इंडिगो ने फ्लाइट्स को क्यों रोका गया। इसकी स्पष्ट वजह नहीं बतायी है।

यात्री बोले- भगवान ने बचा लिया

फ्लाइट 6 ई 2111 शनिवार को 11:10 बजे फ्लाइट रनवे पर दिल्ली के लिए उड़ान भरने पहुंची। यात्रियों के अनुसार, विमान ने गति पकड़ ली थी, तभी एक आवाज सुनाई दी। प्लेन को हवा में ऊपर उठने के लिए पर्याप्त थ्रस्ट नहीं मिला। एयरपोर्ट के सूत्रों के अनुसार, पायलट ने तुरंत एटीसी को अबेंडिंग टेकऑफ की सूचना दी। इसके बाद पायलट ने विमान को रोकने का फैसला किया। बाद में फ्लाइट टैक्सी-वे से वापस लौटकर बे संख्या-07 पर खड़ी हो गई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, एक यात्री ने कहा- भगवान ने बचा लिया। नहीं तो बड़ा हादसा हो सकता था। विमान में मैनपुरी से सांसद डिंपल यादव भी सवार थीं।

55वीं बार बनाया रिकॉर्ड : जापान में 1 लाख बुजुर्गों की उम्र 100 से ज्यादा

दुनिया की सबसे ज्यादा बुजुर्ग आबादी वाला देश बना

एजेंसी

टोक्यो। जापान में करीब 1 लाख लोगों ने 100 साल से ज्यादा की उम्र पूरी कर ली है। जापान के स्वास्थ्य मंत्री ताकामारो फुकोका ने शुक्रवार को बताया कि 87,784 महिलाओं और 11,979 पुरुषों की उम्र 100 साल से ज्यादा है। महिला और पुरुष को मिलाकर कुल 99,763 बुजुर्ग 100 साल की उम्र पूरी कर चुके हैं, जिसमें 88% महिलाएं हैं। यह देश की कुल आबादी 12.4 करोड़ का 0.81% है। जापान ने लगातार 55वें साल यह रिकॉर्ड बनाया है।

जापान में 15 सितंबर को बुजुर्ग दिवस मनाया जाता है। इस दिन जापानी पीएम 100 साल से अधिक उम्र के बुजुर्गों को बधाई पत्र और चांदी का गिलास देते है। इस बार 52,310 बुजुर्गों को यह सम्मान दिया जाएगा।

देश की सबसे बुजुर्ग महिला 114 साल की शिगेको कागावा हैं और सबसे बुजुर्ग पुरुष 111 साल के कियोताका मिजुनो हैं।

सरकार की पहल से बदली लोगों की जीवन शैली

1960 की दशक तक जापान में लोगों की उम्र जी7 देशों के लोगों के औसत उम्र से कम थी। 1963 में सरकार ने एक सर्वे किया। इसमें 153 लोगों की उम्र 100 साल से ज्यादा थी। इसके बाद सरकार ने सार्वजनिक पहल शुरू की। लोगों को नमक और चीनी कम खाने के लिए जागरूक किया गया। जापानी लोगों में मोटापा की समस्या कम है। इससे दिल और कैंसर जैसी बीमारियां कम होती हैं। 1923 में टीवी पर 3 मिनट का एक एक्सरसाइज प्रोग्राम चलाया गया, जो अब जापान का कलचर बन गया है। 1981 में 1000 लोग 100 साल

की उम्र पूरी कर चुके थे। 1998 तक यह आंकड़ा 10,000 पहुंच गया था। हालांकि कुछ मीडिया रिपोर्ट्स ने इन आंकड़ों को गलत बताया। 2010 में जापान के परिवार रजिस्टरों के सरकारी ऑडिट से पता चला कि 100 साल से ज्यादा के उम्र वाले 2 लाख 30 हजार लोग या तो लापता हैं या मर चुके हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक बुजुर्गों के रिश्तेदार पेंशन योजनाओं का फायदा लेने के लिए आंकड़ों में गड़बड़ी करते हैं।

जीवन जीने की दर में जापान का चौथा नंबर : जापान में जीवन दर 95.1 है यानी यहां लोगों की औसत उम्र 95 साल है। वर्ल्ड पॉपुलेशन रिव्यू 2024 के डेटा के मुताबिक विश्व के ऐसे देश जहां लोगों की औसत उम्र सबसे ज्यादा है, उनमें जापान चौथे नंबर पर है। इनमें महिलाएं पुरूषों से ज्यादा जिंदा रहती है।

स्वस्थ देशों की लिस्ट में जापान का दूसरा नंबर : वर्ल्ड पापुलेशन रिव्यू के 2025 के आंकड़ों के मुताबिक दुनिया के सबसे स्वस्थ्य देशों में जापान दूसरे नंबर पर है। इस रिपोर्ट को जीवन की दर, मोटापा, डायबिटीज, खुशी और सेहत पर होने वाले खर्च के आधार पर तैयार किया गया है।

बारिश के चलते वैष्णो देवी यात्रा फिर स्थगित

उत्तर प्रदेश में 4% कम तो हिमाचल में 133% ज्यादा बारिश

आजाद सिपाही संवाददाता

लखनऊ/मंडी/जम्मू/दिल्ली। जम्मू-कश्मीर में खराब मौसम के चलते वैष्णो देवी यात्रा को फिर से रोका गया। 19 दिन स्थगित रहने के बाद यात्रा रविवार से शुरू होनी थी, लेकिन तेज बारिश के चलते इसे अगले आदेश तक स्थगित किया गया। 26 अगस्त को मंदिर के ट्रैक पर लैंडस्लाइड में 34 तीर्थयात्रियों की मौत हुई थी।

उत्तर प्रदेश में लगातार बारिश के बाद गंगा, यमुना समेत नदियों का जलस्तर अब भी बढ़ा हुआ है। बलिया में चक्की नौरंगा गांव में 5 मकान और 5 दुकानें नदी में समा गयीं। इस मानसून सीजन राज्य में 654.2एमएम बारिश हुई जो औसत 679.3एमएम बारिश से 4% कम है। हिमाचल के मंडी जिले के धर्मपुर में सपड़ी रोह गांव में शनिवार को लैंडस्लाइड हुई। कई घरों तक मलबा पहुंच गया। 8 घर खाली भी कराये गये हैं। राज्य में बारिश-बाढ़ से मरने वालों का आंकड़ा 386 पहुंच गया है। राज्य में 12 सितंबर तक 133% ज्यादा बारिश रिकॉर्ड हुई है। इस पीरियड में 64.6एमएम बारिश की तुलना में 150.4एमएम बारिश हो चुकी है। राजस्थान के पश्चिमी हिस्से से रविवार से मानसून विदाई की शुरुआत हो गयी है।

लक्ष्मण प्रसाद सिंह ने हिंदी दिवस पर दी शुभकामनाएं

राजधनवार (आजाद सिपाही)। भाजपा नेता सह पूर्व आइजी लक्ष्मण प्रसाद सिंह ने हिंदी दिवस पर राज्य और देशभर के लोगों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि 14 सितंबर को राष्ट्रीय हिंदी दिवस की 76वीं वर्षगांठ मनायी गयी। भारत की आजादी के बाद 14 सितंबर 1949 को संविधान सभा ने हिंदी को देवनागरी लिपि में संघ की राजभाषा के रूप में मान्यता दी थी, तभी से यह दिन हिंदी के महत्व को याद करने के लिए मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार में हिंदी भाषा की शिक्षा को सशक्त बनाने के लिए कई कदम उठाये गये हैं।

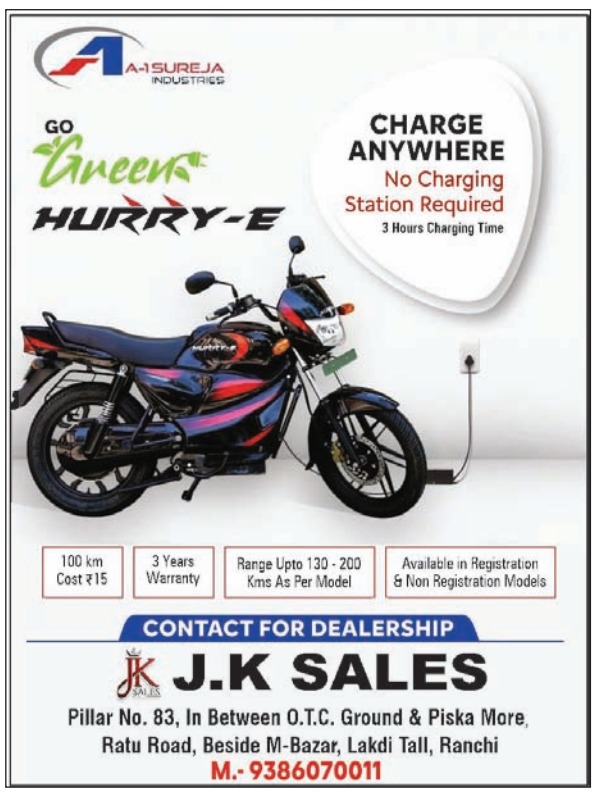

आजाद सिपाही की ओर से स्वत्वाधिकारी लैंडस्केप मीडिया प्रा. लि., प्रकाशक एवं मुद्रक हरिनारायण सिंह के लिए 176 कोकर चौक, ओल्ड एचबी रोड, रांची 834001 (झारखंड) से प्रकाशित तथा डीबी प्रिंट सोल्यूशंस (ए यूनिट ऑफ डीबी कार्प लिमिटेड), प्लॉट नं. 535 एवं 1272, ललगुटवा, पुलिस स्टेशन, रातू, रांची, झारखंड से मुद्रित। **संस्थापक प्रधान संपादक :** स्व. हरिनारायण सिंह, **संपादक :** राकेश सिंह, **स्थानीय संपादक* :** विनोद कुमार,***पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, **राज्य समन्वय संपादक :** अजय शर्मा। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 9264434560, **R.N.I. No.-JHAHIN/2015/65109,** Postal Registration No. **RN/249/2019-21**